THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 346 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन शु.10 2079 बुधवार, 1 मार्च 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

डांस करते-करते गिरा युवक, हार्ट अटैक से मौत

तेलंगाना में अचानक धड़कनें रुकने की हफ्ते की चौथी घटना

हैदराबाद, 28 फरवरी (एजेंसियां)। नांदेड़ में डांस करते-करते एक युवक की अचानक मौत हो गई। घटना पिछले शनिवार (25 फरवरी) की है, जहां शादी में डांस कर रहे एक 19 साल के युवक की हार्ट अटैक से मौत हो गई। महाराष्ट्र का रहने वाला मुत्यम हैदराबाद से करीब 200 किलोमीटर दूर निर्मल जिले के पारडी गांव में अपने रिश्तेदार के यहां शादी में आया था।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल :

घटना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें देखा जा सकता है कि युवक अपने पसंदीदा तेलुगु गाने पर डांस कर रहा है। 40 सेकंड के वीडियो में कुछ समय बाद दिखता है कि वह डांस करते-करते अचानक से जमीन पर गिर पड़ा। जब तक लोग कुछ समझ पाते, उसकी मौत हो गई। वहां मौजूद लोग उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर के मुताबिक, युवक की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई।

तेलंगाना में एक हफ्ते में अचानक हार्ट-अटैक आने की ऐसी चौथी घटना :

तेलंगाना में यह एक हफ्ते में ऐसी चौथी घटना है जहां अचानक से लोगों को हार्ट अटैक आया और वे बेहोश होकर गिर पड़े। एक केस में ट्रैफिक कॉन्स्टेबल ने सीपीआर देकर शख्स को मौत से बचा लिया, लेकिन दो मामलों में दो लोगों की जान चली गई।

अब सरकार को बाधा के रूप में नहीं : पीएम

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि लोग सरकार को नए अवसरों के उत्प्रेरक के रूप में देखते हैं, न कि बाधा के रूप में। मोदी ने 'ईज ऑफ लिविंग यूजिंग टेक्नोलॉजी' पर बजट के बाद के वेबिनार को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। प्रधानमंत्री ने कहा, आज लोग सरकार को एक बाधा के रूप में नहीं देखते हैं, बल्कि लोग हमारी सरकार को नए अवसरों के उत्प्रेरक के रूप में देखते हैं। निश्चित रूप से इसमें तकनीक की बड़ी भूमिका रही है। आज सरकार की नीतियों और फैसलों का सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहा है। जहां इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है, प्रधानमंत्री ने कहा, सरकार और लोगों के बीच विश्वास की कमी गुलामी की मानसिकता का परिणाम है।

पिछली सरकारों की प्राथमिकताओं में विरोधाभासों को उजागर करते हुए, उन्होंने याद किया कि कैसे लोगों का एक विशेष वर्ग हमेशा सरकार के हस्तक्षेप की तलाश में रहता था और उम्मीद करता था कि यह लोगों के लिए अच्छा करेगा।

मोदी ने कहा कि उनका पूरा जीवन इन सुविधाओं के अभाव में बीता

उन्होंने लोगों के एक अन्य वर्ग पर भी प्रकाश डाला, जो आगे बढ़ना चाहता था, लेकिन सरकारी हस्तक्षेप से उत्पन्न दबाव और बाधाओं से नीचे खींच लिया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि नागरिक अब सरकार को अपने विचार बता सकते हैं और उनका समाधान तुरंत प्राप्त कर सकते हैं, क्योंकि सरकार ने भारत में एक आधुनिक डिजिटल बुनियादी ढांचा तैयार किया है। हम यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि डिजिटल क्रांति का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे।

उन्होंने कहा कि देश को समाज के साथ विश्वास को मजबूत करने के लिए वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं से सीखने की जरूरत है। मोदी ने बताया कि कैसे प्रौद्योगिकी की भूमिका ने वन नेशन वन राशन कार्ड और जेएएम (जन धन-आधार-मोबाइल) ट्रिनिटी, आरोग्य सेतु और कोविन ऐप, रेलवे आरक्षण और सामान्य सेवा केंद्रों की तरह जीवन को आसान बना दिया है। उन्होंने सरकार के साथ संचार में आसानी के बारे में लोकप्रिय भावना पर प्रकाश डाला, क्योंकि बातचीत आसान हो गई है और लोगों को त्वरित समाधान मिल रहे हैं। उन्होंने आयकर प्रणाली से संबंधित शिकायतों के फेसलेस समाधान का उदाहरण दिया। अब आपकी शिकायतों और निवारण के बीच कोई व्यक्ति नहीं है, बस तकनीक है।

प्रधानमंत्री ने विभिन्न विभागों से सामूहिक रूप से अपनी समस्याओं को हल करने और वैश्विक मानकों तक पहुंचने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के बारे में सोचने को कहा। उन्होंने कहा, एक कदम आगे बढ़ते हुए, हम उन क्षेत्रों की पहचान कर सकते हैं, जहां सरकार के साथ बातचीत को और आसान बनाया जा सकता है।

सिसोदिया और जैन का इस्तीफा

सुप्रीम कोर्ट से मनीष सिसोदिया को राहत नहीं

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और मंत्री सत्येंद्र जैन ने इस्तीफा दे दिया है। इन दोनों ने अपने इस्तीफे दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को भेजे, जिन्हें अरविंद केजरीवाल ने मंजूर कर लिए हैं। दोनों नेताओं के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी के नेता अमित मालवीय ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी अपने इस्तीफे के लिए तैयार रहना चाहिए।

दोनों नेताओं के इस्तीफे के बाद बीजेपी के सांसद प्रवेश वर्मा की तरफ से भी प्रतिक्रिया दी गई। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में दिल्ली की जनता की आज जीत हुई है। आने वाले समय में अरविंद केजरीवाल भी अपना इस्तीफा तैयार रखें। आप के सभी भ्रष्टाचारियों को अपने किए पापों की सजा भुगतनी होगी।

न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से जानकारी दी है कि अरविंद केजरीवाल की सरकार में अभी किसी नई मंत्री को शपथ नहीं दिलाई जाएगी। सूत्रों ने दावा किया है कि मनीष सिसोदिया के विभागों में से कुछ ट्रांसफोर्ट मिनिस्ट कैलाश गहलोत को दिए जाएंगे जबकि कुछ विभाग राजकुमार आनंद को दिए जाएंगे।

दोनों नेता जेल में बंद :

आम आदमी पार्टी के ये दोनों ही नेता सलाखों के पीछे हैं। केजरीवाल के बेहद खास लोगों में गिने जाने वाले सत्येंद्र जैन लंबे समय से तिहाड़ जेल में बंद हैं। पिछले दिनों उनकी सेल का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह रेप के एक आरोपी से मालिश करवाते दिखाई दे रहे हैं। दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को दो दिन पहले ही सीबीआई ने गिरफ्तार किया है। मनीष सिसोदिया नई शराब नीति में कथित भ्रष्टाचार को लेकर गिरफ्तार किए गए हैं। मंगलवार को उन्हें सुप्रीम कोर्ट से भी झटका लगा। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें हाईकोर्ट का रुख करने के निर्देश दिए हैं। >14

भारत के भगोड़े रेपिस्ट नित्यानंद की दूत यूएन में

इकोनॉमिक डिस्कशन का हिस्सा बनी, यूएस के नजदीक आईलैंड खरीद चुका है ये क्रिमिनल

जेनेवा, 28 फरवरी (एजेंसियां)। जेनेवा में यूएन की बैठक में भारत के भगोड़े स्वामी नित्यानंद के कथित देश कैलासा की प्रतिनिधि भी नजर आई।

नित्यानंद ने ट्वीट कर कहा, स्विटजरलैंड के जेनेवा में यूएन मीटिंग के दौरान कैलासा की एक महिला भक्त ने इकोनॉमिक और सोशल राइट्स के साथ सस्टेनेबल डेवलपमेंट पर चर्चा में हिस्सा लिया। कैलासा की प्रतिनिधि नित्यानंद की तरह ही पारंपरिक कपड़ों और ज्वैलरी में नजर आईं। नित्यानंद पर भारत में शिष्यों से रेप और किडनैपिंग के आरोप लगे थे।

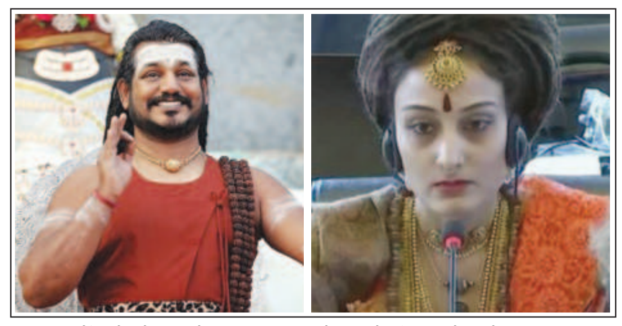

2019 में वो देश छोड़कर भाग गया था। उसने अपना अलग द्वीप बसाने और इसे अलग देश का दर्जा मिलने का दावा किया था। हालांकि, अब तक इस द्वीप या देश को किसी देश ने मान्यता नहीं दी है। जेनेवा मीटिंग से पहले भी यूएन कैलासा के प्रतिनिधियों की कुछ रिपोट्र्स को पब्लिश कर चुका है। इनमें हिंदुओं के साथ ही कैलासा के धर्मगुरु नित्यानंद पर हुए अत्याचारों का जिक्र किया गया था। इसके अलावा यूएन कमेटी में कैलासा की वेबसाइट पर भी इन रिपोट्र्स को दिखाया गया।

कैलासा ने यूएन को महिलाओं और अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर भी रिपोट्र्स सौंपी हैं। यूएन की ऑफिशियल वेबसाइट कैलासा को 193 मेंबर स्टेट्स में शामिल नहीं करती। दरअसल, एक तथाकथित देश (या संगठन) को भी यूएन के कुछ खास सेशन्स में प्रतिनिधि भेजने का अधिकार है। इसके लिए यूएन मेंबर होना जरूरी नहीं है। >14

सुरक्षाबलों ने अवंतीपोरा में अब तक 2 आतंकी मारे, एक जवान शहीद

अवंतीपोरा, 28 फरवरी (एजेंसियां)। कश्मीर में अवंतीपोरा के पडगामपोरा इलाके में सेना और आतंकियों के बीच सोमवार रात से मुठभेड़ चल रही है। मंगलवार दोपहर तक सेना ने 2 आतंकियों को ढेर कर दिया। पुलिस ने इनके पास हथियार और गोला-बारूद समेत आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। बाकी आतंकियों की तलाशी अभी चल रही है। पहले मारे गए आतंकवादी की पहचान पुलवामा के अकीब मुश्ताक भट के तौर पर हुई है। यह वही आतंकी था, जिसने रविवार को एटीएम सुरक्षाकर्मी और कश्मीरी पंडित संजय शर्मा की हत्या कर दी थी। अकीब ए कैटेगरी का लिस्टेड आतंकी था। उसने शुरूआत में हिजबुल मुजाहिद्दीन के लिए काम किया, इन दिनों वह टीआरएफ के साथ काम कर रहा था। इस मुठभेड़ दौरान सेना के दो जवान घायल हो गए थे। इनमें से एक जवान की 92 बेस हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई। कश्मीर जोन पुलिस के मुताबिक इलाके में और भी आतंकियों के छिपे होने की खबर है। सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। सेना ने इलाके के अपने कब्जे में ले लिया है और आतंकियों की तलाश की जा रही है। आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में रविवार को एटीएम सुरक्षाकर्मी शर्मा को उस समय गोली मार दी थी, जब वह बाजार में पत्नी के साथ जा रहे थे।

चंद्रयान-3 के क्रायोजेनिक इंजन का परीक्षण सफल

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान (इसरो) ने अपने मून मिशन चंद्रयान-3 के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। इसरो के अनुसार, चंद्रयान-3 मिशन के लिए प्रक्षेपण यान के सीई-20 क्रायोजेनिक इंजन का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।

इसरो के अधिकारियों ने बताया, 24 फरवरी को तमिलनाडु के महेंद्रगिरि में इसरो प्रोपल्सन कॉम्प्लेक्स की हाई एल्टीट्यूड टेस्ट फैसिलिटी में 25 सेकंड की नियोजित अवधि के लिए परीक्षण किया गया था। सोमवार अंतरिक्ष एजेंसी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि परीक्षण के दौरान सभी पैरामीटर संतोषजनक पाए गए। क्रायोजेनिक इंजन को पूरी तरह से एकीकृत उड़ान के लिए प्रोपेलेंट टैंक, स्टेज स्ट्रक्चर और संबंधित द्रव लाइनों के साथ एकीकृत किया जाएगा। इससे पहले इसरो ने चंद्रयान-3 के लैंडर का सफल परीक्षण किया गया था।

विधानसभा में प्याज की माला पहनकर पहुंच गए विधायक

मुंबई, 28 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में किसानों को प्याज के सही दाम नहीं मिल पा रहे हैं। किसान सरकार से प्याज के उचित दाम की मांग कर रहे हैं। प्याज के दाम को लेकर अब राजनीति शुरू हो गई है। इस मुद्दे को लेकर विपक्षी दल महाराष्ट्र सरकार और केंद्र सरकार पर हमलावर हो गए हैं। मंगलवार (18 फरवरी, 2023) को विपक्षी दल विधानसभा में प्याज लेकर पहुंचे और सरकार से प्याज के उचित मूल्य की मांग की। इस दौरान एनसीपी विधायकों ने गले में प्याज की माला और सिर पर प्याज की टोकरी लेकर विरोध जताया। वे मांग कर रहे हैं कि प्याज के उचित मूल्य मिलें। नेता एक-दूसरे को प्याज की मालाएं पहनाते भी नजर आए।

थोक भाव कम होने के कारण नासिक में किसानों ने बंद की प्याज की नीलामी :

इससे पहले सोमवार को प्याज के थोक भाव कम होने के कारण किसानों ने नासिक के लासलगांव कृषि उत्पाद बाजार समिति (एपीएमसी) में प्याज की बिक्री बंद कर दी थी। इसके बाद प्याज उत्पादक संघ ने सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्याज की कीमतों में धीरे-धीरे गिरावट के कारण किसानों ने लासलगांव एपीएमसी में अपना प्रदर्शन किया। इसके परिणामस्वरूप प्याज की नीलामी रुक गई। संगठन की मांग है कि प्याज को सही दाम पर बेचा जाए। 1 रुपये किलो या 2 रुपये किलो पर प्याज की बिक्री के कारण नीलामी बंद कर दी गई।

प्याज की फसल की भारी पैदावार के कारण अन्य राज्यों में भी इसकी कीमतों में गिरावट आ रही है। विरोध कर रहे एक किसान ने कहा कि उन्हें प्याज उगाने के लिए 50,000 रुपये प्रति एकड़ की लागत आती है, जबकि वे नीलामी में बेची गई उपज के लिए केवल 10,000 रुपये से 20,000 रुपये तक ही कमाते हैं। गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले स्वाभिमानी शेतकरी संगठन (एसएसएस) ने प्याज की कीमतों में गिरावट का हवाला देते हुए शिरडी-सूरत हाईवे पर चक्का जाम किया था। किसानों ने हड़ताल के दौरान सरकार के खिलाफ अपनी नाराजगी जताई थी।

जस्टिस पहले करेंगे दौरा, फिर लेंगे फैसला

चेन्नई, 28 फरवरी (एजेंसियां)। चंदन की लकड़ियों के तस्कर वीरप्पन के मामले में सेशन कोर्ट से सजायाफ्ता हो चुके 215 सरकारी मुलाजिमों के मामले में कोई भी फैसला देने से पहले मद्रास हाईकोर्ट के जस्टिस खुद उस गांव का दौरा करेंगे जहां वीरप्पन की तलाश में गए कर्मियों ने तबाही मचाई थी।

हाईकोर्ट ने 215 मुलाजिमों की याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। जस्टिस पी वेलूमुरगन ने कहा कि वो वछाती गांव का दौरा कर हकीकत का पता लगाएंगे। फिर फैसला देंगे।

सेशन कोर्ट ने फारेस्ट महकमे के 126, पुलिस के 84 और राजस्व विभाग के 6 मुलाजिमों को सजा सुनाई है। इन सभी ने सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी। इस मामले में कुल 269 मुलाजिम आरोपी बनाए गए थे। इनमें से 54 की सुनवाई के दौरान ही मौत हो गई थी। >14

तापमान के साथ बढ़ने लगी बीमारियां

केंद्र ने राज्यों को पत्र लिखकर किया अलर्ट

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। मौसम बदलने के साथ ही धीरे-धीरे तापमान में भी इजाफा होने लगा है। हालांकि, इस बार फरवरी में ही तापमान ने कई रिकॉर्ड तोड़ने शुरू कर दिए हैं। भले ही सुबह और शाम को तापमान गिर रहा है, लेकिन दोपहर में पारा इतना ज्यादा बढ़ रहा है कि लोगों को अभी से गर्मी सताने लगी है।

मौसम में होते इस उतार-चढ़ाव ने स्वास्थ्य विशेषज्ञों की अभी से चिंता बढ़ा दी है। इस बीच केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने सभी राज्यों को पत्र लिखकर गर्मी से जुड़ी बीमारियों को लेकर अलर्ट किया है। उन्होंने सभी से 'नेशनल एक्शन प्लान' पर ध्यान देने के लिए कहा है।

कई जगहों पर हाई लेवल पर पहुंचा तापमान :

केंद्र की ओर से लिखी गई चिट्ठी में कहा गया है कि कई जगहों पर अभी से तापमान हाई लेवल पर पहुंच गया है। ऐसे में गर्मी से होने वाली बीमारियां भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीसीएचएच) के तहत सभी राज्यों में दैनिक निगरानी की जाएगी। अधिकारियों से स्वास्थ्य विभाग और स्वास्थ्य सुविधाओं की प्रभावी तैयारियों के लिए सभी जिलों में तैयारी सुनिश्चित करने के लिए कहा है। पत्र में कहा गया है कि राज्य के स्वास्थ्य विभागों को चिकित्सा अधिकारियों, स्वास्थ्य कर्मचारियों, जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को गर्मी से होने वाली बीमारी, इसकी शीघ्र पहचान और प्रबंधन के प्रति संवेदनशील बनने की जरूरत है। इसके अलावा विभागों को आवश्यक दवाओं, इंट्रावेनस फ्लूड, आइस पैक, ओआरएस और सभी आवश्यक उपकरणों की पर्याप्त मात्रा की उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए। साथ ही सभी स्वास्थ्य सुविधाओं में पर्याप्त पेयजल की उपलब्धता के भी निर्देश जारी किए गए हैं।

तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने कसी कमर

दिल्ली में नड्डा के घर पर बैठक

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। तेलंगाना में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने तैयारी शुरू कर दी है। मंगलवार को दिल्ली स्थिति भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर एक महत्वपूर्ण बैठक की है। इस बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी मौजूद हैं। इसके अलावा तेलंगाना भाजपा के कई बड़े नेताओं को भी तलब किया गया है। माना जा रहा है कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह और तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय इस बैठक में महत्वपूर्ण रणनीति पर आगे बढ़ने का फैसला ले सकते हैं। जेपी नड्डा के आवास पर डीके अरुणा, अरविंद धरमपुरी, सुधाकर रेड्डी, के लक्ष्मण, जी किशन रेड्डी, विजय शांति, विवेक वेंकटस्वामी, एटाला राजेंद्रन, जी मोहन राव और मुरलीधर राव सहित तेलंगाना भाजपा के कई नेता मौजूद हैं। बंडी संजय कुमार के नेतृत्व में भाजपा प्रदेश में 11,000 जनसभा संपर्क कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा कर चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश में जल्द ही अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होगा क्योंकि मार्च के पहले हफ्ते में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय का कार्यकाल खत्म होने जा रहा है। लेकिन पार्टी के एक अन्य सूत्र ने बताया कि पार्टी प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उनका कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है। इससे पहले राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में संजय आकर्षण का केंद्र रहे थे क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'प्रजा संग्राम यात्रा' की प्रशंसा की थी और सभी राज्यों को उनकी यात्रा से सीख लेने को कहा था। साथ ही उनके संघर्ष और मेहनत की सराहना की थी।

मोस्ट वांटेड सरफराज अरेस्ट

इंदौर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। 2018 में पीएफआई की संदिग्ध गतिविधियों में शामिल रहा मोस्ट वांटेड सरफराज मेमन इंदौर में पकड़ा गया। मध्यप्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने सरफराज की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। एनआईए ने एक दिन पहले सरफराज के मुंबई में होने का अलर्ट जारी किया था। इसके बाद मुंबई पुलिस ने इंदौर पुलिस को भी अलर्ट भेजा था।

पांचवीं पास सरफराज मेमन इंदौर के चंदन नगर का रहने वाला है। वह लंबे समय से खजराना इलाके की मस्जिद के पास रह रहा था। उसने यहां मेडिकल स्टोर भी खोल लिया था। वह कई भाषाओं का जानकार है। गृहमंत्री मिश्रा ने बताया कि सोमवार को मुंबई पुलिस और एनआईए की तरफ से इंदौर पुलिस को एक इनपुट मिला था, जिसमें सरफराज के मुंबई में संदिग्ध परिस्थितयों में घूमने की बात सामने आई थी। >14

जगन्नाथ मंदिर में मुस्लिम अधिकारी के जाने पर विवाद

प्रधानमंत्री रहते इंदिरा गांधी को नहीं मिली थी इजाजत

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। पुरी के जगन्नाथ मंदिर में एक महिला मुस्लिम अधिकारी के मंदिर में प्रवेश को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। बताया जा रहा है कि मुस्लिम महिला ऑफिसर के मातहत आने वाले दूसरे अधिकारी ने इसको लेकर उनको आगाह किया था। ओडिशा के पुरी की इस घटना को लेकर महिला अधिकारी पर अपने पद और पावर का दुरूपयोग करने का आरोप लगा है।

मंदिर में प्रवेश को लेकर दूसरे अधिकारी ने कहा कि यहां गैर हिंदुओं को प्रवेश वर्जित है। पुरी के इस मंदिर में गैर हिंदू के प्रवेश की मनाही है। मंदिर में आने वालों की एंट्री आधार कार्ड के आधार पर कराई जाती है। हालांकि इस मामले पर राजनीति भी शुरू हो गई है लेकिन इस मंदिर से जुड़ा एक किस्सा ऐसा भी है जब इंदिरा गांधी को भी प्रधानमंत्री रहते इस मंदिर में एंट्री नहीं दी गई थी। ओडिशा के पुरी शहर में जगन्नाथ मंदिर हिंदुओं का देश में एक प्रसिद्ध मंदिर है। यहां पूरे देश भर के श्रद्धालु आते हैं। यह मंदिर हिंदुओं की चार धाम यात्रा में गिना जाता है। मंदिर की हर साल निकलने वाली रथ यात्रा विश्व प्रसिद्ध है। इस मंदिर में इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री रहते प्रवेश की इजाजत नहीं दी गई थी। साल 1984 की बात है जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को मंदिर में प्रवेश की इजाजत नहीं दी गई थी। यानी भारत का प्रधानमंत्री भी गैर हिंदू है तो इस मंदिर में प्रवेश नहीं कर सकता है। जगन्नाथ मंदिर के पुजारियों की ओर से उनके मंदिर में प्रवेश को लेकर विरोध जताया गया। मंदिर प्रशासन के अनुसार इंदिरा गांधी का विवाह एक पारसी फिरोज गांधी के साथ हुआ है इसलिए विवाह के बाद वह मंदिर में प्रवेश नहीं कर सकती हैं। इस वजह से उनको जगन्नाथ मंदिर में प्रवेश नहीं दिया गया। 1984 में मंदिर में सेवादारों की ओर से इंदिरा गांधी के प्रवेश का जमकर विरोध किया। इसका नतीजा यह हुआ कि मजबूरन उनको पास के रघुनंदन पुस्तकालय से पूजा-अर्चना करनी पड़ी। नवंबर 2005 में थाईलैंड की राजकुमारी ओडिशा की पहली यात्रा पर थी लेकिन उन्होंने मंदिर को बाहर से देखा। इस मंदिर में विदेशियों के प्रवेश की अनुमति नहीं है। 2006 में स्विस महिला एलिजाबेथ जिगलर को प्रवेश नहीं मिला क्योंकि वह इसाई महिला थी। जबकि उनकी ओर से मंदिर को 1.78 करोड़ रुपये का दान भी दिया गया था। सदियों से यह प्रथा रही है। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि मुस्लिम शासकों द्वारा मंदिर पर किए गए कई हमलों ने वहां के प्रशासन पर गैर हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के लिए प्रेरित किया हो। वहीं कुछ लोगों का यह भी मानना है कि मंदिर निर्माण के समय से ही यह प्रथा चली आ रही है। कुछ जगह इस बात का जिक्र है कि मुगल काल में मंदिरों में लूटपाट के बाद ही इस प्रकार के प्रतिबंध हैं। मंदिर में इस संबंध में नोटिस भी लगा हुआ है। इसका जिम्मा राज्य का धर्मस्व व न्यास विभाग संभालता है। साथ ही ट्रस्ट भी इसे देखता है।

कर्मचारियों के आगे झुकी बोम्मई सरकार

बेंगलुरू, 28 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक में सरकारी कर्मचारियों की ओर से एक मार्च से हड़ताल की धमकी के बाद बोम्मई सरकार बैकफुट पर आ गई है।

मंगलवार को सीएम बसवराज बोम्मई ने सरकारी कर्मचारियों से मुलाकात की और कहा कि उनकी सरकार सातवीं वेतनमान के लिए तैयार है। वेतन आयोग की अंतरिम रिपोर्ट को अविलंब लागू किया जाएगा। बता दें, कर्मचारियों की हड़ताल के कारण कर्नाटक में बड़े पैमाने पर अस्पतालों, परिवहन और इमरजेंसी सेवाओं के प्रभावित होने की संभावना है।

कर्नाटक में सरकारी कर्मचारी अपनी तीन मांगों को लेकर सरकार के सामने हैं। कर्मचारियों की मांग है कि राज्य में 7वें वेतन आयोग की रिपोर्ट को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। इसके अलावा कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना और कम से कम 40 प्रतिशत फिटमेंट सुविधाओं को लागू करने की मांग कर रहे हैं।

मणिपुर के बाद अब मेघालय में कांपी धरती

3.7 मैग्नीट्यूड के झटके महसूस किए गए

मणिपुर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। मेघालय में मंगलवार की सुबह 3.7 तीव्रता का भूकंप आया। इससे पहले आज की ही रात सुबह करीब 3 बजे पर मणिपुर में भूकंप आया था। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के मुताबिक, मंगलवार तड़के मणिपुर के नोनी जिले में 3.2 तीव्रता का भूकंप आया। एनसीएसने ट्वीट करके बताया कि भूकंप की तीव्रता 3.2 थी और यह 25 किलोमीटर अंदर गहराई में था। भूकंप सिर्फ भारत के पूर्वोत्तर राज्य में ही नहीं आया। अफगानिस्तान में धरती हिलने की जानकारी मिली है। जानकारी के मुताबिक अफगानिस्तान में भी भूकंप आया है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक मंगलवार (28 फरवरी) को अफगानिस्तान में 4.1 तीव्रता का भूकंप आया। एनसीए के मुताबिक ताजिकिस्तान में मंगलवार सुबह करीब 5:32 बजे 4.3 तीव्रता का भूकंप आया।

उद्धव ठाकरे गुट को लग सकता है एक और झटका

विधान परिषद में अपना चीफ व्हिप नियुक्त करेगी शिवसेना

मुंबई, 28 फरवरी (एजेंसियां)। उद्धव ठाकरे गुट को एक और झटका लग सकता है। दरअसल शिंदे गुट ने महाराष्ट्र विधान परिषद में अपना चीफ व्हिप नियुक्त करने के लिए परिषद की उप-सभापति को पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विधान परिषद की उप-सभापति नीलम गोर्हे को पत्र लिखकर विधानसभा के ऊपरी सदन में विप्लव बजोरिया को शिवसेना का नया चीफ व्हिप बनाने की मांग की है। माना जा रहा है कि उद्धव ठाकरे गुट को और कमजोर करने के लिए यह कदम उठाया गया है। अभी उद्धव

बालासाहेब ठाकरे गुट के एमएलसी अनिल परब विधान परिषद में पार्टी के चीफ व्हिप हैं। महाराष्ट्र विधान परिषद में अभी शिवसेना के 11 एमएलसी हैं और इनमें से एक को छोड़कर बाकी सभी उद्धव ठाकरे के समर्थक हैं। अब जब शिवसेना का चीफ व्हिप शिंदे गुट का होगा तो उद्धव गुट के एमएलसी को भी शिंदे गुट के चीफ व्हिप के निर्देश का पालन करना होगा। बता दें कि आगामी सोमवार से महाराष्ट्र विधानसभा का बजट सत्र शुरू हो रहा है। विधानसभा में शिवसेना के चीफ व्हिप भारत गोगावाले ने रविवार शाम में बताया कि शिवसेना के सभी विधायकों के लिए व्हिप जारी कर दिया गया है और सभी को बजट सत्र के दौरान विधानसभा में मौजूद रहने के निर्देश दिए गए हैं। इससे पहले चुनाव आयोग ने शिंदे गुट को असली शिवसेना मानते हुए पार्टी का चुनाव चिन्ह धनुष बाण शिंदे गुट को देने का फैसला किया था। इसके खिलाफ उद्धव ठाकरे गुट सुप्रीम कोर्ट गया लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने भी चुनाव आयोग के फैसले को खारिज करने से इनकार कर दिया।

पटरी से उतरे लोकल ट्रेन के 3 डिब्बे जानमाल का नुकसान नहीं

मुंबई, 28 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई से सटे महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के खारकोपर स्टेशन पर बेलापुर- खरकोपर लोकल ट्रेन के 3 डिब्बे अचानक से पटरी से उतर गए। ये हादसा सुबह 8 बजकर 46 मिनट पर हुआ। किसी यात्री के घायल होने की खबर नहीं है। बहाली के लिए राहत ट्रेनें को साइट के लिए रवाना कर दिया गया है। इस हादसे के चलते बेलापुर-खरकोपर-नेरूल लाइन पर ट्रेनें नहीं चल रही हैं। सीआर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिवाजी सुतार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि घटना में किसी यात्री के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। सुतार के मुताबिक, मोटरमैन की तरफ के तीन डिब्बे सुबह आठ बज कर करीब 45 मिनट पर पटरी से उतर गए। उस समय ट्रेन नवी मुंबई में बेलापुर-खारपोकर लाइन पर मुंबई से लगभग 30 किलोमीटर दूर खारकोपर स्टेशन पहुंचने वाली थी। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पनवेल सहित अन्य क्षेत्रों से राहत ट्रेन रवाना की गईं और वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारी के अनुसार, बेलापुर-सीवुड्स-खारपोकर उपनगरीय कॉरिडोर पर रेल यातायात स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि लोकल ट्रेन के बेपटरी होने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है और घटना की जांच की जा रही है।

संजय राउत ने सीबीआई और ईडी की कार्यशैली पर केंद्र को घेरा

बोले- देश अलोकतांत्रिक तरीके से चल रहा है

मुंबई, 28 फरवरी (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने एक बार फिर केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्यशैली पर सवाल खड़ा करते हुए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को घेरने का प्रयास किया है। पात्रा चॉल रीडिवेलपमेंट के मामले में खुद ईडी के आरोपों को झेल रहे सांसद संजय राउत ने बेहद तल्ख अंदाज में केंद्र के अधीन कार्य करने वाली जांच एजेंसियों को कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने इस संबंध में केंद्र की जमकर आलोचना करते हुए कहा कि अगर आज के ज़माने में दो घंटे के लिए सीबीआई, ईडी किसी के पास भी आती है तो वह देश का राजा बन सकता है। लेकिन यह लोकतंत्र

की बात नहीं है। आज अलोकतांत्रिक तरीके से यह देश चल रहा है। सिर्फ विरोधियों को जेल में डाला जा रहा है। अगर किसी ने यह कहा है तो वह मन की भड़ास है। दरअसल सीबीआई की कार्यशैली पर इक कारण से ऊंगलियां उठ रही हैं क्योंकि बीते रविवार को केंद्रीय एजेंसी ने दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आम आदमी पार्टी समेत तमाम विपक्षी दल मनीष की गिरफ्तारी के लिए केंद्र सरकार की आलोचना कर रहे हैं और इसे विपक्षी दलों को खत्म करने या खामोश करने की साजिश बता रहे हैं। जहां तक सवाल संजय राउत का है, तो वो स्वयं पात्रा चाल विवाद में महीनों जेल के भीतर रहने के बाद कोर्ट से जमानत मिलने के बाद बाहर हैं। मुंबई की एक विशेष अदालत ने ईडी द्वारा लगाये गये मनी लॉनड्रिंग के आरोपों में संजय राउत को जमानत देते हुए उनके खिलाफ केंद्रीय एजेंसी के एक्शन को 'अवैध' बताया था। कोर्ट ने राउत के खिलाफ ईडी की कार्रवाई की कड़ी आलोचना करते हुए उसे 'निशाना बनाने'की कार्रवाई करार दिया। विशेष कोर्ट के जज एमजी देशपांडे ने संजय राउत को जमानत देते हुए कहा था कि उनके खिलाफ लगाये गये आरोपों में पीएमएलए की धारा 19 के तहत गिरफ्तारी का कोई कारण नहीं बनता है। पीएमएलए की धारा 19 संबंधित सरकारी अधिकारियों को किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार करने की शक्ति प्रदान करती है।

भीषण अग्निकांड महिला जिंदा जली, दो मंजिला मकान भी राख

शिमला, 28 फरवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के रामपुर में दो मंजिला मकान में आग लगने से बुजुर्ग महिला जिंदा जल गई। मिली जानकारी के मुताबिक खलटी गांव में यह घटना हुई है। सराहन उपतहसील की शाहधार पंचायत के खलटी गांव में रविवार देर रात अचानक भीषण आग लग गई। भीषण अग्निकांड में एक बुर्जुग महिला जिंदा जल गई औ दो मंजिला मकान भी आग कर भेंट चढ़ गया। घटना की सूचना मिलने के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। यह क्षेत्र सड़क से दूर है, इसलिए दमकल की गाड़ियां भी मौके पर नहीं पहुंच पाई है।

लड़की का हाथ पकड़कर प्यार का इजहार करना छेड़छाड़ नहीं

हाईकोर्ट ने ऑटो ड्राइवर को दी राहत

मुंबई, 28 फरवरी (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट का कहना है कि लड़की का हाथ पकड़कर अपने प्यार का इजहार करना छेड़छाड़ नहीं है। हाईकोर्ट ने आरोपी को जमानत पर छोड़ने का भी निर्देश दिया। बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच में जस्टिस भारती डांगरे की एकल पीठ ने अपने आदेश में कहा कि पीड़िता के बयान से साफ है कि आरोपी का पीड़िता का यौन उत्पीड़न करने का इरादा नहीं था। ऐसे में हाईकोर्ट ने आरोपी को गिरफ्तारी से पहले जमानत देने का आदेश दिया।

क्या है मामला

दरअसल एक नवंबर 2022 को नाबालिग पीड़िता के पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि ऑटो चालक धनराज बाबू सिंह राठौड़ ने उनकी 17 वर्षीय बेटी का यौन उत्पीड़न करने का प्रयास किया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया था। शिकायत में बताया कि उनकी बेटी कॉलेज और ट्यूशन जाने के लिए आरोपी के ऑटो से जाती थी। बाद में जब उसने ऑटो से जाना बंद कर दिया तो आरोपी ने उनकी बेटी का पीछा करना शुरू कर दिया। एक नवंबर 2022 को आरोपी ने नाबालिग का हाथ पकड़कर अपने प्यार का इजहार कर दिया। आरोप है कि आरोपी ने पीड़िता को अपनी बाइक पर बिठाकर घर छोड़ने की भी पेशकश की लेकिन पीड़िता किसी तरह छूटकर अपने घर पहुंची। जिसके बाद लड़की के पिता ने शिकायत दर्ज कराई। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि पृथम दृष्टया यौन उत्पीड़न का कोई मामला नहीं है क्योंकि आरोपी ने यौन मकसद से पीड़िता का हाथ नहीं पकड़ा था। ऐसे में आरोपी जमानत का हकदार है। कोर्ट ने आरोपी को जमानत देने के साथ ही चेतावनी भी दी कि वह आगे से ऐसा कोई काम नहीं करेगा वरना उसे दी गई छूट वापस ले ली जाएगी। वहीं महाराष्ट्र में औरंगाबाद और उस्मानाबाद शहरों के नाम बदलने के मामले पर भी बॉम्बे हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान केंद्र सरकार की तरफ से कोर्ट में बताया गया कि अब दोनों शहरों के नाम बदल दिए गए हैं। कोर्ट 27 मार्च को इस मामले पर सुनवाई करेगा।

एयर इंडिया की फ्लाइट में परोसे गए खाने से भड़के शेफ संजीव कपूर, एयरलाइन ने दिया ऐसा जवाब

मुंबई, 28 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय एयरलाइन एयर इंडिया की मुश्किलें थमने के नाम नहीं ले रही हैं। विमान को लेकर कई शिकायतें अब तक यात्री कर चुके हैं , इस बीच स्टार शेफ संजीव कपूर की भी एंट्री हो गई है। सेलिब्रिटी शेफ संजीव कपूर नागपुर से मुंबई की यात्रा के लिए एयर इंडिया के विमान में थे। इस दौरान उन्हें विमान में परोसे गए खाने को लेकर एयरलाइन की कड़ी अलोचना की है। सोशल मीडिया के जरिए उन्होंने एयरलाइन को खरी-खोटी सुनाई है। उन्होंने खाने की तस्वीरें लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर उसे शेयर किया और एयरलाइन की खिंचाई की। शेफ संजीव कपूर ने एक के बाद एक ट्वीट साझा करते हुए लिखा, उठो एयर इंडिया नागपुर-मुंबई 0740 फ्लाइट।।।ठंडा चिकन टिक्का, तरबूज, ककड़ी, टमाटर और सेव के साथ, मेयो के साथ कटी हुई पत्तागोभी की छोटी सी फिलिंग वाला सैंडविच, मीठी क्रीम और पीले शीशे से कोटिंग किया हुआ शुगर सिरप स्पंज। इसके बाद उन्होंने एक दूसरा ट्वीट किया, जिसमें लिखा, सच! क्या भारतीयों को नाश्ते में यही खाना चाहिए? शेफ के ट्वीट के कुछ समय बात ही एयर इंडिया ने मामले का संज्ञान लेते हुए संजीव कपूर के ट्वीट का जवाब दिया। एयरलाइन के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से प्रतिक्रिया देते हुए कहा गया, सर, आपकी प्रतिक्रिया हमारे लिए सर्वोपरि है। हम लगातार अपनी सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए काम कर रहे हैं और कल से इस क्षेत्र को हमारे सहयोगी ताज सैट्स और एंबेसडर द्वारा पूरा किया जाएगा। विश्वास रखें कि आपको आगे चलकर खाने का बेहतर अनुभव होगा। शेफ संजीव कपूर के ट्वीट के बाद भले ही एयरलाइन ने उनसे मापी मांग ली हो लेकिन सोशल मीडिया पर अब ये ट्वीट जमकर वायरल हो रहा है। कई यूजर्स ने उनके इस पोस्ट पर कमेंट्स किए हैं। एक यूजर ने अपना अनुभव साझा करते हुए लिखा कि कुछ साल पहले वह एयर इंडिया के विमान में सफर कर रहा था, तब उसे फ्लाइट में क्रू मेंबर्स ने खाने को कुछ भी नहीं दिया। जब यात्री ने क्रू मेंबर्स से कहा तो उन्होंने फ्लाइट में कुछ भी खाने का ना होने का हवाला देते हुए पूरी यात्रा के दौरान उन्हें भूखा रखा। यात्री ने ट्वीट कर कहा कि उस दिन से उसने कसम खा ली की वह कभी एयर इंडिया के विमान में यात्रा नहीं करेगा। ऐसे ही अन्य कई यूजर्स ने ट्विटर पर अपने-अपने अनुभवों को साझा किया।

कर्नाटक बीजेपी विधायक ने कहा मुस्लिमों को वोट न दें, टीपू सुल्तान से जोड़ा ये कनेक्शन

बेंगलूरू, 28 फरवरी (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव से पहले कर्नाटक में टीपू सुल्तान को लेकर विवाद जारी है। अब बीजेपी के एक विधायक ने टीपू से जुड़ा बयान देकर बवाल खड़ा कर दिया है। विजयपुरा में एक रैली को संबोधित करते हुए बीजेपी विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने मुसलमानों की तुलना 18वीं सदी के मैसूर शासक टीपू सुल्तान से कर दी और लोगों से मुस्लिम नेता को वोट न देने को कहा। बीजेपी पहले से ही टीपू सुल्तान पर जबरन हजारों लोगों का धर्म परिवर्तन कराने का आरोप लगाती रही है। जब पूर्ववर्ती सिद्धारमैया सरकार ने टीपू सुल्तान की जयंती मनाई थी तब भी बीजेपी ने इसे लेकर तमाम सवाल खड़े किए थे। इस बार यतनाल ने कहा कि सभी विधायक उनसे पूछते हैं, आपके निर्वाचन क्षेत्र में एक लाख टीपू सुल्तान (मुस्लिम वोट) हैं, फिर बीजापुर से शिवाजी महाराज के वंशज कैसे जीते। उन्होंने कहा कि यहां टीपू सुल्तान का कोई भी अनुयायी नहीं जीतेगा। गलती से भी आपको मुसलमानों को अपना वोट नहीं डालना चाहिए। कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष नलिन कुमार कटील ने भी टीपू सुल्तान को लेकर ऐसा ही कुछ बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि टीपू सुल्तान के कट्टर अनुयायियों को जिंदा नहीं रहना चाहिए। यही नहीं उन्होंने कहा था कि टीपू सुल्तान के वंशजों को जंगलों में भेज देना चाहिए। कटील ने कोप्पल जिले के येलाबुर्गा से 15 फरवरी को कहा था, "हम भगवान राम और भगवान हनुमान के भक्त हैं।

क्यों उद्धव ठाकरे से मिले थे अरविंद केजरीवाल बीजेपी ने लगा दिया ये गंभीर आरोप

मुंबई, 28 फरवरी (एजेंसियां)। बीजेपी ने महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे पर शराब माफिया से कनेक्शन का आरोप लगाया है। बीजेपी नेता आशीष शेलार ने उद्धव ठाकरे पर शराब माफिया के साथ संपर्क का आरोप लगाया है। बीजेपी नेता ने हाल ही में उद्धव ठाकरे की अरविंद केजरीवाल से मुलाकात को भी इसी से जोड़ा है। बीजेपी ने ये आरोप ऐसे समय लगाया है जब दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के भरोसेमंद साथी मनीष सिसोदिया को सीबीआई ने शराब नीति मामले में गिरफ्तार किया। मुंबई बीजेपी अध्यक्ष आशीष शेलार ने कहा, जब 'आप' शराब घोटाले में लिप्त थी, उसी समय उद्धव ठाकरे सरकार शराब माफिया के संपर्क में थी। इसलिए शराब के लिए छूट दी गई, हम पूछते हैं कि क्या सीबीआई उद्धव ठाकरे से पूछताछ करेगी? यही वजह है कि केजरीवाल ने हाल ही में उनसे मुलाकात की। बीते शुक्रवार को दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल मुंबई में थे। जहां वे उद्धव ठाकरे से मिलने उनके निवास मातोश्री पहुंचे थे। दोनों के बीच बहुत गर्मजोशी से मुलाकात हुई थी। इस दौरान केजरीवाल ने बाला साहेब को शेर बताया था। केजरीवाल के साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, आप सांसद संजय सिंह और राघव चड्ढा भी थे। केजरीवाल ने कहा, बाला साहेब शेर थे और उद्धव ठाकरे शेर के बेटे हैं।

FORM - IV

(See Rule 8)

1. Place of Publication	:	AGA Publications Limited 396, Lower Tank Bund, HYDERABAD - 500 080.
2. Periodicity of Its publication	:	Daily
3. Printer's Name	:	Dr. Gireesh Sanghi
Nationality	:	Indian
Address	:	396, Lower Tank Bund, HYDERABAD - 500 080.
4. Publisher's Name	:	Dr. Gireesh Sanghi
Nationality	:	Indian
Address	:	396, Lower Tank Bund, HYDERABAD - 500 080.
5. Editor's Name	:	Dhirendra Pratap Singh
Nationality	:	Indian
Address	:	396, Lower Tank Bund, HYDERABAD - 500 080.
6. Names & Addresses of Individuals, who own the Newspaper & Partners or Shareholders holding More than 1% of the total capital.		AGA Publications Limited, 396, Lower Tank Bund,, HYDERABAD - 500 080. i) Dr. Giresh Kumar Sanghi 1-144, Omar Khan Diara, Sanghinagar, Hayathnagar(M) R.R.Dist- 501 511, Telangana II) Smt. Alka Sanghi, 1-43, Sanghinagar, R.R. dist- 501 511, Telanagana iii) Gaurav Sanghi, 1-144, Omar Khan Diara, Sanghinagar, Koheda,R.R.Dist-501 511, Telangana. iv) Aashish Sanghi, Omar Khan Diara, Sanghinagar, Koheda,R.R.Dist- 501 511, Telangana.

I. Dr. Gireesh sanghi, hereby declare that the particulars given above are true to the best of my Knowledge and belief.

Sd/-

Date : 01.03.2023

Dr. GIREESH SANGHI
(Signature of Publisher)

'सिसोदिया के बाद अब सीबीआई करेगी केसीआर की बेटी कविता को गिरफ्तार'

दिल्ली शराब घोटाला मामले में बीजेपी का दावा

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद एक बार फिर दिल्ली शराब घोटाला मामले को लेकर राजनीति तेज हो गई है। सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद से ही बीजेपी के तमाम नेता हमलावर हैं। अब बीजेपी नेता विवेक ने दावा किया है कि जल्द ही तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी कलवकुंतला कविता को भी गिरफ्तार किया जाएगा। बीजेपी नेता विवेक ने दावा किया कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) एमएलसी कविता ने आम आदमी पार्टी को पंजाब और गुजरात चुनाव में 150 करोड़ रुपये दिए थे। शराब घोटाले में कुछ और गिरफ्तारियां होने की संभावना है। कविता को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। इससे पहले बीजेपी के नेताओं ने अगला नंबर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का बताया था।

कविता से ईडी कर चुकी है पूछताछ

बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी नीति मामले में आरोप पत्र में कविता का नाम शामिल किया था। इसमें उनपर एक शराब कंपनी में 65 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने का आरोप लगा था। जांच एजेंसी ने उनसे 11 दिसंबर 2022 को उनके हैदराबाद स्थित आवास पर पूछताछ की थी। इसके बाद कविता ने भी एजेंसी पर निशाना साधते हुए कहा था कि ईडी एक ऐसे राज्य में दस्तक दे रही है जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पहले बीजेपी का शासन नहीं था।

पांच दिन की सीबीआई कस्टडी में सिसोदिया

बता दें कि, दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को रविवार (26 फरवरी) को आठ घंटे की लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार लिया गया था। इसके बाद 27 फरवरी को मेडिकल टेस्ट के बाद उन्हें राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। अब उन्हें पांच दिन की सीबीआई कस्टडी में भेज दिया गया है। वहीं, इस गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए सिसोदिया ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मामले में दोपहर 3:50 बजे सुनवाई हो सकती है।

लालू परिवार को जारी समन पर बोलीं राबड़ी देवी- न तो हम डरेंगे और न भागेंगे, हर नोटिस का जवाब देंगे

पटना, 28 फरवरी (एजेंसियां)। जमीन के बदले नौकरी देने के मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू प्रसाद यादव राबड़ी देवी और 14 अन्य के खिलाफ समन जारी होने के बाद बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने बड़ा बयान दिया है। दरअसल बिहार बजट सत्र के दूसरे दिन बिहार विधान परिषद पहुंची राबड़ी देवी ने लालू यादव को समन भेजने के मामले में कहा है कि लालू परिवार को हमेशा से नोटिस आता रहता है। नोटिस भेजना का सिलसिला ऐसा रहा कि जो बच्चा पेट में है उसपर भी नोटिस भेज देता है। लेकिन, हमलोग डरने वाले लोग नहीं हैं। हम

लोग भागने वाले भी नहीं है, कुछ लोग तो देश छोड़कर भाग जाते हैं। राबड़ी देवी ने कहा कि बीजेपी को लालू जी डर हो गया है। इसलिए लगातार नोटिस भेजा जा रहा है, जितना नोटिस भेजना है भेजे, सबका मजबूती से जवाब दिया जायेगा। दरअसल नौकरी के बदले जमीन लेने के आईआरसीटीसी मामले में लालू को कोट द्वारा भेजे गए सम्मन के बाद बिहार की सियासत एक बार फिर से गरमा गई है। लालू यादव को समन भेजने के मामले में राबड़ी देवी ने बड़ा बयान देते हुये कहा है कि हमेशा से लालू परिवार को नोटिस आता रहता है। नौकरी के बदले जमीन लेने के आईआरसीटीसी मामले में लालू परिवार को 15 मार्च को वोट में हाजिर होने का सम्मन जारी किया गया है। नौकरी के बदले जमीन लिखवाने का मामला में पहले ही लालू प्रसाद यादव राबड़ी देवी, मीसा भारती सहित परिवार के अन्य सदस्यों को आरोपी बनाया गया है।

कान्हा में हिरण का शिकार करते दिखा बाघ

मंडला, 28 फरवरी (एजेंसियां)। कान्हा नेशनल पार्क में लगातार पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है। यहां पर्यटकों को रोजाना रोमांचका नजारे देखने को मिल रहा हैं। इसी के चलते दो दिन पहले टाइगर सफारी का लुफ्त उठा रहे हैं पर्यटकों को एक रोमांचक नजारा देखने को मिला। दरअसल सुबह सफारी करने गए पर्यटकों को पहले टी-27 बाघ दिखाई दिया। इसी बीच हिरणों की तेज आवाज सुनाई दी। कुछ देर बाद बाघ ने हिरण का शिकार कर लिया और जंगल में खामोशी छा गई। बाघ हिरण को मुंह में दबाकर जंगल के अंदर ले जाने लगा, तभी जिप्सी में बैठे पर्यटकों ने इस नजारे को अपने कैमरे में कैद कर लिया। कान्हा नेशनल पार्क के फील्ड डायरेक्टर एसके सिंह ने वीडियो की पुष्टि करते हुए बताया कि यह वीडियो कान्हा के मुक्की जोन का है, लेकिन कब का है, यह स्पष्ट नहीं है। सिंह ने बताया कि टी-27 नामक बाघ द्वारा हिरण का शिकार किया गया था, जिससे जुड़ा वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में नजर आ रहा है कि कान्हा नेशनल पार्क के मुक्की जोन में सैर कर रहे पर्यटकों के सामने एक बाघ हिरण का शिकार किया और वह मृत हिरण को अपने मुंह में दबोचकर ले जाते नजर आ रहा है। वीडियो रविवार सुबह का बताया जा रहा है।

छात्रों संग कुकर्म करता था मिलिट्री स्कूल का शिक्षक, भंडाफोड़ होते ही परिजन रह गए दंग

बुलढाना, 28 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बुलढाना से एक शर्मनाक घटना सामने आ रही है यहाँ मिलिट्री स्कूल के अध्यापक के द्वारा 10वीं कक्षा के दो विद्यार्थियों के साथ कुकर्म किया गया। जब पीड़ित छात्रों ने अपने घरवालों को बताया था कि परीक्षा में फेल करने का डर दिखाकर उनके साथ शिक्षक ने गलत काम किया है। मामले में पुलिस थाने में शिकायत की गई। वहीं, अपराधी शिक्षक फरार है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: आप में कितनी भी प्रतिभा क्यों न हो प्रयास और अभ्यास के बिना सब व्यर्थ है

बुधवार, 1 मार्च, 2023 3

फर्जी स्टडी सर्टिफिकेट रैकेट का भंडाफोड़, सात गिरफ्तार

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नगर पुलिस आयुक्त की टास्कफोर्स, साउथ जोन टीम के अधिकारियों ने चादरघाट पुलिस टीम के साथ मिलकर सात लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी उम्मीदवारों को फर्जी शैक्षिक प्रमाण पत्र प्रदान कर रहे थे। विदेश में अध्ययन के लिए जाने वालों से बड़ी रकम वसूल रहे थे। आरोपियों के पास से विभिन्न विश्वविद्यालयों और बोर्डों के नकली एसएससी, इंटरमीडिएट, डिग्री प्रमाण पत्र, 11 सेल फोन, चार लैपटॉप और 20,000 रुपये नकद जब्त किए गए है। आरोपियों की पहचान फ्लाई अब्रॉड कंसल्टेंसी (मलकपेट) के मोहम्मद हबीब, बाजारघाट, अब्दुल रऊफ, एडुवाइज ओवरसीज कंसल्टेंसी (एबिड्स) के अब्दुल रऊफ, सिकंदराबाद के चिलकलगुडा, मोहम्मद इरफान, संतोषनगर के रहने वाले, शानावाज खान के रूप में हुई। एडिबाजार में रहने वाले एजेंट, फ्लाई अब्रॉड कंसल्टेंसी में कार्यरत मोहम्मद जुबैर, एसी गार्ड्स, नामपल्ली में रहने वाले, सलमान खान, फ्लाई एब्रॉड कंसल्टेंसी में रिसेप्शनिस्ट, मल्लापल्ली में रहने वाले, मोहम्मद अब्दुल सत्तार, फ्लाई अब्रॉड कंसल्टेंसी में काम करने वाले, कालाडेरा में रहने वाले, मलकपेट, दिल्ली का सुनील कपूर (मुख्य आरोपी, फर्जी शैक्षणिक प्रमाणपत्र बनवाने वाला और फरार) है। मुख्य अभियुक्त मोहम्मद हबीब ने रॉयल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, चेवेल्ला में बी.टेक के बाद, एक प्रशासक के रूप में रिलायंस एकेडमी कंसल्टेंसी, टॉलीचौकी में शामिल हो गए। इसी बीच, वह नई दिल्ली के एक सुनील कपूर से मिला, जो शैक्षिक विपणन के लिए हैदराबाद आया था। वे घनिष्ठ मित्र बन गए और आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाने के इच्छुक जरूरतमंद उम्मीदवारों को फर्जी शैक्षिक प्रमाण पत्र प्रदान करने की योजना बनाई। वर्ष 2015 में मो. हबीब ने फ्लाई अब्रॉड कंसल्टेंसी के नाम से मलकपेट में कंसल्टेंसी शुरू की और सुनील कपूर की मदद से बड़ी रकम जमा करके उम्मीदवारों को फर्जी शैक्षिक प्रमाण पत्र प्रदान कर रहा है। हालांकि, उन्हें समान मामलों में बहादुरपुरा पुलिस स्टेशन और सरूरनगर पुलिस स्टेशन द्वारा गिरफ्तार किया गया था। जेल से रिहा होने के बाद मोहम्मद हबीब ने अब्दुल रवूफ (एबिड्स में एडुवाइज ओवरसीज कंसल्टेंसी के मालिक), मोहम्मद इरफान (एजेंट) और शनावाज खान (एजेंट) के साथ हाथ मिलाया और फिर से फर्जी शैक्षिक प्रमाण पत्र प्रदान करना शुरू कर दिया। मो. जुबैर, काउंसलर और मो. हबीब (सरूरनगर थाने द्वारा गिरफ्तार) के भाई, सलमान खान और मो. हबीब के मो. अब्दुल सत्तार कार्यकर्ता निर्धारित भूमिका निभा रहे थे। सभी आरोपी यूएसए, यूके में फॉरेन स्टडी के नाम पर ग्राहकों को सुरक्षित कर रहे थे और मोटी रकम वसूल कर फर्जी एजुकेशनल सर्टिफिकेट मुहैया करा रहे थे। गिरफ्तारियां एस राघवेंद्र पुलिस निरीक्षक, टास्क फोर्स, साउथ जोन, सब इंस्पेक्टर शेख बुरान, एन श्रीशीलम, वी नरेंद्र, के नरसिमुलु, बी कृष्णा (चदरघाट थाने के सब इंस्पेक्टर) और साउथ जोन टास्क फोर्स के स्टाफ द्वारा की गईं।

बैरी नरेश के लिए पुलिस सुरक्षा की मांग

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सीपीएम ने आज हनमकोंडा में कुछ भाजपा, हिंदू वाहिनी, आरएसएस और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा भारतीय तर्कवादी समाज के प्रदेश अध्यक्ष बैरी नरेश पर हमले की निंदा की और मांग की कि राज्य सरकार हमले के लिए जिम्मेदार आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार करे।

आज यहां एक बयान में, पार्टी के राज्य सचिव तम्मिनेनी वीरबद्रम ने कहा कि भारतीय संविधान ने अपने सभी नागरिकों को अपने आदर्शों और विश्वासों को स्वतंत्र रूप से प्रचारित करने की स्वतंत्रता प्रदान की है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और अन्य संगठनों के कार्यकर्ताओं ने नरेश पर उस समय हमला किया जब वह आदर्श लॉ कॉलेज के छात्रों द्वारा आयोजित फ्रेशर्स डे पार्टी में भाग लेने के लिए अंबेडकर भवन से बाहर आ रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी दक्षिणपंथी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने पुलिस की मौजूदगी के बावजूद उनके वाहनों को रोककर नरेश पर हमला किया। उन्होंने कहा कि नरेश की जान चली जाती अगर पुलिस ने कार्यकर्ताओं को नहीं रोका होता।

तेलंगाना केसीआर की मेहनत से नहीं, राज्य के सभी लोगों की मेहनत से बना : कोदंडराम

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जन समिति के संस्थापक-अध्यक्ष ने आज तेलंगाना बचाओ सम्मेलन का एक पोस्टर जारी किया। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि उनके द्वारा आयोजित मिलियन मार्च कार्यक्रम ने अलग तेलंगाना राज्य आंदोलन को बहुत जरूरी बढ़ावा दिया था और कहा कि उनके द्वारा आयोजित सम्मेलन मिलियन मार्च कार्यक्रम की भावना को जारी रखने में उनकी मदद करेगा।

अलग तेलंगाना राज्य के लिए अपनी जान जोखिम में डालने का दावा करने वाले मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव पर निशाना साधते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि अलग तेलंगाना केसीआर की मेहनत से नहीं बल्कि राज्य के सभी लोगों की मेहनत से बना है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य के कई अलग-अलग कार्यकर्ता उनके सम्मेलन में भाग लेंगे और उन्होंने कहा कि वे कार्यकर्ताओं से प्राप्त विचारों और सुझावों के आधार पर एक कार्य योजना तैयार करेंगे। दिल्ली शराब घोटाले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह घोटाला सामने आया है कि कैसे सत्ताधारी बीआरएस नेताओं ने घोटाला करने के लिए अपनी शक्ति का दुरुपयोग किया। उन्होंने सीएम और उनके परिवार के सदस्यों का नाम लिए बिना आरोप लगाया कि राज्य के एक शक्तिशाली परिवार ने शराब घोटाले में हिस्सा लेने की कोशिश की. राज्य सरकार के धरणी पोर्टल की आलोचना करते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के नेताओं द्वारा सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने के लिए पोर्टल का उपयोग किया जा रहा था और कहा कि सीएम केसीआर का परिवार सरकारी जमीनों को हड़प कर अपना खजाना भर रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम तेलंगाना में तानाशाह और दिल्ली में लोकतंत्र के हिमायती की तरह काम कर रहे हैं. कोदंडाराम ने कहा कि उन्होंने विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया है। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में पार्टी के कई नेता भी शामिल हुए।

बीआरएस सरकार सभी मोर्चों पर विफल : एनवीएसएस

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उप्पल के पूर्व विधायक और भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एनवीएसएस प्रभाकर ने चिल्कानगर और डॉ. आसराव नगर में प्रजा गोसा-बीजेपी भरोसा की समापन सभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि बीआरएस सरकार सभी मोर्चों पर विफल रही है। राज्य में भ्रष्टाचार, अत्याचार, लालफीताशाही, भाई-भतीजावाद बढ़ रहा है और इस परिवार के शासन ने सभी की संभावनाओं को बर्बाद कर दिया है। राज्य सरकार का शासन संविधान की संघीय भावना के खिलाफ है। राज्य में प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई आयुष्मान भारत, आवास योजना, फसल बीमा जैसी कई कल्याणकारी योजनाओं को लागू नहीं किया जा रहा है। इन सभी समस्याओं के लिए एक डबल इंजन सरकार ही एकमात्र समाधान है। प्रभाकर ने यह भी कहा कि छात्र, महिलाएं और वरिष्ठ नागरिक सरकारी फैसलों से परेशान हैं। जीएचएमसी उपभोक्ताओं से बहुत अधिक पानी शुल्क वसूल रहा है। बिजली और बस किराए के शुल्क में बढ़ोतरी असामान्य है। भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ लड़ाई लड़ेगी।

घर में आग लगाने के आरोप में बदमाश धरा गया

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मदनपेट पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से सामान्य इरादे से नुकसान पहुंचाने के इरादे से आग या विस्फोटक पदार्थ से आपराधिक घर में अनधिकार प्रवेश और शरारत का पता लगाया है। फुटेज निकाली और अपराधियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा कि 26 फरवरी को सुबह 4 बजे मदनपेट के मुबीन कॉलोनी में कुछ शरारती लोगों ने मीर मजार अली आबिद के घर में आग लगा दी। अपराधियों ने घर में घुसकर पेट्रोल या मिट्टी के तेल से आग लगा दी. जिससे किराएदारों की तीन बाइक व एक कार जलकर खाक हो गई। मदन्नापेट के रहने वाले 78 वर्षीय सेवानिवृत्त अधिकारी मीर मजार अली आबिद ने शिकायत दर्ज कराई। आरोपी की पहचान जू पार्क के सामने रहने वाले ऑटो चालक मीर महबूब अली उर्फ सोहेल (22) के रूप में हुई।

इस पर चार जांच दल हरकत में आए। जनैया, मदनपेट के इंस्पेक्टर (एसएचओ), एसआई साई कुमार, पीसी उदय कुमार, पीसी सतीश ने सुराग एकत्र किए और आरोपी व्यक्तियों को पकड़ लिया। अपराध के पीछे मकसद यह है कि चार साल पहले अब्दुल नसीर अपने परिवार के सदस्यों के साथ रामनसपुरा, बहादुरपुरा में आरोपी मीर महबूब अली उर्फ सोहाब के घर के बगल में किराएदार के रूप में रहता था। बाद में, मीर महबूब अली अब्दुल नसीर की बेटी के संपर्क में आया और प्यार हो गया। जब अब्दुल नसीर को इस बात का पता चला तो उनके बीच झगड़ा हो गया और अब्दुल नसीर ने घर खाली कर दिया और मुबीन कॉलोनी, रैन बाजार में किराए के मकान में रहने लगे, जबकि उनका प्रेम संबंध चल रहा था। इसकी जानकारी होते ही अब्दुल नसीर ने अपनी बेटी फिरदौज को फटकार लगाई और अपनी बेटी की शादी किसी और से कर दी। अभियुक्त मीर महबूब अली अब्दुल नसीर के प्रति द्वेष रखता था और अपराध का मास्टरमाइंड था। शिकायत मिलने पर डीसीपी साउथ ईस्ट जोन ने इस मामले की जांच के लिए एसीपी मलकपेट शमसुंदर के नेतृत्व में चार विशेष जांच टीमों का गठन किया। सीसी कैमरा, टावर डंप, सीडीआर, आइटीएमएस ने तमाम संसाधनों की मदद से मामले में शामिल आरोपियों की पहचान की और सोमवार को आरोपी को पकड़ लिया। यह घटना सोशल मीडिया के माध्यम से वायरल हो गई और आम जनता के मन में कई तरह की अटकलों को जन्म दिया। चौ. ने कहा कि सिटी पुलिस ने मामले को गरिमापूर्ण तरीके से लिया और कानून व्यवस्था की समस्या को रोका।

रेलकर्मियों ने डॉ. प्रीति को श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. प्रीति ने कोविड के दौरान केंद्रीय अस्पताल लालागुडा में अत्यधिक संतुष्टि के साथ काम किया और कई लोगों की जान बचाई। वह एक छोटे से गाँव से हैं और एक रेलवे कर्मचारी की सबसे छोटी बेटी है। एमडी/सेंट्रल हॉस्पिटल, पैरामेडिकल स्टाफ और रेलवे सुरक्षा बल की मौजूदगी में केंद्रीय अस्पताल/लालगुड़ा के मुख्य बरामदे के पास मोमबत्तियां जलाकर उनकी आत्मा को श्रद्धांजलि दी। डॉ. प्रीति के सेन्ट्रल अस्पताल के कार्यों के दौरान लोगों ने आपस ने यादों को साझा किया।

जीडिमेटला, विनायक नगर में चल रही शिव महापुराण कथा के छठे दिन व्यास पीठ से कथा सुनाते हुए कथा वाचक सदगुरु नाथ जी महाराज। उपस्थित हैं मुख्य यजमान भरत भाई पटेल, भावना पटेल, धनजी भाई पटेल, राधा पटेल, भाजपा के वरिष्ठ नेता सुनील सीरवी एवं अन्य शिव भक्त।

15वीं पुण्यतिथि

जिसका मन विपत्ति में विचलित नहीं होता, जो सुख के पीछे नहीं भागता, जो मोह, भय और क्रोध से मुक्त है, वही स्थिर ज्ञान के ऋषि हैं-*भगवद्द गीता*

जन्मतिथिः 03-07-1921

स्वर्गवासः 01-03-2008

श्री राम शरणजी संघी

संस्थापक चेयरमैन

संघी ग्रूप आफ इंडस्ट्रीज

की मधुर स्मृति में

जिनका आदर्श मार्गदर्शन हम सभी के लिए, हमेशा प्रेरणास्रोत रहा है और रहेगा।

अंजना-आनंद संघी

सुधीर-उषा संघी

रवि-अनिता संघी

गिरीश-अलका संघी

शोभा-रमेश जैन

जयश्री-शशि मित्तल

समस्त नाती-पोते व पडपोते तथा संपूर्ण परिवार

महापौर श्रीमती गदवाल विजयलक्ष्मी से मुलाकात कर उन्हें नगर में बढते आवारा कुत्तों व बंदरों के हमले के मामले के खिलाफ ज्ञापन सौंपती हुई मंगलहाट की पूर्व पार्षद परमेश्वरी सिंह। उन्होंने आवारा कुत्तों और बंदरों को पकड़ने के लिए अतिरिक्त टीमों की व्यवस्था करने की अपील की।

आवारा कुत्ता मामला : मृतक बच्चे के परिवार को 10 लाख मुआवजा राशि देगी जीएचएमसी

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी ने घोषणा की है कि वह चार साल के लड़के के परिवार के सदस्यों को 10 लाख रुपये का मुआवजा देगी, जिसे आवारा कुत्तों के एक समूह ने मार डाला था। कुल राशि में से 8 लाख रुपये निगम अपने फंड से देगा और शेष 2 लाख रुपये शहर के सभी पार्षदों के एक महीने के वेतन से दिए जाएंगे। लड़के की दुखद मौत के संबंध में तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा नोटिस जारी किए जाने के बाद निगम ने यह दलील दी। उल्लेखनीय है कि राज्य के मुख्य न्यायाधीश उज्जल भुइयां की अध्यक्षता वाली खंडपीठ और न्यायमूर्ति एन. तुकाराम जी की खंडपीठ ने सनसनीखेज घटना का स्वत: संज्ञान लिया और राज्य के मुख्य सचिव, राज्य के प्रमुख सचिव को नोटिस जारी किया। नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास विभाग, जीएचएमसी आयुक्त, हैदराबाद जिला कलेक्टर और कानूनी सेवा प्राधिकरण। इसने उन्हें इस मुद्दे पर अपना विस्तृत काउंटर प्रस्तुत करने के लिए कहा और इस महीने के 16 मार्च तक मामले को स्थगित कर दिया।

उमेश पाल हत्याकांड के मास्टरमाइंड का अखिलेश यादव के साथ फोटो वायरल

प्रयागराज, 28 फरवरी (एजेंसियां)। उमेश पाल हत्याकांड के मुख्य साजिशकर्ता सदाकत खान का समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ फोटो वायरल हो रही है। उमेश पाल हत्याकांड में गिरफ्तार हाईकोर्ट के अधिवक्ता सदाकत खान का समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के साथ उसकी फोटो सामने आई है। एक ग्रुप फोटो में वह अखिलेश यादव के साथ हाथ मिलाता दिखाई दे रहा है। सदाकत खान की गिरफ्तारी के बाद सोशल मीडिया में यह फोटो अब वायरल हो रही है।

बीएसपी नेताओं से नाराज है उमेश पाल का परिवार

सीएम योगी पर जताया भरोसा, उन्हें बताया पिता समान

प्रयागराज, 28 फरवरी (एजेंसियां)। बीएसपी विधायक राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल की हत्या बीते शुक्रवार की शाम को हुई थी। उमेश पाल के अलावा उनके एक सुरक्षाकर्मी की भी हत्या कर दी गई थी। जिसके बाद उमेश पाल के परिजनों से मिलने के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता आ रहे हैं। लेकिन मायावती की पार्टी बीएसपी के नेताओं द्वारा घर आकर मुलाकात करने पर उमेश पाल के परिजनों की प्रतिक्रिया आई है। बीएसपी नेताओं के घर आने पर उमेश पाल के परिजनों ने कहा है कि

कोई भी मुलाकात करने आए लेकिन हमारा भरोसा सिर्फ सीएम योगी आदित्यनाथ पर है। सीएम योगी ही अब इस परिवार के संरक्षक हैं। बाकी सभी लोग सांत्वना देकर चले जाएंगे लेकिन उम्मीद है कि सीएम योगी आदित्यनाथ ही परिवार की मदद करेंगे। उन्हीं से इंसाफ मिलने की उम्मीद है।

मायावती के फैसले पर जवाब

मायावती द्वारा उमेश पाल की हत्या में नामजद की गई माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन को बीएसपी में बरकरार रखने पर बोले परिजन कहा कि यह उनका अपना फैसला है, वो जो चाहे वह निर्णय ले सकती हैं। वैसे हमें किसी अन्य से कोई खास उम्मीद भी नहीं है। परिवार वालों को सिर्फ सीएम योगी आदित्यनाथ पर ही भरोसा है। परिवार सीएम योगी से मुलाकात कर उनसे अपने दर्द को साझा करना चाहता हैं, उम्मीद है कि सीएम जल्द ही परिवार वालों से मुलाकात करेंगे। परिवार ने यह जरूर कहा है कि आरोपियों का बचाव करना कतई ठीक नहीं है। उमेश पाल की पत्नी जया पाल ने सीएम योगी आदित्यनाथ को पिता समान बताया है और मां शांति देवी ने भी कहा कि हमें सीएम योगी से मुलाकात का इंतजार है।

पत्नी को भगा ले गया शादीशुदा प्रेमी फिर हुआ शादी का क्रॉस कनेक्शन!

खगड़िया, 28 फरवरी (एजेंसियां)। अजब प्रेम की गजब कहानी सुनने और देखने को मिली है। इस अनोखी कहानी में हुआ यूं कि विवाहित दो महिलाओं को एक-दूसरे के पति से प्यार हो गया। और प्यार इतना परवान चढ़ा कि दोनों ने शादी भी रचा ली। दोनों दूल्हों ने महिलाओं के साथ आए बच्चों को भी अपना लिया है। चौथम थाना क्षेत्र के हरदिया गांव के नीरज कुमार सिंह की शादी साल 2009 में पसराहा गांव की रूबी देवी से हुई थी। इस बीच, नीरज को 4 बच्चे भी हुए। इसी दौरान रूबी देवी को उसके मायके पसराहा गांव के युवक मुकेश कुमार सिंह से प्यार हो गया। मुकेश भी शादीशुदा था। संयोग से मुकेश की पत्नी का नाम भी रूबी देवी है। इसी बीच पिछले साल यानी 2022 की 6 फरवरी को नीरज की पत्नी रूबी देवी अपने प्रेमी मुकेश कुमार सिंह के साथ फरार हो गई। साथ ही दो बेटों और एक बेटी को भी अपने साथ ले गई। और दोनों ने शादी रचा ली। इस बीच नीरज सिंह के पास एक पुत्री बच गई। फिर क्या? दूसरी ओर मुकेश की पत्नी रूबी देवी भी अकेले रहने लगी। इसी क्रम में नीरज को रूबी देवी (मुकेश की पत्नी) का फोन नंबर हाथ लग गया। फिर नीरज कुमार सिंह और रूबी देवी के बीच बातें होने लगीं। फिर उन दोनों में भी मोहब्बत पनप गई। फिर क्या था? इसी महीने की 11 तारीख को नीरज और रूबी देवी घर से भाग गए। 18 फरवरी को दोनों ने कोर्ट मैरेज कर ली।

बरेली में दर्दनाक हादसा, 3 बाइक की टक्कर में पिता-पुत्र पत्नी समेत 4 की मौत

बरेली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। उतर प्रदेश के बरेली में उस समय हड़कंप मच गया, जब तेजी से जा रही बाइक आपस में टकरा गईं। इस सड़क हादसे में पिता-पुत्र पत्नी समेत चार लोगों की मौत हो गई। जबकि 3 लोग घायल हो गए। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां हालत गंभीर होने पर उन्हे बरेली के जिला अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। जहां तीनों घायलों का इलाज किया जा रहा है। घटना थाना नवाबगंज के पीलीभीत रोड की है। सभी घायल और मृतकों की पहचान की गई है। वहीं पुलिस ने इस घटना को करने वाले आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

सीएम योगी से मिलीं जयाप्रदा

अब इस सीट से बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ने की चर्चा तेज

लखनऊ, 28 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में दो सीटों पर उपचुनाव होने वाले हैं। हालांकि अभी तक उपचुनाव का एलान नहीं हुआ है। लेकिन इन दोनों ही सीटों पर बीजेपी और समाजवादी पार्टी से कई प्रत्याशियों के चुनाव लड़ने की अटकलें चल रही हैं। इसी बीच बीजेपी नेता जया प्रदा ने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की तो राजनीतिक हलचलें तेज हो गई। बीजेपी नेता जया प्रदा सोमवार को लखनऊ पहुंचीं। इस दौरान वो सीएम योगी आदित्यनाथ के सरकार आवास पर भी पहुंची। जहां दोनों के बीच मुलाकात हुई। दोनों के बीच करीब एक घंटे तक मुलाकात हुई। हालांकि बीजेपी नेता ने मुख्यमंत्री से लखनऊ में हुई इस मुलाकात को केवल शिष्टाचार मुलाकात बताया है। लेकिन इस मुलाकात के बाद राजनीतिक हलचलें तेज हो गई है। राजनीति के जानकार अब बीजेपी नेता के उपचुनाव में उम्मीदवार होने का दावा कर रहे हैं।

इस सीट से लड़ सकती हैं चुनाव

दरअसल, रामपुर स्थित स्वार विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने वाला है। ये सीट आजम खान के बेटे और सपा के विधायक अब्दुल्ला आजम की सदस्यता रद्द होने के बाद खाली हुई है। अब जल्द ही इस सीट पर उपचुनाव का एलान होने वाला है। इससे पहले उम्मीदवारों को लेकर अटकलें तेज हो गई है। दूसरी ओर जया प्रदा के सीएम योगी से मुलाकात के बाद उनके स्वार विधानसभा सीट से उपचुनाव लड़ने की चर्चा हो रही है। हालांकि उन्होंने इस मुलाकात को केवल शिष्टाचार मुलाकात बताया है। बता दें कि 15 साल पुराने केस में दो साल की सजा होने के बाद उनकी विधायक की सदस्यता रद्द की गई है। बीते तीन सालों में दूसरी बार उनकी सदस्यता गई है। जिसके बाद अब स्वार विधानसभा सीट पर फिर से उपचुनाव होना तय है। इसके अलावा मिर्जापुर की छानबे सीट से विधायक राहुल प्रकाश कोल के निधन की वजह से यहां भी उपचुनाव होना तय है। राहुल प्रकाश कोल बीजेपी गठबंधन के अपना दल एस से विधायक थे।

तमंचे की नोंक पर डिस्को, आधा दर्जन से ज्यादा लड़कों का डांस करते वीडियो वायरल

अलीगढ़ , 28 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जनपद अलीगढ़ के थाना चंडौस इलाके के एक गांव में शादी समारोह के दौरान आधा दर्जन से ज्यादा लड़कों का हाथों में अवैध तमंचा लेकर डीजे पर झूम-झूमकर डांस करते हुए का एक 14 सेकेंड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर तमंचे के साथ डांस कर रहे,

आधा दर्जन से ज्यादा लड़कों का यह वीडियो में चंडौस इलाके के गांव का बताया जाया रहा है। सोशल मीडिया पर आधा दर्जन से ज्यादा लड़कों का तमंचे के साथ वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। वायरल वीडियो के आधार पर तमंचा लहरा रहे लड़कों को चिन्हित करते हुए इलाका पुलिस कार्रवाई किए जाने की बात कह रही है।

नित्यानंद राय बोले- देश जिन्ना का नहीं

हमीद-अशफाक उल्ला का, भाजपा के मिलन समारोह में चाचा-भतीजे पर पलटवार

मुजफ्फरपुर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि भाजपा ने कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में किसी के साथ भेदभाव नहीं किया है। पार्टी उन सभी धर्मों का सम्मान करती है जो जनसेवा एवं देश सेवा में लगी है। तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों को बताना चाहती है कि यह देश जिन्ना का नहीं, कैप्टन हमीद एवं अशफाक उल्लाह खां का है। उन्होंने ये बातें सोमवार को महेश भगत बनवारी लाल महाविद्यालय में आयोजित भाजपा के मिलन समारोह को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ा है। देश का विकास हुआ है। गरीबों को सम्मान मिला है। इससे पूर्व मिलन समारोह में पूर्व मंत्री अजीत कुमार, जदयू नेता अशोक सिंह एवं पूर्व महापौर सुरेश कुमार हजारों समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डा। संजय जायसवाल ने उनको पार्टी की सदस्यता प्रदान की। समारोह को संबोधित करते हुए डा। संजय जायसवाल ने कहा कि अब टीम अजीत, मोदी एवं टीम भाजपा हो गई। उन्होंने कहा कि बिहार में चाचा-भतीजा की सरकार है। नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनने का सपना देख रहे तो भतीजा विभागों के दोहने में लगे हैं। चाचा ने भतीजा को नगर विकास, स्वास्थ्य समेत सभी मालदार विभाग दिया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि महागठबंधन अभी मोदी को हटाने के अभियान में लगा है।

डीजी शोभा अहोटकर से विकास वैभव को अब 'आजादी', कहा था- मैडम से गालियां सुनता हूं।

पटना, 28 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के चर्चित आईपीएस अधिकारी और आईजी विकास वैभव का तबादला कर दिया गया है। उनके साथ डीआईजी विनोद कुमार का भी तबादला हुआ है। दोनों अधिकारी फिलहाल पुलिस मुख्यालय में पदस्थापन की प्रतीक्षा में हैं। सोमवार को इस संबंध में आदेश जारी हुआ है। कुछ दिनों पहले विकास वैभव ने ट्वीट कर कहा था कि वो मैडम से गालियां सुन रहे हैं। हालांकि बाद में ट्वीट को डिलीट कर दिया गया था लेकिन यह वायरल हो चुका था। उन्होंने डीजी शोभा अहोतकर पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। आईजी फायर सर्विसेज व होमगार्ड विकास वैभव ने बिहार सरकार को इस पूरे मामले में सरकार को पत्र भी लिख चुके थे। उन्होंने अपने और परिवार की जान को खतरा बताया था। यह भी कहा था कि डीजी शोभा अहोटकर के अधीन कार्यालय से उनका ट्रांसफर किया जाए या फिर उनकी छुट्टी स्वीकार की जाए। आईजी विकास वैभव ने अपने पत्र में डीजी शोभा अहोटकर पर कई गंभीर आरोप लगाए थे जिसमें डीआईजी विनोद कुमार को भी प्रताड़ित किए जाने का जिक्र किया गया था। विनोद कुमार का भी इसलिए ट्रांसफर किया गया है। जब यह मामला सामने आया था तो बात सीएम नीतीश कुमार तक पहुंची थी। सीएम ने कहा था कि अधिकारियों का काम ट्वीट करना नहीं है। सही जगह पर अपनी बात रखनी चाहिए। अपने सीनियर अधिकारी से बात करनी चाहिए।

क्या है पूरा मामला?

अग्निशमन के आईजी विकास वैभव का ट्विटर पोस्ट वायरल हुआ था। उन्होंने लिखा था कि वह मैडम से गाली सुन रहे हैं। उन्होंने रिकॉर्ड का दावा किया था। बाद में ट्वीट हटा दिया गया था, लेकिन वह वायरल हो चुका था। इस मामले में उन पर नोटिस भी जारी हो गया था और 24 घंटे के अंदर जवाब मांगा गया था। नोटिस में विकास वैभव द्वारा लगाए गए आरोपों को विभाग ने कानून का उल्लंघन और बेबुनियाद बताया गया था।

भाजपा नेता की दबंगई सरकारी कर्मचारी को जमीन पर गिरा-गिराकर पीटा

बाराबंकी, 28 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में भाजपा नेता की दबंगई खुलकर सामने आई है. जिले के स्वर्गीय भाजपा नेता सुंदरलाल दीक्षित के बेटे पंकज दीक्षित ने कृषि मेले के दौरान एक कैंसर पीड़ित कृषि विभाग के कर्मचारी को मामूली बात पर लात घूंसों से जमकर पीटा है. कृषि मेले के दौरान हुए इस विवाद का वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. लोग भाजपा नेता की इस दबंगई की आलोचना कर रहे हैं. कृषि विभाग के पीड़ित कर्मचारी ने बताया है कि कृषि मेले के दौरान स्वर्गीय

भाजपा नेता सुंदरलाल दीक्षित के बेटे पंकज दीक्षित मौके पर आए.

सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क बोले

'देश का निजाम ठीक नहीं, मुसलमानों पर हो रहा है ज्यादा जुल्म

लखनऊ, 28 फरवरी (एजेंसियां)। अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहने वाले समाजवादी पार्टी के सांसद डॉ शफीकुर्रहमान बर्क ने एक बार फिर कानून व्यवस्था को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बीजेपी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि इस सरकार में मर्डर हो रहे हैं। मॉब लिंचिंग हो रही है। उन्होंने कहा मुसलमानों पर खासतौर से बहुत ज्यादा जुल्म किए जा रहे हैं। ऐसी वारदातों से देश का नाम खराब होता है। सपा सांसद ने कहा कि लोग देश में अमन चैन से रहना चाहते हैं। यूपी की संभल लोकसभा सीट से सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क ने लॉ एंड ऑर्डर पर कहा कि देश के सभी लोग अमन चैन से रहना चाहते हैं। सरकार का मतलब ही होता है लोगों को महफूज रखना। जिंदगी महफूज है तो निज़ाम ठीक है और जिंदगी यदि महफूज नहीं है तो निज़ाम ठीक नहीं है। उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि इस सरकार में मर्डर हो रहे हैं, मॉब लिंचिंग हो रही हैं और बेटियां के साथ जुल्म हो रहा है। खासकर मुसलमानों के साथ ज्यादा जुल्म हो रहा है।

देश का निजाम ठीक नहीं- बर्क

सपा सांसद ने कहा कि ऐसी वारदातों से देश का नाम बदनाम होता है। छोटी-छोटी घटनाओं पर गोली मार दी जाती है, ऐसे में पुलिस क्या कर रही है। पुलिस अपनी मर्जी से काम कर रही है, पुलिस पैसे लेती है। उन्होंने कहा कि देश का निजाम बिल्कुल भी ठीक नहीं चल रहा है। शफीकुर्रहमान बर्क अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं। इससे पहले उन्होंने प्रयागराज की घटना को लेकर भी यूपी सरकार को आड़े हाथों लिया था। उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ के माफियाओं को मिट्टी में मिला दूंगा वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि ये असंसदीय भाषा है। सीएम को ऐसी भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इससे उनका गुरूर झलकता है। उन्हें अपनी जुबान से ऐसे अल्फाज नहीं बोलने चाहिए। बर्क ने कहा कि माफियाओं को कंट्रोल करने के लिए एक पॉलिसी होनी चाहिए है। बड़े-बड़े माफिया और पनप रहे हैं।

याकूब कुरैशी की फैक्ट्री से 19 नमूनों का मीट रिलीज अन्य मीट भी जल्द रिलीज होगा

मेरठ, 28 फरवरी (एजेंसियां)। मेरठ जिले में खरखौदा के अलीपुर में याकूब कुरैशी की अलफहीम मीटेक्स प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री से बरामद पांच करोड़ रुपये कीमत के मीट से लिए गए 98 नमूनों में से 53 पास होने पर कोर्ट ने रिलीज करने के आदेश दिए हैं। सोमवार को पुलिस और प्रशासन की मौजूदगी में मीट रिलीज करना शुरू कर दिया है।

19 नमूनों का मीट रिलीज कर दिया है। अन्य नमूनों की मीट जल्द ही रिलीज किया जाएगा। हालांकि, इस मीट को याकूब कुरैशी का परिवार बेच नहीं सकता है, क्योंकि फूड लाइसेंस नहीं है। ऐसे में याकूब परिवार किसी अन्य के लाइसेंस पर उक्त मीट को बेचने की कवायद में जुटा है। अलफहीम मीटेक्स प्राइवेट लिमिटेड से मीट के 98 नमूने भरे गए थे,

शादी के 16 घंटे बाद दूल्हे की मौत

सरधना, 28 फरवरी (एजेंसियां)। मेरठ में शादी के 16 घंटे के बाद दूल्हे की सड़क हादसे में मौत हो गई। बारात लौटने के बाद दूल्हा दोस्त के साथ बाजार सामान लेने गया था। लौटते वक्त बाइक सड़क पर फिसल गई। हादसे में दूल्हे को गंभीर चोट आई, जिससे दूल्हे की मौत हो गई। घटना मैना पट्टी की है। दूल्हा सनी (22) मैनापूठी गांव का रहने वाला था।

पति दार्जिलिंग पत्नी शिमला, चिट्ठी से पैदा हो रहे अमीरों के बच्चे; मांझी के बिगड़े बोल

पटना, 28 फरवरी (एजेंसियां)। अपने बयानों से चर्चा में रहने वाले बिहार के पूर्व सीएम जीतनराम मांझी ने एकबार फिर विवादित बयान दिया है। जीतनराम मांझी ने कहा है कि अमीर लोगों के घरों में पोस्टकार्ड से बच्चा पैदा हो जाता है। गया में गरीब जोड़ो यात्रा के समापन के मौके पर जीतनराम मांझी ने कहा- गरीब अपने पत्नी के साथ रहते हैं तो बच्चे ज्यादा हो जाते हैं। वहीं दूसरी ओर बड़े लोग यानी अमीर लोग पति दार्जिलिंग में रहता है और पत्नी शिमला में रहती हैं फिर तो पोस्टकार्ड पर इनके बच्चा पैदा होते हैं। इसके साथ ही जीतनराम मांझी ने यह भी कहा कि उन्हें यादव, भूमिहार जाति के लोग कहते हैं कि उन्हें वोट हमने दिया और काम गरीबों का करते हैं। यादवों और भूमिहारों के यह कहने की वजह से ही गरीब लोग उन्हें वोट करते हैं और वह आठ बार से विधायक बन रहे हैं।

केबी सहाय के बयान का उल्लेख

दरअसल जीतनराम मांझी, गरीब जोड़ों यात्रा के समापन के मौके पर गया के गांधी मैदान में आयोजित गरीब जगाओ रैली को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा- भाई हम तो औरत के साथ रहते हैं। बाल बच्चा हो जाता है। बड़कन लोग दार्जिलिंग में तो पत्नी शिमला में रहते हैं। पोस्टकार्ड पर आप लोग का बच्चा पैदा होता है, तो ऐसे में गरीब लोग को ज्यादा बच्चे होते हैं। वहीं अमीर लोग के कम बच्चे होते हैं। हालाकि मांझी ने अपने इस बयान के साथ पूर्व सीएम केबी सहाय के बयान का बी उल्लेख किया।

आरक्षण का दायरा बढ़े

इसके साथ ही मांझी ने कहा कि हमारी संख्या ज्यादा है तो हमें आरक्षण मिलना चाहिए।जीतनराम मांझी ने आरक्षण का मुद्दा उठाते हुए कहा कि- अब दलितों आदिवासियों का प्रतिशत 32 से 34 प्रतिशत हो गया है। इसलिए आरक्षण के दायरे को बढ़ाने की जरूरत है। हमारी संख्या ज्यादा है तो हमें आरक्षण मिलना चाहिए। जीतनराम मांझी ने मंगलवार को एक अजीबो गरीब बयान दिया।

मांझी ने खाई मां की कसम

सोमवार को जीतनराम मांझी ने कहा कि वह भगवान को नहीं मानते हैं। इसलिए अपनी मां की कसम खाकर कहते हैं कि वह नीतीश कुमार का साथ कभी नहीं छोड़ेंगे, दरअसल महागठबंधन की रैली में बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने खुले मंच से कहा था कि बीजेपी के लोग जीतनराम मांझी को अपने पाले में लाने की कोशिश कर रहे हैं। इसके बाद महागठबंघन की एक बैठक में मांझी ने नीतीश कुमार को विश्वास दिलाने के लिए कि वह कभी उनका साथ नहीं छोड़ेंगे अपनी मां की कसम खाई।

पेनड्राइव में पति के पाप देखकर पत्नी बोली- 'मेरी तरह किसी और को धोखा मत देना'

मुजफ्फरपुर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में एक महिला ने पति की प्रताड़ना और उसके अवैध संबंधों से तंग आकर मौत को गले लगा लिया। जहर खाने से पहले उसने एक वीडियो भी रिकॉर्ड किया और कहा, मैं जा रही हूं। आप खुश रहिएगा। बस, मेरी तरह किसी और को धोखा मत दीजिएगा। मैंने आपसे बहुत मोहब्बत की है। महिला को कुछ समय पहले पति की एक पेनड्राइव मिली थी। इसमें उसके कई महिलाओं के आपत्तिजनक वीडियो मिले थे। पीड़ित परिवार

की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र में कोल्हुआ के मुजफ्फरपुरी निवासी अजमत की शादी बीते साल अप्रैल में जाहिर जावेद के साथ हुई थी। पति जावेद मध्य प्रदेश के भोपाल में सिविल इंजीनियर है। मृतका के पिता ने बताया कि शादी के बाद बेटी को पति के अवैध संबंधों के बारे में पता चला था। इसके बाद उसने पति पर नजर रखनी शुरू की। तभी उसको पति की एक पेनड्राइव मिली। इसमें कई महिलाओं के साथ उसके आपत्तिजनक वीडियो थे। इस पर उसने विरोध किया तो पति ने मारपीट करनी शुरू कर दी। जानकारी मिलने पर मायकेवालों ने कई बार दोनों को समझाकर विवाद शांत कराया। रविवार दोपहर महिला अपने मायके में थी। उसने अपने माता-पिता को एटीएम से पैसा निकालने के लिए भेज दिया। वापस आने पर उन्होंने बेटी को कमरे में पड़ा देखा और आनन-फानन अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी मौत हो गई। पिता का कहना है कि शादी के बाद दामाद बेटी को ससुराल नहीं ले गया। उसे गरम चौक के पास एक किराए के कमरे में रखता था। कहता था कि भोपाल में नौकरी करता है। लेकिन, काफी दिनों से यहीं था। उसने बेटी का व्हाट्सएप हैक कर रखा था। जब भी बेटी से कोई गोपनीय बात करते थे तो उसे पता लग जाता था। इसके बाद वो बेटी से मारपीट करता था। मरने से पहले अजमत ने एक वीडियो भी बनाया। इसमें वह जहर का पैकेट हाथ में लिए दिखाई दे रही है और कह रही है, आप तो यही चाहते थे न। मैं जा रही हूं।।।आप खुश रहिएगा।

महिला कांस्टेबल मर्डर केस का मुख्य आरोपी गिरफ्तार 10 राज्य खंगालने के बाद महाराष्ट्र में मिली सफलता

कटिहार, 28 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के कटिहार में कथित लव जिहाद को लेकर महिला पुलिसकर्मी प्रभा भारती की हत्या की गई थी। इस मामले में बिहार पुलिस ने महाराष्ट्र के नागपुर से हत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने महिला से प्रेम प्रसंग के बाद जबरदस्ती शादी करने का दबाव बनाया था जिसका वह विरोध कर रही थी। आरोपी अरशद उर्फ छोटू ने सात लोगो के सहयोग से कोढ़ा थाना क्षेत्र के भटवाड़ा हाइवे 81 पर महिला पुलिसकर्मी को गोलियों से छलनी कर दिया था। आठ फरवरी की देर शाम उनलोगों ने घटना को अंजाम देकर लग्जरी कार से सवार होकर फरार हो गए थे। सैकड़ो सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी अनुसंधान के बाद पुलिस आरोपियों तक पहुंची।

इस मामले में अब तक पांच लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। वहीं घटना में प्रयुक्त गाड़ी भी बरामद की गई है। इधर, आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने स्पीडी ट्रायल से हत्यारों को सजा दिलाने का दावा किया है। एसपी जितेंद्र कुमार ने कहा है कि पुलिस के लिए महिला पुलिसकर्मी की हत्या एक चैलेंज थी ।प्रेम प्रसंग और ब्रेकअप ही उसकी मौत की वजह बन गई थी। आरोपी हसन अरशद उर्फ छोटू और मो। सज्जाद उर्फ रॉकी की महिला पुलिसकर्मी से बहस हो रही थी। स्पीडी ट्रायल चलाकर हत्यारों को सजा दिलाई जाएगी। लव जिहाद और जबरन धर्म परिवर्तन को लेकर कानून बनाने की मांग लगातार सरकार से की जा रही है। बिहार सरकार ऐसे मामलों को दरकिनार करती आ रही है जिसका नतीजा ये भी था।

20 इलाकों में तेज भूकंप की आशंका, रिक्टर स्केल पर 8 तक जा सकता है पैमाना

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। तुर्किए में आए हालिया भूकंप के बाद दुनियाभर के वैज्ञानिक भविष्य में के लिए आशंका जता रहे हैं। भारत में भी वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान के विज्ञानियों ने हिमालय में 20 ऐसे क्षेत्रों का अनुमान लगाया है, जहां कभी भी 8 या इससे ज्यादा रिएक्टर स्केल से भूकंप आ सकते हैं। बता दें कि 5 या उससे थोड़ी ज्यादा तीव्रता के भूकंप से यहां बिल्डिंग हिल जाती है। ऐसे में अगर 8 तीव्रता का भूकंप आ जाए तो हम इससे होने वाले नुकसान की कल्पना तक नहीं कर सकते हैं। तुर्किए में आए भूकंप की तीव्रता 7,9 थी। संस्थान के वरिष्ठ विज्ञानी डॉक्टर आरजे पेरूमल के मुताबिक करीब 2000 किलोमीटर लंबे हिमालयी क्षेत्र में बड़े भूकंप की आशंका वाले 20 और भारत में करीब आधा दर्जन के करीब क्षेत्र हो सकते हैं। उत्तराखंड के रामनगर, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा और असम क्षेत्र में ऐसे भूकंपों की आशंका सबसे ज्यादा है। इसकी वजह इन क्षेत्रों की धरती के नीचे चल रहे तनाव के बावजूद ऊर्जा का बाहर न निकल पाना है। डॉक्टर पेरूमल का कहना है कि रामनगर क्षेत्र में साल 1255 में आठ से नौ रिएक्टर का भूकंप आया था। इसके बाद यहां कोई बड़ा भूकंप दर्ज नहीं किया गया। इसी तरह भूगर्भीय संरचना वाले नेपाल में साल 1255 में बेहद शक्तिशाली भूकंप (8,0 से 9.0) आया था। इसके बाद

1831, 1934 और 2015 में भारी भूकंप आ चुका है। एक ही माइक्रो सेसमेसिटी बेल्ट में पड़ने वाले हिमाचल के कांगड़ा में भी 1905 के भूकंप (7,8 रिएक्टर स्केल) के बाद कोई भूकंप नहीं आया। सेंट्रल नेपाल और देश का असम प्रांत भी एक बेल्ट में आता है। यहां कम अंतराल में छोटे भूकंप के साथ ही बड़े भूकंप भी आते हैं। नेपाल में साल 1255 के भूकंप को छोड़कर पिछले तीन बड़े भूकंप का अंतराल 51 से 81 साल के बीच रहा और इसी रूट के असम में पिछले 2 बड़े भूकंप 51 से 81 साल के बीच आए हैं।

भूकंप क्यों आते हैं

इसका जवाब जानने के लिए सबसे पहले आपको धरती की संरचना समझनी होगी। पूरी धरती 12 टेक्टोनिक प्लेटों पर स्थित है। इन टेक्टोनिक प्लेटों के नीचे लावा मौजूद है। ये 12 प्लेटें इन्ही लावों पर तैरती हैं। जब लावा इन प्लेटों से टकराता है तो जो ऊर्जा निकलती है उसे भूकंप कहते हैं। इसे ऐसे भी समझ सकते हैं कि पृथ्वी की सबसे बाहरी परत जो 12 प्लेटों में विभाजित है। ये प्लेटें लगातार शिफ्ट होती रहती हैं। शिफ्ट होते समय कभी-कभी ये प्लेटें एक दूसरे से टकरा जाती हैं। जिससे भूकंप का एहसास होता है। इससे जमीन भी खिसकती है। करोड़ों साल पहले भारत एशिया के करीब नहीं था, लेकिन जमीन पर आए भूकंप की ही वजह से भारत हर साल करीब 47 मिलीमीटर खिसक कर मध्य एशिया की तरफ बढ़ रहा है। करीबन साढ़े पांच करोड़ साल से पहले हुई एक टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हिमालय का निर्माण हुआ। तब भारत एक बड़ा द्वीप था। ये द्वीप समुद्र में 6,000 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक तैरता हुआ यूरेशिया टेक्टॉनिक प्लेट से टकराया और हिमालय का निर्माण हुआ। हिमालय दुनिया की सबसे कम उम्र की पर्वत श्रृंखला है। वैज्ञानिकों के अंदाजे के मुताबिक भूगर्भीय बदलाव की वजह से ही हिमालयी क्षेत्र भूकंप के प्रति अति संवेदनशील बनते जा रहे हैं। इस वजह से दोनों प्लेटें एक दूसरे पर लगातार जोर डाल रही है, इसकी वजह से क्षेत्र में अस्थिरता बनी हुई है। लेकिन सवाल ये उठता है कि आखिर हिमालयी क्षेत्र की धरती की प्लेटें स्थिर क्यों नहीं हो रही हैं ? इसका जवाब जानने के लिए 'अंडरवर्ल्ड कोड' नाम के सॉफ्टवेयर के जरिए करोड़ों साल पहले हुई उस टक्कर को समझने की कोशिश अब भी जारी है।

कैसे काम कर रहा है ये सॉफ्टवेयर

'अंडरवर्ल्ड कोड' नाम का सॉफ्टवेयर आंकड़ों पर काम करता है। इस सॉफ्टवेयर में आंकड़े भर कर यह देखा जा रहा है कि टक्कर से पहले और उसके बाद स्थिति में किस तरह का बदलाव हुआ। ये भी देखा जा रहा है कि वो बदलाव भौतिक रूप से कितने ताकतवर थे। 'अंडरवर्ल्ड कोड' से अब तक यह पता चला है कि भारतीय प्लेट की सतह का घनत्व, भीतरी जमीन से ज्यादा है। जिस वजह से भारत मध्य एशिया की तरफ बढ़ रहा है।

भूकंप के खतरे के लिहाज से भारत चार भागों में विभाजित

भूकंप के खतरे के लिहाज से भारत को चार भांगों में बांटा गया है। पहला उत्तराखंड, दूसरा कश्मीर का श्रीनगर वाला इलाका, तीसरा हिमाचल प्रदेश और चौथा बिहार का कुछ हिस्सा। वहीं गुजरात का कच्छ और पूर्वोत्तर के छह राज्य अतिसंवेदनशील की कैटेगरी में आते हैं। इन्हें जोन पांच में रखा गया है। जोन पांच यानी की इन इलाकों में खतरनाक भूकंप आने की ज्यादा आशंका बनी रहती है। 1934 से अब तक हिमालयी क्षेत्र में पांच बड़े भूकंप आ चुके हैं।

भूकंप की तीव्रता और केन्द्र का मतलब क्या होता है?

भूकंप की तीव्रता और अवधि को मांपने के लिए सिस्मोग्राफ का इस्तेमाल किया जाता है। सिस्मोग्राम के जरिए धरती में होने वाली हलचल का ग्राफ बनाया जाता है। भूकंप के केन्द्र का मतलब वो स्थान है जिसके ठीक नीचे की प्लेटों में हलचल होती है। जो हाइपोसेंटर कहलाता है । यहीं पर सबसे ज्यादा कंपन भी होता है। कंपन की आवृत्ति के दूर होने से उसका प्रभाव कम होता जाता है। रिएक्टर स्केल पर 7 या इससे ज्यादा की आवृत्ति वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी तक दायरा तेज के झटके महसूस करता है। अगर भूकंप की आवृत्ति ऊपर की तरफ होती है तो कम क्षेत्रों पर भूकंप का असर पड़ता है वहीं अगर ये आवृति दायरे में होती है तो एक बड़ा क्षेत्र भूकंप की चपेट में आता है।

भूकंप की तीव्रता बढ़ने का मतलब समझिए

भूकंप की तीव्रता नंबर से मापी जाती है। जैसे-जैसे ये नंबर बढ़ता है, वैसे वैसे भूकंप से निकलने वाली ऊर्जा भी बढ़ जाती है। भूकंप की तीव्रता 1 अंक बढ़ने से उससे निकलने वाली ऊर्जा 32 गुना बढ़ जाती है। जैसे 5 तीव्रता का भूकंप 4 की तीव्रता वाले भूकंप से 32 गुना ज्यादा ऊर्जा निकलती है। इसी तरह ये आगे बढ़ता है और इससे होने वाला खतरा भी।

8 तीव्रता वाले भूकंप में 1,000 गुना ज्यादा ऊर्जा निकलती है

वैज्ञानिकों ने भारत के 8 या इससे ज्यादा की तीव्रता के साथ भूकंप आने की बात कही है। 8 तीव्रता वाले भूकंप में 7 तीव्रता वाले भूकंप से 1,000 गुना ज्यादा ऊर्जा निकलती है। 8 की तीव्रता वाले भूकंप को बेहद खतरनाक माना जाता है। इसका शिकार काफी बड़ा क्षेत्र होता है, और ये देर तक महसूस किया जाता है। ये भूकंप इमारतों को पूरी तरह से बर्बाद कर देता है। कॉलम, दीवारें भारी फर्नीचर इस भूकंप के झटके से गिर जाती हैं। 8 या इससे ज्यादा की तीव्रता वाले भूकंप साल में एक बार आ सकते हैं।

तो क्या भूकंप का सही अंदाजा लगाया जा सकता है

तुर्किए में आए भूकंप के बाद कई वैज्ञानिक भूकंप को लेकर चेतावनी दे रहे हैं। ऐसे में उनसे ये भी सवाल किया गया कि आप लोग भूकंप की भविष्यवाणी को लेकर कितने आश्वस्त हैं? क्योंकि भूकंप अचानक आते हैं और अपने पीछे तबाही और बर्बादी का मंजर छोड़ जाते हैं। इसी साल तुर्किए और सीरिया में आए भूकंप का वैज्ञानिकों को पहला संकेत उनके संवेदनशील उपकरण पर दिखे फ्लैश से मिला था। ये संदेश भूकंप शुरू होने के बाद ही मिल पाता है। धरती पर जहां कहीं भी भूकंप आते हैं वहां तीन टेक्टोनिक प्लेट्स का संगम होता है। इन प्लेटों को एनातोलिया, अरब और अफ्रीका प्लेट्स के नाम से जाना जाता है। तुर्की और सीरिया में यही तीनों प्लेट्स आपस में टकराई थीं। वैज्ञानिकों का मत है कि ताजा भूकंप तो आना ही था। अब भी कई जगहों पर भूकंप के आने की वार्निंग दी जा रही है लेकिन ये सवाल उठता है कि विज्ञानी भूकंप आने से पहले सही टाइम और सही जगह क्यों नहीं बता देते। आइये इसके पीछे की सच्चाई समझने की कोशिश करते हैं। दरअसल भूकंप के पूर्वानुमान का बेहद ही मुश्किल है। ये सच है कि भूकंप के आने के दौरान या उसके गुजर जाने के बाद कुछ संकेत मिलते हैं लेकिन भूकंप को लेकर पहले से ही भविष्यवाणी कर पाना एक मुश्किल काम है। वैज्ञानिक 1960 के दशक से भूकंपों के पूर्वानुमान की कोशिश में लगे हैं। लेकिन भूकंप के फॉल्ट लाइंस की वजह से इसका अंदाजा लगाना एक चुनौती है। फॉल्ट लाइंस पूरी दुनिया की धरती के अंदर फैली हुई है। इन फॉल्ट लाइंस की वजह से पृथ्वी के अंदर हलचल लगातार जारी रहती है। जिससे एक दिन में कई भूकंप आ रहे हैं। हालांकि ये सभी भूकंप ताकतवर नहीं होते और इनसे कोई नुकसान भी नहीं होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली मौतों में से आधी से ज्यादा मौतें भूकंप की वजह से ही होती हैं। साल 1998-2017 के बीच भूकंप से दुनियाभर में करीब 750000 मौतें हुईं।

हैवानियत ऐसी कि शैतान की भी रूह कांप उठे

कब्र से 15 साल की बच्ची का शव निकाल दरिंदों ने किया रेप

सुरेंद्रनगर (गुजरात), 28 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात में पुलिस ने उस घटना की जांच शुरू कर दी है, जिसमें एक बच्ची के शव को कब्र से बाहर निकाला गया और उसके साथ कथित तौर पर बलात्कार किया गया। पीड़िता के परिवार द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर मामला दर्ज किए जाने के बाद यह घटनाक्रम सामने आया है। रविवार रात पत्रकारों को संबोधित करते हुए सब-इंस्पेक्टर थानगढ़ पुलिस के खड़िया ने कहा कि परिवार ने शिकायत की कि उनकी 15 साल की बच्ची का शव कब्र से बाहर निकाला गया है और उन्हें शक है कि किसी ने शव के साथ गलत हरकत की है। थानगढ़ अस्पताल में प्राथमिक जांच में पता चला कि उसके साथ दुष्कर्म किया गया है। पुलिस ने शव को फोरेंसिक पोस्टमॉर्टम के लिए राजकोट भेज दिया है। पीड़ित परिवार के अनुसार जन्म के बाद से बच्ची को दिल की बीमारी थी और उसका इलाज चल रहा था। 25 फरवरी को उसकी मौत हो गई, इसके बाद परिजनों ने परंपरा के अनुसार उसे कब्रिस्तान में दफना दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि एफएसएल रिपोर्ट में शव के साथ दुष्कर्म की पुष्टि होने पर आईपीसी की धारा 377 के तहत दुष्कर्म की शिकायत दर्ज की जाएगी।

ममता बनर्जी के सपनों पर फिरा पानी

अब त्रिपुरा में भी दीदी को करना होगा इंतजार

कोलकाता, 28 फरवरी (एजेंसियां)। त्रिपुरा विधानसभा चुनाव 2023 का रिजल्ट आने से पहले एग्जिट पोल के नतीजे सामने आ गए। इन नतीजों में तृणमूल कांग्रेस चीफ ममता बनर्जी को बड़ा झटका लगता नजर आ रहा है। इंडिया टुडे-एक्सिस माई इंडिया के एग्जिट पोल के मुताबिक राज्य में इस बार भी सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी बरकरार रहने वाली है। 60 सदस्यीय सदन में भगवा पार्टी को 36 से 45 सीटें मिलने की संभावना है। जबकि वाम-कांग्रेस गठबंधन के लिए अनुमानित संख्या 6-11 है, टिपरा मोथा पार्टी के लिए 9-16 है। इसका मतलब साफ तौर पर यह हो सकता है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के त्रिपुरा में टीएमसी के प्रभाव को बढ़ाने के मंसूबों पूरी तरह चौपट हो गए हैं। त्रिपुरा में ममता बनर्जी की टीएमसी ने कुल 60 में से 28 सीटों पर चुनाव लड़ा था और एग्जिट पोल के नतीजों के मुताबिक वह एक भी सीट जीतते हुए नजर नहीं आ रही है। भले ही उन्होंने अपने राज्य पश्चिम बंगाल में 35 साल से राज करने वाले कम्युनिस्ट शासन को साल 2011 में उखाड़ फेंका हो लेकिन त्रिपुरा में बीजेपी ममता दीदी के आड़े आ रही है। ऐसे कई कारण हैं जिनकी वजह से ममता बनर्जी और उनकी पार्टी ने अपनी विस्तार योजनाओं के मामले में त्रिपुरा को एक संभावित राज्य के रूप में देखा है।

बंगाल और त्रिपुरा में ज्यादातर लोग बांग्ला बोलते हैं। दोनों राज्य विभाजन और बांग्लादेश के निर्माण से बंगाली हिंदू शरणार्थियों के निवास की विरासत साझा करते हैं। त्रिपुरा के लगभग 30 प्रतिशत लोग आदिवासी हैं और बाकी बंगाली हैं। ममता बनर्जी 2024 लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती देने के सपने संजो रही हैं लेकिन वह यह भी जानती हैं कि उनकी पार्टी की पहुंच कमोबेश पश्चिम बंगाल तक ही सीमित है। इससे पहले काफी प्रचार के बावजूद भी टीएमसी गोवा चुनावों में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी थी।

बाघ का दीदार करने गए सैलानियों को दिखा भालू, मस्त चाल देखकर रोमांचित हुए लोग

उमरिया, 28 फरवरी (एजेंसियां)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बड़ी संख्या में सैलानी बाघों का दीदार करने के लिए आते हैं। पर्यटक अक्सर यहां बाघ, बाघिन और शावकों को देखकर रोमांचित हो उठते हैं, लेकिन जब उन्हें कोई और वन्यजीव नजर आता है तो उनकी खुशी बढ़ जाती है। हाल ही में सफारी में गए पर्यटकों को भालू का दीदार हुआ। भालू को देखते ही पर्यटक उत्साहित हो गए। पर्यटक जंगल में सैर कर रहे थे, इसी दौरान भालू को जिप्सी की हलचल महसूस हुई और वह जंगल की ओर चला गया। इसी दौरान पर्यटकों को यह नजारा देखने को मिला।

दिल्ली पुलिस ने किया सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

4 आरोपी गिरफ्तार, 4 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने लक्ष्मी नगर इलाके में कथित तौर पर सेक्स रैकेट चलाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले चार पुलिसकर्मियों को जिला लाइन हाजिर किया है। फिलहाल भारतीय दंड संहिता और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पास्को) अधिनियम की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस उपायुक्त पूर्वी अमृता गुगुलोथ के अनुसार, 17 वर्षीय एक लड़की ने लक्ष्मी नगर पुलिस स्टेशन में कथित रूप से वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर करने की शिकायत दर्ज कराई थी। जिसके बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उसे संज्ञान में लिया और अतुल, विनय, साहिल, सानिया, इम्तियाज और निलेश नामक आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि करीब 10 महीने पहले शिकायतकर्ता की मुलाकात सानिया नाम की लड़की से हुई थी, जिसके बाद उससे उसकी दोस्ती हो गई। इस दौरान सानिया ने उसे बताया कि वह लड़कियों को नौकरी देती है। इसके बाद में करीब डेढ़ महीने पहले सानिया ने उसे विजय ब्लॉक, लक्ष्मी नगर के एक फ्लैट में बुलाया। जहां उसने उसे अन्य आरोपित व्यक्तियों से मिलवाया। जानकारी के अनुसार आरोपियों ने कथित तौर पर उसे वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर किया और इसके बदले उसने पैसे कमाए। डीसीपी ईस्ट ने कहा कि शिकायतकर्ता की तरफ से दी गई जानकारी के आधार पर पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि इम्तियाज, सानिया और एक लड़की अभी भी फरार हैं। पुलिस ने दावा किया है कि जल्द ही इन आरोपियों को भी गिरफ्तारी कर ली जाएगी। इसके साथ पुलिस अपनी जांच में इस बात की भी जानकारी इकट्ठा कर रही है कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों के तार कहां-कहां तक जुड़े हैं।

ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस का ट्विटर अकाउंट हैक, हैकर्स ने नहीं किया कोई विवादित ट्वीट

कोलकाता, 28 फरवरी (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस का आधिकारिक ट्विटर अकाउंट मंगलवार को हैक हो गया। अकाउंट हैक होने के बाद पार्टी के हैंडल का डिस्प्ले पिक्चर चेंज कर दिया गया और डिस्प्ले हैंडल का नाम युग लैब्स कर दिया गया। पार्टी सूत्रों के मुताबिक वह अकाउंट रीस्टोर करने की कोशिश कर रहे हैं। अभी तक हैकर्स ने अकाउंट से किसी भी तरह का ट्वीट अकाउंट पर पोस्ट नहीं किया है। युग लैब्स यूएस स्थित एक ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी कंपनी है जो एनएफटी और डिजिटल कलेक्टिबल्स विकसित करती है। यह क्रिप्टोक्यूरेंसी और डिजिटल मीडिया में काम करती है। पिछले साल 10 दिसंबर को वाईएसआर कांग्रेस का आधिकारिक ट्विटर अकाउंट हैक हो गया था। इस ट्विटर अकाउंट ने क्रिप्टो- करेंसी को बढ़ावा देने की कोशिश की थी। पार्टी के ट्विटर बायो विवरण को करोड़पति में बदल दिया गया था और डिस्प्ले फोटो को बोरेड एप यॉट क्लब (बीएवाईसी) संग्रह से एक तस्वीर में बदल दिया गया था। अप्रैल 2022 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय का आधिकारिक ट्विटर अकाउंट हैक कर लिया गया था। सीएम ऑफिस का अकाउंट हैक होने के बाद सूबे में अफरा-तफरी मच गई थी। हैकर्स ने अकाउंट हैक करने के बाद ट्विटर हैंडल से सीएम योगी की डिस्प्ले पिक्चर हटा ली थी। तब भी डिस्प्ले फोटो को यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के फोटो से बदलकर बीएवाईसी कलेक्शन की तस्वीर कर दिया गया था। उनके ऐसा करने के बाद अधिकारियों ने अकाउंट री-स्टोर करने के लिए काफी मशक्कत की फिर भी वह सफल नहीं हो सके थे। काफी मेहनत के बाद उनको सफलता मिली। हालांकि अकाउंट होने के बाद भी दोषियों पर कोई कार्रवाई नहीं हो सकी।

गोइंदवाल साहिब जेल गैंगवार मामले में डिप्टी जेल सुपरिंटेंडेंट सस्पेंड, जेल सुपरिंटेंडेंट की होगी जांच

तरनतारन (पंजाब), 28 फरवरी (एजेंसियां)। तरनतारन की गोइंदवाल साहिब केंद्रीय जेल में हुई गैंगवार की गाज डिप्टी जेल सुपरिंटेंडेंट पर गिर गई है। डिप्टी जेल सुपरिंटेंडेंट हरीश कुमार को सस्पेंड कर दिया गया है। जेल सुपरिंटेंडेंट इकबाल सिंह बराड़ की भी जांच के निर्देश दिए गए हैं। इस जेल में रविवार की दोपहर जग्गू भगवानपुरिया और लॉरेंस बिश्नोई गैंग के बीच गैंगवार हुई थी। इस गैंगवार में सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के आरोपी गैंगस्टर मनदीप तूफान और मनमोहन मोना की मौत हो गई थी। मामले में 11 गैंगस्टर घायल हो गए थे। अत्याधुनिक गोइंदवाल केंद्रीय जेल 15 महीने पहले शुरू हुई थी। शुरू से ही ये जेल सुर्खियों में रही है। जेल में गैंगस्टरों के आपस में भिड़ने की कई घटनाएं हो चुकी हैं। इसके अलावा इसी जेल में बैठकर गैंगस्टरों द्वारा पाकिस्तान से हथियार व नशा मंगवाने के रैकेट का खुलासा भी हो चुका है लेकिन इसके बाद भी इस मामले को जेल अथॉरिटी गंभीरता से नहीं ले रही है। वहीं, रविवार को दो गैंगस्टरों की मौत के मामले की रिपोर्ट गृह विभाग ने तलब कर ली है। सीएम भगवंत मान के पास ही गृह विभाग है। ऐसे में उन्हें इस संबंधी सारी जानकारी से अपडेट करवाया जा रहा है। सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के मुख्य आरोपियों में एक गैंगस्टर दीपक टीनू भी इसी जेल में बंद था। जनवरी में उसने अपने साथियों सहित तीन कैदियों पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया था। हमले में घायल तीनों लोगों को तरनतारन के सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। दिसंबर 2022 में तरनतारन के सरहाली थाने पर आतंकी हमला हुआ था। इस मामले में उस समय कुल 12 आरोपियों को पुलिस ने दबोचा था। पुलिस की जांच में सामने आया था कि आरपीजी हमले की साजिश गोइंदवाल साहिब जेल से ही आरोपी अजमीत सिंह ने रची थी। अजमीत हमले की योजना के लिए विदेश स्थित अपने आकाओं के संपर्क में था। अक्टूबर 2022 में विशेष टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने जेल के अंदर से जेल के एक वरिष्ठ अधिकारी की मिलीभगत से काम कर रहे गैंगस्टरों की एक सांठगांठ का भंडाफोड़ किया था। एसटीएफ ने कहा था कि गिरोह के सदस्य सीमा पार से ड्रग्स और हथियारों की तस्करी के लिए जेल से काम कर रहे थे। एक अधिकारी ने बताया कि जेलों में स्थिति को सुधारने के लिए उचित इंतजाम नहीं है। कर्मचारियों की कमी और अति आधुनिक जैमर लगाने के लिए पहले ही सरकार को लिखा जा चुका है।

पिता को मारने और बहन से रेप की धमकी दे करता रहा छात्रा से दुष्कर्म

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। प्रेम नगर इलाके में एक नाबालिग छात्रा से पड़ोसी ने दुष्कर्म किया। आरोप है कि पड़ोसी पिछले एक साल से उसके साथ दुष्कर्म कर रहा है। पुलिस ने पीड़िता के बयान पर पड़ोसी के खिलाफ पॉक्सो के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने उसके पिता को जान से मारने की धमकी और बहन के साथ रेप करने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म करता रहा था। जानकारी के मुताबिक पीड़ित छात्रा परिवार के साथ प्रेम नगर- तीन किराड़ी इलाके में रहती है। वह सरकारी स्कूल से दसवीं कक्षा की पढ़ाई कर रही है। पीड़ित छात्रा ने पुलिस को बताया कि जब वह ट्यूशन जाती थी। पड़ोस में ही रहने वाला आरोपी युवक उसका पीछा करता था। कई बार उसने अपने प्यार का इजहार किया था,जिसको उसने मना कर दिया था। वह लगातार उस पर दबाव बनाता रहा। करीब डेढ़ साल पहले आरोपी ने उससे बात करने के लिए दोस्त के घर बुलाया। वहां पर कोई नहीं था, जहां उसने न केवल छेड़छाड़ की बल्कि पिता को मारने और बहन का रेप कर देने की धमकी दी। डर की वजह से वह उससे बात करने लगी। एक दिन वह आरोपी के घर गई जहां पर उसके साथ उसने रेप किया। बीते एक साल से वह उसे घर ले जाकर गलत काम कर रहा था। आरोपी की हरकतों से परेशान होकर उसने आप बीति अपनी मां को बताई थी।

पंजाब से बाहर होगी बरगाड़ी बेअदबी से जुड़े केसों की सुनवाई, एससी ने मंजूर की डेरा प्रेमियों की याचिका

फरीदकोट (पंजाब), 28 फरवरी (एजेंसियां)। साल 2015 के बरगाड़ी बेअदबी मामले से जुड़े केसों की सुनवाई पंजाब से बाहर करने की डेरा सच्चा सौदा अनुयायियों की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार कर ली है। बरगाड़ी केस के आरोपी शक्ति सिंह व अन्य की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस अनुराधा बोस और जस्टिस सुधांशु धुलिया की बेंच ने यह आदेश दिया है। मालूम हो कि बेअदबी केस

के आरोपी महिंदर पाल बिट्टू और प्रदीप कटारिया की हत्या के बाद आरोपियों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। चर्चा है कि अब केसों की सुनवाई चंडीगढ़ में होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कुल चार केसों की सुनवाई पंजाब से बाहर करने की याचिका मंजूर की है। इनमें बरगाड़ी बेअदबी से जुड़े तीन और मोगा का 2010 का एक तोड़फोड़ से जुड़ा केस शामिल है। 2015 के बरगाड़ी बेअदबी मामले से सम्बंधित तीन घटनाओं में चार्जशीट डेरा सच्चा सौदा सिरसा के अनुयायियों ने अपनी जान को खतरा होने का अंदेशा जताकर उच्चतम न्यायालय में दस्तक दी थी।

लिव-इन रिलेशन का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य करने की एससी से मांग, याचिकाकर्ता ने दिया श्रद्धा हत्याकांड का हवाला

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। लिव-इन संबंधों के रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था बनाने और उसे अनिवार्य रूप से लागू करने की मांग सुप्रीम कोर्ट से की गई है। याचिका में श्रद्धा वॉलकर और निक्की यादव हत्याकांड का हवाला दिया गया है। याचिका में कह गया है कि गोपनीय तरीके से चल रहे ऐसे संबंध लगातार जघन्य अपराध की वजह बन रहे हैं। लिव इन पार्टनर्स की सुरक्षा के लिए उनके संबंध की जानकारी पुलिस के पास होना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट की वकील ममता रानी की याचिका में लिव इन में रह रहे लोगों की संख्या की जानकारी जुटाने की भी मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि कोर्ट केंद्र सरकार को इसका निर्देश दे। याचिकाकर्ता की दलील है कि इस संख्या की जानकारी भी तभी मिल सकेगी जब लिव इन रिलेशन का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया जाएगा। याचिकाकर्ता ने श्रद्धा और निक्की हत्याकांड जैसे कई मामलों का हवाला दिया है।

ऐसे संबंधों का रजिस्ट्रेशन हो

याचिका में यह भी कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने कई आदेशों में खतरे का सामना कर रहे लिव इन रिलेशन में रह रहे लोगों को सुरक्षा दी है। इस तरह के संबंधों को मौलिक अधिकारों के दायरे में माना है लेकिन अभी ऐसे संबंधों के रजिस्ट्रेशन की कोई व्यवस्था नहीं है।

श्रद्धा की हत्या कर किए थे आफताब ने कई टुकड़े

दरअसल बीते दिनों श्रद्धा और निक्की हत्याकांड मामले सामने आए थे। श्रद्धा हत्याकांड मामले में आफताब ने लिव-इन पार्टनर श्रद्धा की हत्या कर शव को कई टुकड़े कर दिए थे और जंगल में एक-एक कर फेंक दिए थे। वहीं, निक्की हत्याकांड मामले में आरोपी साहिल ने अपनी पार्टनर निक्की की हत्या कर फ्रिज में शव को रख दिया था। साहिल का इरादा भी शव के टुकड़े करने का था। श्रद्धा हत्याकांड का आरोपी आफताब और निक्की हत्याकांड का आरोपी साहिल दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों के खिलाफ कार्रवाई चल रही है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 1 मार्च- 2023

सरकारी बनाम निजी स्कूल

सरकारी स्कूलों को सरकार से और अधिक प्रोत्साहन की जरूरत है। यह भी ध्यान रखना होगा कि भारत सहित विकासशील देशों के सरकारी स्कूलों में बच्चों के सीखने का स्तर काफी कम है। भारतीय सरकारी स्कूलों के पांचवीं कक्षा के आधे से ज्यादा बच्चे दूसरी कक्षा स्तर का पाठ भी नहीं पढ़ पाते। इसे कमी कहें, विसंगति या नीतियों की कमजोरी, पर सच्चाई यही है। भारत में सरकारी स्कूलों में फिर से बढ़ता दाखिले का आंकड़ा बेहद सुकूनदेह है। थोड़े और प्रयास से इसमें और ज्यादा सफलता मिल सकती है। सही है कि अब भी असली प्रतिस्पर्धा सरकारी बनाम निजी स्कूलों की है। मगर कोरोनो काल के बाद के आंकड़े बताते हैं कि लोगों का रुझान दुबारा सरकारी स्कूलों की तरफ हुआ है। इस भरोसे की वजह लंबे समय तक कामकाज और रोजी-रोजगार ठप्प पड़ने से कमाई का संकट और जमा पूंजी खत्म होना भी है। निजी स्कूलों की भारी फीस न चुका पाने की मजबूरी ने सरकारी स्कूलों को दुबारा आबाद किया। कोविड के वक्त वैकल्पिक आनलाइन शिक्षा की व्यवस्था तो हुई, लेकिन दुष्परिणाम ज्यादा दिखे। बच्चों का स्कूल में सीखने का स्तर घटा, वहीं आनलाइन पढ़ाई के चलते गंभीरता और एकाग्रता भी कम हुई। इसलिए बंदी खुलते ही सरकारी स्कूलों में दाखिले बढ़ गए। यह कहना ठीक नहीं कि सरकारी स्कूलों का स्तर खराब है। अपवादों को छोड़ दें तो बहुतेरे स्कूल बेहतर नतीजों के चलते अलग साख रखते हैं। देशी-विदेशी तमाम शोध और आंकड़े भी यही इशारा करते हैं। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन यानी ओईसीडी ने देशों की विभिन्न चालीस शिक्षा प्रणालियों में सामाजिक और आर्थिक स्थितियों को जोड़े बिना पाया कि निजी स्कूलों के विद्यार्थियों ने सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की तुलना में पढ़ने के अधिक अंक अर्जित किए।

मगर जब छात्र और स्कूल की सामाजिक और आर्थिक दशा को ध्यान में रख कर गणना हुई, तो पता चला कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के अंक निजी स्कूलों के मुकाबले अधिक थे। मतलब साफ है कि सरकारी स्कूल मुकाबले में कहीं पीछे नहीं हैं। निजी बनाम सरकारी स्कूलों की बहस कोई नई नहीं है, जो शिक्षा का अधिकार (आरटीई) लागू होने के बाद और बढ़ी। फिलहाल निजी और सरकारी स्कूलों के बीच खाई बढ़ी है। निजी स्कूलों की चकाचौंध और भारी फीस को स्तर मानना और सरकारी स्कूल से तुलना बेमानी है।

एक सोच भी बनी कि पैसे वालों के बच्चे निजी स्कूलों में, तो गरीबों के सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं। इस मिथक को दिल्ली सरकार ने अपनी मंशा के अनुरूप तोड़ कर दिखाया। केरल और कर्नाटक के भी तमाम सरकारी स्कूल बेहतर हैं। मध्यप्रदेश में 'सीएम राइज स्कूल' और छत्तीसगढ़ में 'स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल' की शुरुआत से लोगों का जबरदस्त रुझान फिर से सरकारी स्कूलों की तरफ बढ़ा है। अब उसी राह पर गुजरात भी नया और अभिनव प्रयोग कर रहा है। इसी महीने (4 फरवरी 2023 को) ओईसीडी के साथ सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए अंतरराष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन यानी 'प्रोग्राम फार इंटरनेशनल स्टूडेंट एसेसमेंट' (पीसा) का करार हुआ, जो अंतरराष्ट्रीय मूल्यांकन पर आधारित है। हर तीन साल में पंद्रह साल के छात्रों के गणित और विज्ञान साक्षरता को मापा जाएगा।

गुजरात के बीस हजार सरकारी स्कूलों में अत्याधुनिक 'फिजिकल, डिजिटल और लर्निंग इंफ्रास्ट्रक्चर' के जरिए भारत में 'मिशन स्कूल आफ एक्सीलेंस' को गति दी जाएगी। 'ग्रेड एप्रोप्रिएट लर्निंग आउटकम' हासिल होगा। इससे पंद्रह वर्ष से अधिक उम्र के विद्यार्थियों में आलोचनात्मक सोच, समस्या का समाधान और प्रभावी संचार यानी आलोचनात्मक सोच, समस्या समाधान और प्रभावशाली संवाद जैसी क्षमताओं का मूल्यांकन कर विभिन्न आधुनिक जरूरतों के विषयों से संबंधित अंतरराष्ट्रीय मूल्यांकन आधारित शिक्षा दी जाएगी। यकीनन इससे छात्रों की सोच, समस्या समाधान और प्रभावी संचार कौशल में सुधार होगा, जो देश के लिए मील का पत्थर होगा। सरकारी स्कूलों में ग्रेड-उपयुक्त शिक्षण परिणाम हासिल करने की दिशा में समझौता लागू करने वाला गुजरात पहला भारतीय राज्य है।

सरकारी स्कूलों को सरकार से और अधिक प्रोत्साहन की जरूरत है। यह भी ध्यान रखना होगा कि भारत सहित विकासशील देशों के सरकारी स्कूलों में बच्चों के सीखने का स्तर काफी कम है। शिक्षा पर वार्षिक स्थिति आधारित सर्वेक्षण 'असर' यानी एनुअल स्टेटस आफ एजुकेशन रिपोर्ट 2018 के आंकड़े यही बताते हैं। भारतीय सरकारी स्कूलों के पांचवी कक्षा के आधे से ज्यादा बच्चे दूसरी कक्षा स्तर का पाठ भी नहीं पढ़ पाते।

इसे कमी कहें, विसंगति या नीतियों की कमजोरी, पर सच्चाई यही है। वहीं 2022 का 'असर' सर्वेक्षण, जो कोरोना के चलते चार साल बाद हुआ, वह बढ़ते नामांकन की सुखद कहानी कहता है। देश के 616 जिलों के 19,060 गांवों में 3,74,544 घरों से जुटाए गए आंकड़ों में तीन से सोलह वर्ष की आयु के 6,99,597 बच्चों को शामिल कर हासिल किया गया आंकड़ा बताता है कि 2018 के बाद से सरकारी स्कूलों में दाखिले में तेजी आई। कारण ऊपर बताया जा चुका है। 2018 में सरकारी स्कूलों में दर्ज संख्या 65.6 प्रतिशत थी, जो 2022 में बढ़कर 72.9 हो गई। यह सुकून की बात है कि सरकारी स्कूलों में संख्या बढ़ना किसी एक राज्य में नहीं, बल्कि हर जगह दिखा। शिक्षा मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि सरकारी स्कूलों में छात्रों का नामांकन 2019-20 के 130,931,634 के मुकाबले 2021-2022 में बढ़कर 143,240,480 हो गया यानी 1.23 करोड़ अतिरिक्त छात्रों ने सरकारी स्कूलों में दाखिला लिया। बस इसी रुझान को न केवल बरकरार रखना है, बल्कि आगे भी बढ़ाना है।

यह भी सही है कि सरकारी स्कूलों में दाखिला बढ़ने के साथ अभिभावकों का ट्यूशन के प्रति भी आकर्षण बढ़ा है। मगर तुलनात्मक रूप से यह निजी स्कूलों के मुकाबले काफी सस्ता और पढ़ाई के मुकाबले बढ़िया साबित हो रहा है। बेशक, सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की पगार अच्छी है, समय-समय पर नवाचार और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाते हैं। पढ़ाने के तौर-तरीकों और गुणात्मक सुधार के लिए तमाम प्रयोग होते रहते हैं। मगर सरकारी शिक्षकों का एक ढीठ वर्ग ऐसा भी है, जो बजाय पढ़ाने के, दूसरे कामों में मशगूल रहता है। इन आंकड़ों को भी जुटाना होगा कि कितने शिक्षक कक्षाओं से नदारद रहते हैं। कितने ऐसे हैं, जो निजी व्यापार, व्यवसाय, बचत खाता एजेंट या ट्यूटर बनकर अभिभावकों को प्रभावित कर अतिरिक्त कमाई में लगे रहते हैं। कई राज्यों में सरकारी शिक्षकों से दूसरे काम थोक में कराए जाते हैं। जनगणना, पशु गणना से लेकर बाहर शौच करने वालों की तस्वीरें तक लेने की सच्चाई ने हैरान किया। इससे भी शिक्षण प्रभावित होता है। वहीं शिक्षकों का देर से आना, जल्दी भाग जाना, नशाखोरी और कक्षाओं में न पढ़ाना भी अक्सर सुर्खियां बनता है।

इसे आसानी से ठीक किया जा सकता है। डिजिटल क्रांति और संचार युग में स्कूलों को कैमरे की जद में रखना बेहद आसान और सुविधाजनक होगा। कक्षाओं में सीसीटीवी कैमरे, डीवीआर, राउटर जैसे तकनीकी उपकरण लगें, ताकि उन्हें सीधे या रिकार्डिंग के जरिए अभिभावक, अधिकारी, जनप्रतिनिधि सभी देख सकें। इससे अपने आप सख्त अनुशासन बढ़ेगा और मनमर्जी रुकेगी। खर्च के लिहाज से भी एक बार के निवेश से हर महीने एक शिक्षक के पगार से भी कम खर्च में कृत्रिम मेधा का सख्त पहरा सरकारी स्कूलों में होने वाली सारी अव्यवस्थाओं को 'जीरो टालरेन्स' पर ले आएगा। अब इस पर कौन-कौन जागेगा, ताकि डिजिटल क्रांति से सरकारी स्कूलों की तकदीर और तदबीर दोनों बदल जाए? किसी ने सही कहा है 'तदबीर के दस्त-ए-रंगीं से तकदीर दरख्शां होती है कुदरत भी मदद फरमाती है जब कोशिश-ए-इंसां होती है।'

कानून व्यवस्था पर सवाल

पंजाब में सड़कें व थाने तो संकट में हैं ही अब तो हालात यहां तक बिगड़ गए हैं कि वहां की जेलें भी सुरक्षित नहीं रह गई हैं। इस तरह की अराजकता से एक बार फिर पंजाब में कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। खबरों के अनुसार पंजाब के तरनतारन जिले के गोइंदवाल सेंट्रल जेल में जिस तरह दो आपराधिक गिरोह आपस में भिड़े और दो लोगों की हत्या कर दी गई, उसे लेकर चिंता होना स्वाभाविक है। इस घटना से दो दिन पहले ही अमृतसर के अजनाला थाने को घेर कर खालिस्तान समर्थकों ने अपने एक आदमी को छुड़ाने का जिस तरह का दबाव बनाया, वह भी कम चिंताजनक नहीं है। देखा जाए, तो यह पहला मौका था, जब किसी थाने को भीड ने घेर कर अपने साथी आरोपी को छुड़वा लिया। यह मामला ठंडा भी नहीं पडा था कि तरनतारन के सेंट्रल जेल में दो ऐसे आरोपियों की हत्या कर दी गई, जिनका गायक मूसेवाला की हत्याकांड में हाथ माना जा रहा था। पता चला है कि जेल में दो अपराधी गुटों की आपस में भिड़ंत हो गई और लोहे की सरिया और बर्तनों से नुकीले हथियार बना कर हमला किया गया। मारे गए दोनों कैदियों के सिर पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं। जानलेवा मारपीट की इस घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। अब सवाल है कि जेल के भीतर सरिया आदि नुकीली छडों व बर्तनों तक कैदियों की पहुंच कैसे संभव हो सकी। उससे भी बडा सवाल यह भी है कि जेल प्रशासन को इस तरह की हरकतों की जानकारी क्यों नहीं मिल सकी। जिन दो गुटों के आरोपी जेल में बंद हैं, उनमें पुरानी रंजिश जगजाहिर है, इसलिए वे कभी भी आपस में भिड़ सकते हैं। इस जानकारी के बाद भी जेल प्रशासन क्यों नहीं जागा। पंजाब पाकिस्तान का सीमावर्ती राज्य है, इसलिए वहां सुरक्षा को लेकर खासी सावधानी बरती जाती है। फिर केंद्रीय कारागार में, जहां खूंखार माने जाने वाले अपराधी कैद हों, वहां की सतर्कता व्यवस्था तो और भी चाक-चौबंद होनी चाहिए। इसलिए गोइंदवाल जेल में हुई हिंसक झड़प से कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। इस हत्या की जिम्मेदारी कनाडा में पनाह पाए गोल्डी बराड़ ने ली है। ऐसे में सवाल लाजमी है कि क्या हत्या कराने वाले कनाडा में बैठ कर गोइंदवाल कारागार के भीतर साजिशों को अंजाम दे रहे थे। फिर, जेल प्रशासन इतना बेपरवाह कैसे था कि यह जानते-समझते हुए भी कि मूसेवाला हत्याकांड में गिरफ्तार आरोपियों में दो गिरोह के लोग हैं, जिनके बीच पुरानी रंजिश है, फिर भी उन्हें एक साथ बंद कर दिया गया। जेल प्रशासन का कहना है कि इन आरोपियों की सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया था। फिर भी दोनों गुटों में भिड़ंत हो गई और दो लोगों की हत्या कर दी गई, तो यह भी समझ से परे है कि आखिर उस घटना पर काबू कैसे नहीं पाया जा सका। क्या सुरक्षा में तैनात लोग हाथ पर हाथ धरे देखते रहे। जाहिर है ऐसे नकारा जेल प्रशासन के कारकूनों को दंडित किया जाना चाहिए, ताकि अन्य स्टाफ इस नजीर से सबक ले सके। देखा जाए, तो पंजाब में जबसे आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है, तभी से आपराधिक वृत्ति के गिरोह और अलगाववादी ताकतें सिर उठाने लगी हैं। यह वहीं पार्टी है जो अपराध और नशाखोरी मिटाने के दावे के साथ सत्ता में आई थी। अब जब वही पार्टी इन मोर्चों पर विफल नजर आ रही है, तो उसे भी कटघरे में खड़ा किया जाना चाहिए। आखिर इस सच्चाई से कौन इनकार कर सकता है कि आम आदमी पार्टी के शासन में पंजाब सरकार की कानून-व्यवस्था लचर साबित हो रही है। अब वह यह कह कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकती कि उसे कामकाज संभाले अधिक दिन नहीं हुए। किसी भी सरकार की पहली काबिलियत इस बात से तय हो जाती है कि उसने सत्ता की बागडोर संभालने के साथ ही कानून-व्यवस्था के मामले में क्या रणनीति अपनाई है। इस मामले में पंजाब सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। अगर यही सिलसिला बना रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब एक बार फिर खालिस्तान के खाडकू वहां अपना राज काम कायम के लिए सक्रिय हो जाएंगे। फिर बाहरी ताकतों की साजिश का रोना रोने से काम नहीं चलेगा।

लापरवाही : बालगृह में मासूमों की मौत!

मनोज कुमार अग्रवाल

लखनऊ स्थित राजकीय बाल गृह में पांच दिनों में चार बच्चियों की मौत कई सवाल पीछे छोड़ गई है । आशंका है कि बाल गृह में उचित देखभाल न होने से बच्चों को ठंड लग गई जिससे उनकी मौत हो गई। गुरुवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी जांच टीम के साथ पहुंचे, तो उनको कई सारी अनियमितता व खामियां मिलीं। हालांकि अभी तक मौतों की सही वजह पता नहीं चल सकी है। मामले में बाल गृह अधीक्षक को निलंबित कर दिया गया है। मजिस्ट्रियल जांच के भी आदेश दिए गए हैं। अभी भी बाल गृह में दो महीने की एक बच्ची वेंटिलेटर पर है। आप को बता दें कि लखनऊ बाल-गृह में पांच दिन में चार बच्चियों की मौत हो गई है बताया गया है कि यहां मासूम दूधमुही बच्चियों को ठंड से बचाने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए थे अब इन बच्चियों की मौत की मजिस्ट्रियल जांच का फरमान जारी किया गया है । यहां यह भी गौर तलब है कि बालगृह में वह नवजात लाए जाते हैं जो दुर्भाग्य वश अपनी जननी की गोद खो चुके हैं ऐसी स्थिति में पहले से ही अपने जन्मदाता या परिस्थितियों के जुल्म का शिकार बने इन मासूमों को सरकारी व्यवस्था भी पर्याप्त हिफाजत दे पाने में

नाकाम रहती है तो यह इन नौनिहालों पर दोहरी मार है। लखनऊ में हाल ही में राजकीय बाल गृह में पांच दिनों में चार बच्चियों की मौत का मामला बेहद संवेदनशील है चारों मृतक बच्चियां नवजात शिशु अवस्था की है और यह ऐसी बच्चियां है जिन्हें लावारिस अथवा गुमशुदा अनाथ हालत में रेस्क्यू कर इस बालगृह के हवाले बेहतर देखभाल व परवरिश के लिए सौंपा गया था लेकिन अफसोस की बात है कि चार बच्चियां दिवंगत हो गयीं । आशंका व्यक्त की जा रही है कि इन को ठंड लगी जिसके कारण निमोनिया बन गया और बच्चियां दुनिया छोड़ गई। जाहिर है कि बाल गृह में उचित देखभाल न होने से बच्चों को ठंड लग गई जिससे उनकी मौत हो गई ऐसी बच्चियों को जिनके पैदा करने वालों ने ही अन्याय कर अनाथ बना कर छोड़ दिया उन्हें सरकारी बालगृह में जिस रखरखाव की जरूरत थी वह नहीं मिला। एक साथ एक

के बाद एक चार दूधमुही बच्चियों की मौत व्यवस्था में बड़ी खामी को बयान कर रही है । इन बीमार बच्चियों को इलाज के साथ एक मां के अंक से लिपट कर मिलने वाली शारीरिक ताप की जरूरत थी जो इन्हें नहीं मिली और ये दुनिया को अलविदा कह गयीं। सिविल अस्पताल के चीफ डॉ. आरपी सिंह के हवाले से बताया गया है कि 2 महीने की बच्ची मून वेंटिलेटर पर है। उसका वजन दो किलो है। दो किलो का बच्चा बेहद कमजोर होता है। बच्ची को जब अस्पताल लाया गया था, तब बच्ची की हालत गंभीर थी। लेकिन, इस समय बच्चे का इलाज चल रहा है। वेंटिलेटर पर बच्ची की हालत स्थिर है। बच्ची पीडियाट्रिक विभाग में डॉक्टरों की निगरानी में है।

बाल संरक्षण आयोग के सदस्य अनीता अग्रवाल के अनुसार बाल गृह की अंतरा, लक्ष्मी, आयुषी व दीपा की मौत हो चुकी है, जबकि मून का इलाज चल रहा है। इसके अलावा मंगलवार को ही प्रयागराज में एक और बच्ची को रेस्क्यू कर यहां लाया गया । बच्ची का इलाज पहले संजय गांधी पीजी आइ में चल रहा था अब लोकबंधु अस्पताल में चल रहा है। बच्ची के पिछले हिस्से में एक बड़ा घाव है। बाल गृह की जांच के लिए पहुंची मुख्य चिकित्सा अधिकारी की टीम का दावा है कि मासूमों को ठंड से बचाने के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। दिसंबर-जनवरी में उचित देखभाल न होने से बच्चे ठंड की चपेट में आ गए।

उन्हें निमोनिया हो गया।इसके सिविल अस्पताल प्रशासन का भी कहना है कि बच्चे गंभीर हालत में लाए गए थे। डीपीओ विकास सिंह ने पोस्टमॉर्टम करवाने के साथ मजिस्ट्रियल जांच का आदेश दिया है।सवाल यह है कि चार बच्चियों की मौत के बाद जांच के लिए कवायद कर रहे सीएमओ व अन्य जिम्मेदार आला अधिकारियों ने क्या पहले समय समय पर इस बालगृह की व्यवस्थाओं की कभी सुध ली थी? क्यों हमारे प्रशासनिक अधिकारी हादसों के बाद ही जागते हैं?

अब बाल गृह अधीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए तत्काल रिपोर्ट मांगी गई । बाल गृह की व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए दिनेश रावत को प्रभारी बनाया गया है। मामले में बाल गृह प्रबंधन का कहना है कि बच्चियां गंभीर हालत में बाल गृह लाई गई थीं।बाल गृह अधीक्षक किंशुक त्रिपाठी को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। उधर बालगृह के अधीक्षक के अनुसार इलाज के स्तर पर बाल गृह से लापरवाही नहीं हुई है। बच्चों के बीमार होने पर उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचा कर इलाज करवाया गया। हालांकि बच्चे क्यों नहीं बच पा रहे हैं, यह तो डॉक्टर ही बता सकेंगे। फिर भी बाल गृह में किस स्तर पर लापरवाही हुई है, इसकी जांच कर दोषियों पर कार्रवाई होगी।

मिली जानकारी के अनुसार बाल गृह में जब अंतरा को लाया गया था, तब वह 10 से 15 दिन की थी। उसकी मौत 10 फरवरी को हुई। इससे पहले वह 19 से 28 जनवरी भर्ती थी। डिस्चार्ज होकर आने के बाद तबीयत बिगड़ने पर उसे फिर भर्ती कराया गया था। दिसंबर में बाल गृह लाई गई करीब 15 दिन की लक्ष्मी की तभी से तबीयत खराब चल रही थी। इस बीच उसका इलाज होता रहा।23 जनवरी को दोबारा बुखार आने पर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। 11 फरवरी को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। आयुषी भी दिसंबर में लाई गई थी, तब वह 16 दिन की थी। वजन कम होने पर उसे केजीएमयू और सिविल अस्पताल में दिखाया गया। आठ फरवरी की सुबह डॉक्टर ने फिर उसकी जांच की। रात को तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया।उसे सांस लेने में तकलीफ हो रही थी।

12 फरवरी को उसने दम तोड़ दिया। इसी तरह दिसंबर में जब दीपा लाई गई, तब वह 20 दिन की थी। उसे निमोनिया था। इस बीच थैलेसीमिया होने का भी पता चला। कई बार उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।23 जनवरी को बुखार आने पर एडमिट कराया गया। मंगलवार को उसकी भी मौत हो गई। वहीं चार-पांच दिन पहले आए डेढ़ महीने की बच्ची मून की बोनमैरो जांच करवाई गई है। उसकी प्लेटलेट्स लगातार कम हो रही थी।

पर्यावरण के प्रति हम अपनी बंद आंखों को खोलें

सुनील कुमार महला

हाल ही में एक्सडीआई यानी कि 'क्रॉस डिपेंडेंसी इनीशिएटिव' ने जलवायु परिवर्तन को लेकर एक रिपोर्ट जारी की है। इसमें जलवायु परिवर्तन के 'हैजार्डस' यानी कि खतरों से अवगत कराया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत के 9 राज्यों समेत दुनियाभर के 2,600 राज्यों व प्रांतों पर जलवायु परिवर्तन का बड़ा खतरा मंडरा रहा है। रिपोर्ट के आंकड़ें निश्चित तौर पर मानवजाति को चिंता में डालते हैं। यह अत्यंत ही गंभीर व संवेदनशील है कि भारत के 9 राज्यों पर बाढ़, जंगलों की आग, हीटवेव, समुद्र सतह के बढ़ने और लू जैसे गंभीर खतरे मंडरा रहे हैं। बताया गया है कि शीर्ष पचास में भारत के बिहार, उत्तर प्रदेश, असम,राजस्थान, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब और केरल जैसे राज्य शामिल हैं। वर्ष 2050 तक विश्व के पचास राज्यों में भारत के नौ राज्यों को जलवायु परिवर्तन के लिहाज से अत्यंत संवेदनशील बताया गया है। जो सूची जारी की गई है उसमें अस्सी प्रतिशत राज्य भारत,चीन और अमेरिका के हैं। पाकिस्तान पर भी इस रिपोर्ट में बड़ा खतरा बताया गया है। चीन के सत्ताइस प्रांतों के बाद सर्वाधिक नौ राज्य भारत से ही हैं।

इसमें अमेरिका के पांच, इंडोनेशिया और ब्राजील के तीन-तीन और पाकिस्तान के दो तथा अफगानिस्तान के एक राज्य को शामिल किया गया है। यहाँ जानकारी देता चलूं कि यह पहली बार है जब दुनिया के हर राज्य, प्रांत और क्षेत्र की तुलना में विशेष रूप से निर्मित एनवायरमेंट पर केंद्रित भौतिक जलवायु जोखिम का इस प्रकार से बड़ा विश्लेषण किया गया है। बताता चलूं कि एक्सडीआई द्वारा दुनिया के 2600 राज्यों, प्रांतों, क्षेत्रों को इस रिपोर्ट में कवर किया गया है। क्रॉस डिपेंडेंसी इनिशिएटिव की रिपोर्ट की मानें तो साल 2050 में 200 में से 114 जोखिम वाले प्रांत एशिया के ही हैं। सबसे ज्यादा खतरा चीन,भारत व अमेरिका को है।दस सबसे ज्यादा खतरे वाले इलाकों में नौ चीन के हैं।शियांगजू और शांगडोंग जैसे शहर जो कि चीन के सबसे बड़े आर्थिक केंद्र हैं, को गंभीर खतरा बताया गया है। एक ही देश के सबसे ज्यादा खतरे वाली जगहों में चीन सबसे ऊपर है जबकि अमेरिका दूसरे नंबर पर है। रिपोर्ट में फ्लोरिडा को दसवें नंबर पर बताया गया है। इस रिपोर्ट में सरकारों द्वारा कार्बन उत्सर्जन को रोकने के लिए फौरन कदम उठाने की जरूरत बताते हुए कहा गया है कि खतरे वाले क्षेत्रों को बाढ़ के लिए सुरक्षा जैसे उपाय भी करने होंगे।

जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले आर्थिक नुकसान को भी बर्बादी का एक बड़ा खतरा बताया गया है। आज कार्बन के अत्यधिक उत्सर्जन से हमारे पर्यावरण का लगातार सत्यानाश हो रहा है और वर्ष 1990 की तुलना में लगभग धरती का तापमान यदि तीन डिग्री सेल्सियस तक बढ़ता है तो हमें इसमें कमी लाने के प्रयास करने होंगे और इसे 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रोकना होगा।

जानकारी देता चलूं कि इस रिपोर्ट में मानव गतिविधियों और घरों से लेकर इमारतों तक यानी मानव निर्मित पर्यावरण को जलवायु परिवर्तन व मौसम के चरम हालात से नुकसान के पूर्वानुमान का प्रयास हुआ है। इसी आधार पर रैंकिंग की गई है। आज मनुष्य अपने स्वार्थ और लालच के चलते हर कहीं मनमाकिफ कंक्रीट की दीवारें खड़ी कर रहा है, उसे पर्यावरण से कोई विशेष सरोकार नहीं रह गया है। मनुष्य ने अपनी जरूरतों के अनुसार पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में न रखते हुए अंधाधुंध रूप से मकान, भवन,इमारतें, हवाई अड्डे, रेलवे स्टेशन, मंदिर, मस्जिद, गुरूद्वारा,पुल,सुरंग, अस्पताल आदि का निर्माण किया है।

शहरीकरण में तेजी से इजाफा हुआ है। गांव भी अब शहर बनते चले जा रहे हैं। कुल मिलाकर यह बात कही जा सकती है कि आज जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण मनुष्य ही है। जंगलों की लगातार अंधाधुंध कटाई, धरती का अंधाधुंध तरीके से दोहन का प्रभाव हमारे देश की जलवायु, वातावरण, पारिस्थितिकीय तंत्र पर पड़ा है। आज बढ़ते औधोगीकरण, विकास व तकनीक के बीच प्रदूषण में लगातार बढ़ोतरी होती चली जा रही है। धरती पर ग्रीन हाउस गैसों में काफी इजाफा हुआ है, लेकिन उस अनुरूप प्रदूषण को रोकने के उपाय नाकाफी ही हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण आज लगातार रेगिस्तानों में इजाफा हो रहा है। जल संसाधनों में कमी आई है।

मानव केवल और केवल अपनी प्रगति व विकास चाहता है और वह अपनी जीवनशैली को और अधिक उन्नत बनाने की दिशा में लगातार क्रियाशील है लेकिन पर्यावरण पर उसका ध्यान बहुत कम ही है। वह अपने स्वार्थ के चलते प्राकृतिक संसाधनों, संपत्तियों का लगातार अविवेकपूर्ण तरीके से दोहन करने में रत है। ऊर्जा के लिए आज मानव लगातार कोयले का उपयोग कर रहा है। लगभग 35 % से लेकर 40 % तक ऊर्जा की ज़रूरत मानव कोयले से करता है। कोयले को जलाने से उसमें से बहुत अधिक मात्रा में कार्बन मुक्त होता है यह कार्बन पृथ्वी का तापमान बड़ने का मुख्य कारण है। पृथ्वी को सूर्य से जो ऊर्जा मिलती है उसमें से कुछ ऊर्जा पृथ्वी वापस सौर मंडल में भेजती है कार्बन और अन्य कुछ गैस मिलकर उस उष्णता को पृथ्वी से बाहर जाने नहीं देते। यही कारण है कि आज पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ रहा है।

गई भैंस पानी में

रेखा शाह आरबी

दुनिया में कुछ लोगों की किस्मत बहुत अच्छी होती है और वहीं पर कुछ लोगों की किस्मत उन्हें धूल फांकने पर मजबूर करती है । कुछ लोग लोहे को भी छूते हैं तो सोना हो जाता है और कुछ लोग सोने को छू ले तो लोहा हो जाता है। अपनी-अपनी किस्मत अपना अपना भाग्य.. मैं भी इसी दुनिया की प्राणी हूं मुझे ऐसा लगता है ...सबकी किस्मत भगवान ने सोने के कलम से लिखा और मेरे बार उन्होंने नरकट का कलम उठा लिया । अब भगवान तो भगवान है भगवान पर सवाल कौन उठा सकता है ! और क्यों उठाना है ! जरूर मेरे ही कर्म कांडों में कुछ घपला और घोटाला रहा होगा.. हालांकि मैं सुधारने की बहुत कोशिश करती हूं लेकिन अफसोस इस बात का होता है कि मेरे लाख प्रयत्न करने के बाद भी हमेशा मेरी ही भैंस जा कर पानी में बैठ जाती है मेरे पास मेहनत रूपी लाठी भी है फिर भी पता नहीं क्यों मेरी भैंस हमेशा दगा दे जाती है।

मैं उससे हमेशा कहती हूं अरे बैठना है तो जाकर कुतुब मीनार पर बैठ... ताकि सारी दुनिया पर नजर रख सकते, संसद में बैठ ...अपने देश के महानुभाव सारे वही बैठते हैं और कुछ उनसे जीवन जीने के तरीके सीख कर आजा.. थोड़ा जीवन जीना आसान हो जाएगा ..! इंडिया गेट पर जाकर बैठ जा.. और दो चार सेल्फी खींच कर ले कर आ जा.. सोशल मीडिया पर लगाकर थोड़ा इतराऊंगी .. चांद पर जा कर बैठ जा.. ताकि मुझे भी अपनी जिंदगी में कुछ गर्व महसूस हो और मैं भी कह सकूं कि मैंने अंतरिक्ष की यात्रा की है लेकिन यह मेरी ख्याली बिरयानी है जिसे बनाना भी खुद है खाना भी खुद है और जबरदस्ती स्वाद भी लेना है। लेकिन मेरे चाहने और नहीं चाहने से कुछ नहीं होने वाला उसे तो जाकर कीचड़ में सराबोर होना है कई कई बार मैं सोच में पड़ जाती हूं ..अब आगे और क्या ?अब क्या?

और मैंने सुना है ...स्त्री को नैहर से भैंस को ढेहर से निकलने में समय लगता है स्त्री के बारे में तो यह बात सही है कि उन्हें तैयार सिंगार पटार करने में बहुत ज्यादा समय लगता है लेकिन इसे कौन सा लाली लिपस्टिक लगाना है इसीलिए अब यह मान चुकी हूं ..चाहे मैं भैंस के आगे कितनी भी बीन बजाऊ ..भैंस खड़ी होकर पगुराएगी ही .. इसीलिए खुद ही मानना पड़ा की मैं कितना भी छान पगहा तुडा लु... होना वही है जो राम रचि राखा.. और भला रामजी किसी का बुरा क्यों चाहेंगे रामजी तो सबके हैं। जिस तरह मेरी भैंस महारानी को कीचड़ से बाहर निकलने में समय लगता है उससे तो मुझे कभी-कभी शंका आशंका होती है कहीं ऐसा तो नहीं अपोजिशन वालों ने इसे चोरी चुपके हरा चारा खिलाया है अपने देश में खाने और खिलाने की परंपरा बहुत समृद्ध है ..पर भैंस महारानी इस देश की अर्थव्यवस्था चाहे जो कोई भले चलाता हो मेरे घर की अर्थव्यवस्था तो तुम्हारे कारण ही चलती है और ऐसी गैर जिम्मेदाराना हरकत तुम्हें भला क्या शोभा देती है! तुम्हारे कारण लोग मुझ पर सवाल उठा रहे हैं कि मैं तुम्हारी परवाह नहीं करती ..मैं तुम्हारा ख्याल नहीं रखती.. तुम्हारे सुख-दुख में सांझी नहीं हूं.. यह सब अफवाह की बातें हैं और अफवाह गलत होती है।

चाहे तुम्हारा मन कीचड़ में बैठने का करें चाहे पानी में जाने का मन करें लेकिन ऐसा नहीं करना जैसे पाकिस्तान की भैंस पानी में चली गई है निकलने का नाम ही नहीं ले रही.. और उन्हें गधों के भरोसे जिंदा रहना पड़ रहा है और हम भारत देश के वासी हैं हमें गधों के भरोसे गधा नहीं बनना है।

बस मरता एक बार है...

डॉ. सुरेश कुमार

एक मास्टर जी जिंदगी भर पढ़ाने के लिए तरसते रहे। त र स ते - तरसते इस दुनिया को अलविदा कह गए। मरते समय उन्होंने एक चिट्ठी लिखी थी। वही उनकी अंतिम निशानी और इच्छा थी। उसमें उन्होंने लिखा मैं जब मर जाऊँ तो नाक के पास अंगुली लगाकर एक बार देख लेना कि कहीं जीवित तो नहीं हूँ। हाँ यह सब जेब देखने के बाद भी कर सकते हो। मतलब के बाद ही बेमतलब की चीज़ें करने में समझदारी समझी जाती हैं। मेरी सांसें मोहताज थी किसी की, उसे लेने में कोई शर्म नहीं है और न मुझे देने में। हाँ जेब की चीज़ें खुद से नहीं दे सकता। एटीएम कार्ड पड़ा है। निकाल लेना। तुरंत जाकर पिन – एक तेरह सात दबा देना। वहीं से तुम्हारा मेरा साथ खत्म हो जाएगा। मुझे पैसों की चिंता नहीं है। चिंता तो मेरी चिता की है। एक अंतिम इच्छा है। हो सके तो पूरा कर देना।

मेरे शव को दफनाते समय कफ़न की बजाय पुराने नोटबुक के कागज, पत्र-पत्रिका के पन्नों से मुझे ओढ़ा देना। कम से कम पढ़ने-लिखने के काम तो आयेंगे। कपड़े का क्या है। चिता को छू जाए तो कफन बन जाता है और जीते जी किसी भूखे-नंगे के बदन को ढक दे तो लाज बनकर शान बन जाता है। कम से कम इसी बहाने जाते-जाते कुछ बच्चों को मुस्कुराने का अवसर तो दूँगा। मैं न मुस्कुरा सका तो क्या हुआ, दुनिया में लाखों रुलाने वालों की तरह मैं उनकी गिनती में शामिल होने से बच जाऊँगा। यही एक पुण्य काफी है इस पापी दुनिया से बच बचाकर निकलने का। मुझे मिट्टी में मत दफनाना। वहाँ बड़ी घुटन होगी। जब तक जमीन पर था अधिकारियों की इसी घुटन का शिकार हुआ। अब सांसे तो क्या घुटना भी घुटने के लिए तैयार नहीं है। मिट्टी में कीड़े-मकौड़े होते हैं। यह धीरेःधीरे शरीर खा जाते हैं। यह उनकी आदत है, जबकि अधिकारियों की इनके विपरीत जल्दी-जल्दी खाने की होती है। इस मामले में कीड़े-मकौड़े बेहतर हैं।

हो सके तो शव के साथ एक बस्ता धर देना जिसमें पेंसिल, रबड़, छिलनी के साथ-साथ ऐनक भी हो। सबसे जरूरी मोबाइल रखना बिल्कुल मत भूलना। हो सके तो एक साल का रिचार्ज करवा देना। वरना उबिया जाऊँगा। मैं आप लोगों के हाथ जोड़ता हूँ और पैर पड़ता हूँ कि मुझ पर फूल माला पहनाने की गलती भूल से भी मत करना। जीते जी जितनी फूलमालाएँ पहनीं सब की सब स्वार्थियों ने अपने स्वार्थ साधने के लिए पहनायीं। ये फूलमालाएँ कब से इन स्वार्थियों के बिचौलिए बन गए, पता ही नहीं चला। इनसे तो घिन्न आने लगी है। हाँ मुझे तिलक लगाने जैसे दकियानूसी ढोंगों से बचा लेना। जीते जी इतने तिलक लगा चुका हूँ कि दुनिया को मास्टर कम बलि का बकरा ज्यादा लगा हूँ।

आंवला एकादशी और रंगभरी 3 मार्च को

3 मार्च को फाल्गुन महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि है। इस दिन रंगभरी और आमलकी एकादशी व्रत किया जाएगा। जिसमें भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण के साथ आंवले के पेड़ की भी पूजा की जाएगी। इसी दिन से ब्रज में होली का त्योहार शुरू हो जाता है। रंगभरी एकादशी के दिन श्रीकृष्ण मंदिरों में अबीर-गुलाल और फूलों की होली खेली जाती है।

मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु की पूजा के साथ आंवले के पेड़ की पूजा करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। सांसारिक सुख और मोक्ष भी मिलता है। यही वजह है कि इस तिथि को आमलकी एकादशी भी कहते हैं।

आंवला, केसर या हल्दी के दान से मिलेगा पुण्य
भगवान विष्णु को पीला रंग बेहद पसंद है इसलिए इस दिन पीले रंग के कपड़े पहनने से व्रत का पूरा फल मिलता है। इस एकादशी पर केला, केसर या हल्दी का दान करना उत्तम माना जाता है। साथ ही आंवले का दान भी करना चाहिए। इन चीजों के दान से पुण्य फल मिलता है।

गंगा और आंवले के जल से स्नान का विधान
शास्त्रों के नियम के अनुसार संभव हो तो एकादशी के दिन गंगा स्नान भी करना चाहिए। इससे सभी पाप खत्म हो जाते हैं। गंगा नदी में स्नान न कर पाएं तो इस दिन नहाने के पानी में गंगाजल की 5 बूंदे मिलाकर नहाने से भी तीर्थ स्नान का पूरा फल मिलता है।

मान्यता है कि आमलकी एकादशी पर आंवले का उबटन लगाना चाहिए। साथ ही आवंले के जल से नहाना चाहिए। इस दिन आंवले के पेड़ के नीचे बैठकर भगवान विष्णु की पूजा करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

बिहार के इस मंदिर में 109 वर्षो से लगातार जल रही अखंड ज्योति

राजधानी में गोलघर स्थित श्री अखंडवासिनी मंदिर अपने आप में एक अद्भुत पहेली है। यह मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का बड़ा केंद्र है। आम दिनों की अपेक्षा नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मंदिर परिसर में उमड़ती है। यहां मां दुर्गा अखंडवासिनी माता के रूप में विराजमान है। बीते 109 वर्षो से मंदिर में घी और तेल का अखंड दीपक लगातार जल रहा है। ऐसी मान्यता है कि यहां आने वाले भक्तों की सारी मनोकामना मां दुर्गा पूर्ण करती हैं।
मंदिर परिसर में मां काली की प्रतिमा के साथ माता बगलामुखी की भी एक प्रतिमा स्थापित है। यह पटना के शक्तिस्थल के रूप में माना जाता है। मंदिर के पुजारी विशाल तिवारी ने बताया कि भक्त अपनी मनोकामना पूर्ण करने हेतु मां को सात हल्दी, नौ लाल फूल, सिंदूर अर्पित करते है। यहां प्रत्येक दिन तीनों पहर मां की आरती होती है। वहीं हर मंगलवार को भक्तों की भीड़ खूब उमड़ती है।
कामाख्या मंदिर से लाया गया था अखंड दीप
मंदिर के पुजारी विशाल तिवारी बताते है कि पटना का यह पहला मंदिर होगा, जहां तीन पीढ़ियों से एक ही परिवार के लोग मां की सेवा में लगा हुआ है । तिवारी आगे बताते है कि उनके दादा आयुर्वेदाचार्य डॉ. विश्वनाथ तिवारी 1914 में इस अखंड दीपक को शक्तिपीठ कामाख्या मंदिर से पटना लेकर आए थे। उस समय से खंडवासिनी मंदिर में दो अखंड दीप निरंतर जलता आ रहा है। तिवारी का कहना है कि यहां पर जो भी भक्त सच्चे मन से अपनी मनोकामना लेकर आते है, मां उसकी मनोकामना जरूर पूरी करती हैं।

होलिका दहन पर की गईं ये गलतियां बना देती हैं कंगाल

हिंदू धर्म का प्रमुख पर्व होली आने में अब कुछ ही दिन और बचे हुए है। रंगों का पर्व होली इस साल 8 मार्च को देशभर में धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। लेकिन होली एक दिन पहले यानी की 7 मार्च को होलिका दहन की पूजा की जाती है जिसे महत्वपूर्ण माना गया है।

शास्त्रों में होलिका दहन को लेकर कई नियम बताए गए है जिनका अगर पालन किया जाए तो जातक को लाभ की प्राप्ति होती है लेकिन अगर कोई इसकी अनदेखी करता है तो उसे समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। मान्यता है कि होलिका दहन के दिन कुछ ऐसे कार्य है जिन्हें नहीं करना चाहिए वरना अमीर से अमीर व्यक्ति भी कंगाल हो जाता है और उसे जीवन में समस्याओं का सामना करना पड़ता है, तो आज हम आपको उन्हीं के बारे में बता रहे है।

होलिका दहन पर न करें ये काम
होली से एक दिन पहले पड़ने वाली होलिका दहन पर लोग उपले और सूख हुए पेड़ की लकड़ियों को एकत्रित करके उन्हें होलिका दहन की आग में जलाते है साथ ही इस दिन भगवान नृसिंह और प्रहलाद की पूजा भी करते है। लेकिन होलिका दहन के दिन भूलकर भी न तो किसी को उधार पैसा देना चाहिए और ना ही किसी से उधार लेना चाहिए ऐसा करने से आर्थिक परेशानियां जीवन में बढ़ने लगती है।

होली पर '50 करोड़' रुपये खर्च करते थे अवध के ये नवाब

रंगों का त्योहार होली अब बस कुछ ही दूर है। लखनऊ में इस त्यौहार को बेहद धूमधाम से मनाया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि लखनऊ के नवाब होली कैसे मनाते थे। तो आपको बता दें कि नवाब भी होली को धूमधाम से मनाते थे। हिंदू मुस्लिम दोनों मिलकर इस त्योहार पर जश्न मनाते थे। लेकिन सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि अवध के चौथे नवाब आसफुद्दौला होली पर करीब पांच लाख रुपए खर्च करते थे।

नवाब आसफुद्दौला 1775 से लेकर 1797 तक अवध के नवाब रहे। उन्होंने 22 साल तक शासन किया और सबसे खास बात यह है कि करीब 22 साल के अपने शासन में उन्होंने हर साल होली के त्योहार पर पांच लाख रुपए खर्च किए।

होली के त्योहार को धूमधाम से मनाना
अब बात करें कि नवाब होली कैसे मनाते थे तो लखनऊ में जब नवाब आसफुद्दौला 1775 में आए तो उन्होंने होली के त्योहार को बेहद धूमधाम से मनाना शुरू कर दिया। देश के कई बड़े इतिहासकार अपनी किताबों में यह लिखते हैं कि नवाब आसफुद्दौला होली और पूरे फाल्गुन महीने में करीब पांच लाख रुपये खर्च करते थे। सभी बेगम होली गीत गाती थीं। यही नहीं, सभी नवाब और बेगम मिलकर कई तरह की ड्रेस पहनते थे और घर में ही बने हुए अलग-अलग रंगों से होली खेलते थे। नवाबों के वक्त में पूरा शहर जश्न मनाता था।

सआदत अली खान ने भी खेली होली
इतिहास डॉ। रवि भट्ट ने बताया कि नवाब आसफुद्दौला के बाद अवध के छठवें नवाब सआदत अली खान भी होली खेलते थे और खूब जश्न मनाते थे। इमामबाड़े के परिसर में भी नवाबों ने होली खेली है। यही नहीं रूमी गेट जो कि लखनऊ की सिग्नेचर बिल्डिंग कही जाती है यहां पर नवाब आम जनता के साथ भी रंगों का त्योहार मनाते थे।

आखिर क्यों नई नवेली दुल्हनें ससुराल में नहीं मनाती पहली होली

हिंदू धर्म में वैसे तो कई सारे पर्व त्योहार मनाए जाते है लेकिन इन सभी में होली और दिवाली को प्रमुख माना गया है। होली का त्योहार आने में अब कुछ ही दिन और बचे हुए है इस साल रंगों का पर्व होली 8 मार्च को देशभर में धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। इससे पहले होलिका दहन 7 मार्च को किया जाएगा।
सनातन धर्म में पर्व त्योहारों को लेकर कई सारे रीति रिवाज़ है जिसमें एक ऐसा रिवाज शामिल है कि नई नवेली दुल्हन विवाह के बाद अपनी पहली होली ससुराल नहीं बल्कि मायके में मनाती है, ऐसे में अधिकतर लोगों के मन में ये प्रश्न उठता है कि आखिर नई दुल्हनें ससुराल में पहली होली क्यों नहीं मनाती है अगर आप भी इस प्रश्न का उत्तर जानने के इच्छुक है तो आपको हमारा ये पूरा लेख पढ़ना होगा।
सनानत परंपरा और मान्यताओं के अनुसार नई नवेली दुल्हनों का ससुराल में पहली होली खेलना या देखना अच्छा नहीं माना जाता है। साथ ही यह भी कहा जाता है कि अगर बहू और सास एक साथ होलिका दहन देखती है।
तो इससे उनके रिश्तों में कड़वाहट आने का खतरा बना रहता है साथ ही इस धर्म में एक रिवाज ये भी है कि पहली होली दामाद अपने ससुराल में ही पत्नी के साथ मनाता है मान्यता है कि ऐसा करने से ससुराल पक्ष के लोगों के साथ दुल्हन के अच्छे रिश्ते बनते है ओर रिश्तों में मधुरता भी आती है। साथ ही साथ वैवाहिक जीवन भी सुखद बना रहता है।

वास्तु

इन दिशाओं में भूलकर भी न रखें दवाएं

स्वास्थ्यं सर्वार्थसाधनम्' कहते हैं, स्वस्थ रहना परम नियति है। लेकिन आजकल असमय खानापान, गलत लाइफस्टइल के कारण कम उम्र में ही लोगों बड़ी-बड़ी बीमारियों का शिकार हो जाते हैं और लाख कोशिश करने के बाद भी जड़ से ठीक नहीं होते हैं, अच्छे इलाज कराने के बावजूद दवाएं असर नहीं करती है। अगर आपके साथ भी ऐसी परेशानी आ रही है,तो इसका मात्र एक कारण है, वो है आपके घर का वास्तु दोष। वास्तु शास्त्र के अनुसार, सूर्य की किरण और दिशाओं का भी विशेष महत्व होता है। वहीं दवाओं जको रखने के लिए भी खास दिशा के बारे में बताया गया है। अगर आप दवा को गलत दिशा में रखते हैं, तो आपके जीवन में नकारात्मक असर पड़ता है और व्यक्ति कभी निरोग नहीं रहता है। इन दिशाओं में भूलकर भी न रखें दवाएं।

1. वास्तु शास्त्र में घर की दक्षिण-पूर्व दिशा में दवाएं भूलकर भी नहीं रखना चाहिए। यहां दवा रखने से आपको लंबी बीमारी का सामना करना पड़ सकता है और आपको शारीरिक और आर्थिक नुकसान भी हो सकता है।
2. कुछ लोग दवाएं कहीं पर भी रख देते हैं या फिर एक फर्स्ट एड बॉक्स रख देते हैं।
3. दवाओं को कभी अपने बिस्तर के पास या फिर सिरहाने गलती से भी नहीं रखना चाहिए। इससे राहु-केतु का गलत प्रभाव पड़ता है।
4. उत्तर या फिर पश्चिम दिशा में दवाएं रखने से बचना चाहिए। इससे बीमारी के गंभीर होने का डर होता है और व्यक्ति को कई प्रकार की परेशानियां झेलनी पड़ जाती है। इस दिशा में रखनी चाहिए दवाइयां घर की उत्तर पूर्व दिशा को बेहद शुभ माना जाता है। जिसे ईशानकोण दिशा कहा जाता है। इसलिए इस दिशा में दवाएं रखें या फिर घर का फर्स्ट एड बॉक्स भी इसी दिशा में रखना ठीक होता है।

फैन ने किया मृणाल ठाकुर को शादी के लिए प्रपोज

एक्ट्रेस ने रिएक्ट करते हुए लिखा- मेरी तरफ से न है

बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो कैमरे में अलग-अलग पोज देती हुई नजर आ रही हैं। इस स्लो-मोशन वीडियो में मृणाल अपनी ज्वेलरी फ्लॉन्ट करती हुई भी दिखाई दे रही हैं। वहीं बैकग्राउंड में तमिल सॉन्ग चल रहा है। इस वीडियो को शेयर करते हुए मृणाल ने लिखा, 'मुझे ये क्यूट लगा। बाद में डिलीट हो सकता है।'

अब मृणाल के इस खूबसूरत वीडियो को देख उनके एक फैन ने उन्हें शादी के लिए प्रपोज कर दिया है। फैन ने लिखा, 'मेरी तरफ से रिश्ता पक्का।' फैन के इस मजेदार कमेंट को देखने के बाद मृणाल ने रिएक्ट करते हुए लिखा, 'मेरी तरफ से न है।' इस वीडियो पर सोनी राजदान और ईशा गुप्ता ने भी जमकर प्यार लुटाया है।

मृणाल ठाकुर एक्ट्रेस और मॉडल हैं। उन्होंने कई फिल्मों के साथ-साथ टेलीविजन शोज में भी काम किया है। मृणाल के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वो अगली बार ईशान खट्टर के साथ 'पीपा' में दिखाई देंगी। इसके अलावा वो आदित्य रॉय कपूर के साथ 'गुमराह' का भी हिस्सा हैं।

'वो घंटों खेत में काम करती हैं': फोटो शेयर कर कंगना ने बॉलीवुड पर साधा निशाना, बोलीं- मेरा एटीड्यूड मेरी फैमिली से आया है

एक्ट्रेस कंगना रनोट सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। अब हाल ही में उन्होंने ट्विटर हैंडल पर मां आशा रनोट की तस्वीर शेयर की है, साथ ही उन्होंने मां के लिए बेहद इमोशनल पोस्ट लिखा है। फोटो शेयर करते हुए कंगना ने बताया कि उनकी मां आज भी खेत में 7-8 घंटे तक काम करती हैं और मेहमानों को खुद चाय और खाना बनाकर देती हैं।

कंगना बताती हैं कि अगर उन्हें लग्जरी लाइफ देने की कोशिश करो तो वो डांट देती हैं। मां के लिए लिखा गया कंगना का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर बेहद सुर्खियों में है। फैंस उनके डाउन टू अर्थ नेचर की तारीफ कर रहे हैं।

मेरी माता जी रोज 7-8 घंटे खेती करती हैं- कंगना

कंगना ने अपनी मां की एक फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की है, जिसमें वो किसी साधारण महिला की खेत में काम करते हुए नजर आ रही हैं। कंगना ने कैप्शन में लिखा- 'ये मेरी माता जी हैं, रोज 7-8 घंटे खेती करती हैं। अक्सर घर पर लोग आते हैं और उनसे कहते हैं कि हमें कंगना की मम्मी से मिलना है। वो बड़े ही शांत स्वभाव से हाथ धोकर उन्हें चाय पानी देकर करती हैं, मैं ही उनकी मां हूं। मेहमानों की आंखें फटी की फटी रह जाती हैं। वो हैरान हो जाते हैं और पैर पड़ जाते हैं।'

क्वीन कंगना आगे कहती हैं- 'एक बार मैंने कहा इतने लोग घर पर आते हैं, क्या जरूरत है सबको खुद चाय-खाना बनाकर देने की। इस पर उन्होंने कहा- नहीं बेटा, जो आपको इतना चाहते हैं, हमारा सौभाग्य है कि हम उनकी सेवा करते हैं।'

कंगना ने आगे लिखा- 'धन्या हैं मेरी माता जी और उनका चरित्र। बस एक ही शिकायत है, वो फिल्म सेट पर नहीं आना चाहती है। बाहर खाना नहीं खाना चाहती हैं, सिर्फ घर पर ही खाना खाएंगे। वो मुंबई में नहीं रहना चाहती हैं, विदेश नहीं जाना चाहती हैं और अगर हम कभी फोर्स करते हैं तो जबरदस्त डांट पड़ती है। इनके चरणों में रहें भी तो कैसे रहें।'

अगले ट्वीट में कंगना ने बताया कि मां उनकी वजह से अमीर नहीं हैं, बल्कि ये सब कुछ उनके पास पहले से ही था। उन्होंने लिखा- 'कृपया ध्यान दें, मां मेरी वजह से अमीर नहीं हुई है, बल्कि सब कुछ उनके पास पहले से ही था।

कंगना आगे लिखती हैं- 'मैं पॉलिटिशियन, ब्यूरोक्रेट्स और बिजनेसमैन के परिवार से आती हूं। मॉम 25 सालों से टीचर हैं, फिल्म माफिया को समझना चाहिए कि मेरा एटीट्यूड कहां से आता है और मैं उनकी तरह शादियों में डांस और घटिया चीजें क्यों नहीं करती।'

बॉलीवुड माफिया ने मुझे जेल भेजने की कोशिश की- कंगना

बॉलीवुड पर निशाना साधते हुए कंगना ने आगे लिखा- भिखारी फिल्म माफिया ने मेरे एटीट्यूड को मेरा एरोगेंस कहा। क्योंकि मैं दूसरी लड़कियों की तरह हंसने, आइटम नंबर नहीं करने, शादियों में नाचने, रात को बुलाए जाने पर हीरो के कमरों में जाने से साफ मना कर दिया। इस कारण उन्होंने मुझे पागल करार दिया, मुझे जेल भेजने की कोशिश की।'

मैंने सब कुछ गिरवी रखकर फिल्म बनाई है- कंगना

फिल्म इमरजेंसी के बारे में बात करते हुए कंगना ने लिखा- 'खुद को सुधारने की जगह बॉलीवुड माफिया मुझे सुधारने चले हैं, लेकिन चक्कर ये हैं कि मुझे अपने लिए कुछ भी नहीं चाहिए।

मैंने अभी अपना सब गिरवी रखकर एक फिल्म बनाई है।' बॉलीवुड पर तंज कसते हुए कंगना ने लिखा- 'रक्षसों का सफाया होगा, तब मुझे कोई ब्लेम नहीं करेगा।'

दादा साहेब फाल्के के नाम पर फर्जी अवॉर्ड्स का गोरखधंधा

नाम में फेरबदल कर सरकार से बच जाते हैं आयोजक, दादा साहेब के सगे-संबंधी भी जताते हैं नाराजगी

भारतीय सिनेमा जगत के पितामह धुंडिराज गोविंद फाल्के के नाम पर इंडस्ट्री में फर्जी पुरस्कार समारोह का बड़ा बाजार है। सीबीएफसी की मेंबर रहीं वाणी त्रिपाठी टिक्कू से लेकर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधिकारी इस पर ऐतराज जाहिर करते रहें हैं। हालांकि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय कानूनी तौर पर इन फर्जी पुरस्कार समारोहों के खिलाफ कोई भी कदम उठाने की स्थिति में नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि इन अवॉर्ड्स का आयोजन करने वाले निजी संस्था अवॉर्ड के नाम में थोड़ी बहुत तब्दीली कर बच निकलते हैं। खास बात ये है कि इन अवॉर्ड्स में बॉलीवुड के फेमस सेलिब्रिटी भी शिरकत करते हैं।

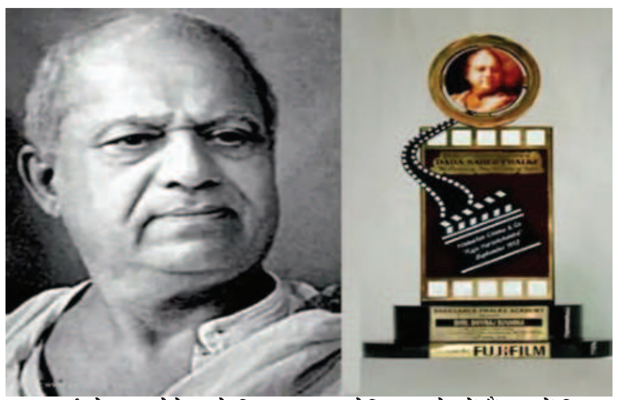

हाल ही में 'दादा साहेब फाल्के इंटरनेशनल अवॉर्ड' का आयोजन हुआ। हैरत की बात रही कि उस समारोह में वरुण धवन, आलिया भट्ट, अनुपम खेर, विवेक अग्ननिहोत्री जैसे प्रतिष्ठित नाम ने शिरकत की। लेकिन इस नाम से जो वास्तविक अवॉर्ड है वो 1969 में शुरू किया था। इसे भारत सरकार के सूचना मंत्रालय द्वारा सिनेमा में अभूतपूर्व योगदान देने वाले दिग्गज लोगों को दिया जाता है। वाणी त्रिपाठी टिक्कू तो वैसे ही निजी समारोहों की खिलाफत करती रही हैं। खुद दादा साहेब फाल्के के सगे संबंधी भी इन अवॉर्ड्स का विरोध करते आए हैं। हालांकि इसके बावजूद भी निजी संस्थाएं नाम में फेरबदस कर ऐसे अवॉर्ड-फंक्शन आयोजित कर रहें हैं।

25 साल पुरानी संस्था दादा साहेब फिल्म फाउंडेशन के प्रेसिडेंट अशफाक खोपकर के शब्दों में, 'हम तो दो दशकों से यह अवॉर्ड आयोजित करते रहें हैं। हम दादा साहेब फाल्के के जन्मदिन पर यह आयोजित करते रहें हैं। इसमें फिल्म निर्माण से जुड़ी सभी 32 यूनियनों से नाम आते हैं, फिर ज्युरी मेंबर तय करते हैं और पुरस्कार देते हैं। हमारे यहां से शाहरुख खान, अमिताभ बच्चन जैसे बड़े नाम भी सम्मानित हो चुके हैं। रहा सवाल हमारे पुरस्कार समारोहों के विश्वसनीयता का तो इसमें 32 यूनियनों के पदाधिकारी डिजर्व करने वाले एक्टर्स या टेक्नीशियन को सम्मानित करते हैं। सरकार की ओर से तो एक ही इंसान को दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड दिया जाता है, जबकि फिल्म निर्माण में सैकड़ों लोगों का योगदान होता है। ऐसे में वो भी तो इस सम्मान के हकदार हैं। लिहाजा उनके सम्मान का काम हम करते हैं।'

ऑल इंडिया सिने वर्कर्स के प्रेसिडेंट गोरक्ष धोत्रे बताते हैं, 'अकेले महाराष्ट्र में दादा साहेब के नाम पर आधा दर्जन अवॉर्ड समारोह आयोजित होते रहते हैं। इन्हें हम फर्जी न पुकारें। इन्हें हम ओरिजिनल की फर्स्ट कॉपी कह सकते हैं। श्री दादा साहेब फाल्के फिल्म एंड टेलीविजन अवॉर्ड और दादा साहेब फाल्के फिल्म आयकॉन ऑर्गनाइजेशन जैसे मिलते-जुलते नाम से ऐसे कई अवॉर्ड्स हैं।असली तो वही अवॉर्ड है, जो सरकार साल में एक बार देती है। बाकी तो सब दादा साहेब के नाम पर अपनी दुकानदारी चला रहें हैं।'

स्पॉन्सर्स से निकल जाती है ऐसे अवॉर्ड फंक्शन की लागत

गोरक्ष आगे कहते हैं, 'ऐसे एक आयोजन 20 लाख से लेकर करोड़ों रुपए खर्च कर आयोजित होते हैं। उसकी लागत बड़े स्पॉन्सर्स से निकल जाती है। सेलिब्रेटीज को भी कहने के लिए हो जाता है कि उन्होंने अपने करियर में दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड भी जीता है।

63 साल की उम्र में संजय दत्त ने किया इटेंस वर्कआउट वीडियो देख फैंस बोले- लगे रहो मुन्ना भाई

63 साल के संजय दत्त बॉलीवुड में बेहतरीन एक्टिंग के अलावा अपनी फिटनेस को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। इसी बीच संजू बाबा ने सोशल मीडिया पर अपना एक वर्कआउट वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह इंटेंस वर्कआउट करते हुए दिखाई दें रहे हैं। इस वीडियो को देख फैंस काफी खुश हुए।

कहा- 'हर दिन मजबूत'

इस वीडियो में संजय ब्लैक ब्लैक जिम वियर में एक्सरसाइज करते हुए दिखाई दें रहे हैं। इस दौरान बाबा के साथ उनका ट्रेनर नजर आ रहा है। वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'हर दिन मजबूत', 'हैशटैग दत्तस् द वे'। अब संजू बाबा के फैंस उनका ये वीडियो देख उनसे काफी इंस्पायर हो रहे हैं, और इसी के साथ बाबा की तारीफ भी कर रहे हैं। एक यूजर ने इस वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा,' इन्होंने साबित कर दिया है कि उम्र सिर्फ एक नंबर होती है' तो वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, 'लगे रहो मुन्ना भाई'। इनके अलावा तमाम यूजर्स बाबा के इस वीडियो पर अपना रिएक्शन दें रहे हैं।

बता दें, संजय दत्त की फिल्म मुन्नाभाई एमबीबीएस 3 इसी साल रिलीज होने वाली है। इस बात की जानकारी खुद संजू बाबा ने सोशल मीडिया के जरिए दी थी। फिल्म में एक बार फिर संजय दत्त और अरशद वारसी की जोड़ी देखने को मिलेगी। इसके अलावा संजू बाबा पिछले साल, सुपरहिट फिल्म केजीएफः चैप्टर 2 में नजर आए थे। इसके अलावा संजय ने रणबीर कपूर और वाणी कपूर की फिल्म शमशेरा में क्रूर सिंह का रोल प्ले किया था।

बायोपिक की अफवाहों के बीच क्रिकेट खेलते नजर आए गांगुली-रणबीर

ईडन गार्डन पर हुए फ्रेंडली मैच में लिया हिस्सा, दादा ने कहा- रणबीर की खून में है एक्टिंग

ऐसी खबर आई थीं कि रणबीर कपूर टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की बायोपिक में उनकी भूमिका निभाते नजर आएंगे। हालांकि बाद में ये एक अफवाह निकली। अब हाल ही में दोनों को एक साथ क्रिकेट खेलते देखा गया है। रणबीर और गांगुली एक साथ देश के फेमस क्रिकेट स्टेडियम ईडन गार्डन में फ्रेंडली मैच खेलते नजर आए। इस मौके पर सौरव गांगुली ने रणबीर की जमकर तारीफ की है। सौरव गांगुली ने कहा है कि वो रणबीर के फैन हैं और उनकी सभी फिल्में देखते हैं।

रणबीर के खून में एक्टिंग है- सौरव

सौरव गांगुली ने रणबीर कपूर की तारीफ में कहा, 'मैं रणबीर की तारीफ इसलिए नहीं कर रहा क्योंकि वो यहां मौजूद हैं। वो बहुत अच्छे एक्टर हैं, उनके खून में एक्टिंग है। मैंने उनकी सारी फिल्में देखी है, यहां तक कि पिछली फिल्म ब्रह्मास्त्र भी देखी थी। मैं उनकी अगली फिल्म तू झूठी मैं मक्कार भी देखूंगा। मैं उनको आने वाले समय के लिए शुभकामनाएं देना चाहता हूं।'

रणबीर की फैमिली में सभी शानदार एक्टर्स हैं..

सौरव गांगुली ने कपूर फैमिली की तारीफ की। उन्होंने कहा, रणबीर एक फेमस और प्रतिभाशाली परिवार से आते हैं। उनके पिता, मां, वो खुद और अब उनकी पत्नी सभी शानदार कलाकार हैं। एक्टिंग इस परिवार के जीन में है। एक्टिंग कोई स्पोर्ट्स नहीं है कि जो एक समय के बाद आकर रुक जाती है। वो (रणबीर) चाहे तो अपनी एक्टिंग की बदौलत पूरी दुनिया को हमेशा एंटरटेन कर सकते हैं।

सिर्फ रणबीर की वजह से फिल्में याद रहती हैं- सौरव

जब सौरव से पूछा गया कि उन्हें रणबीर कपूर की सबसे अच्छी फिल्म कौन सी लगती है तो उन्होंने 'बर्फी' का नाम लिया। गांगुली का कहना है रणबीर ने इस फिल्म में शानदार काम किया था। इसके अलावा उन्होंने रणबीर और दीपिका की सुपरहिट फिल्म 'ये जवानी है दीवानी' का भी नाम लिया। सौरव ने कहा, कई ऐसी फिल्में हैं जिसका नाम सिर्फ रणबीर की वजह से याद रहता है। मैं किसी भी फिल्म को उसके बॉक्स ऑफिस नंबर्स से नहीं आंकता। फिल्म कितना कमा रही है या कितने दिन थिएटर्स में चल रही है, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझे यकीन है ऑडियंस को रणबीर और श्रद्धा की एक्टिंग पसंद आएगी।

पुराने चॉकलेटी बॉय वाली में इमेज में लौटेंगे रणबीर

रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर स्टारर फिल्म तू झूठी मैं मक्कार 8 मार्च को रिलीज हो रही है। इस फिल्म के जरिए रणबीर काफी समय बाद एक प्रॉपर रोमांटिक फिल्म कर रहे हैं। फिल्म का डायरेक्शन लव रंजन ने किया है। इस फिल्म के जरिए श्रद्धा कपूर भी काफी दिनों बाद वापसी कर रही हैं। दर्शकों को पहली बार रणबीर और श्रद्धा की जोड़ी देखने को मिलेगी। रणबीर इसके अलावा फिल्म एनिमल में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ रश्मिका मंदाना, बॉबी देओल, अनिल कपूर, तृप्ति डिमरी और शक्ति कपूर भी दिखाई देंगे।

अदिति राव हैदरी ने बॉयफ्रेंड सिद्धार्थ संग किया जबरदस्त डांस : वीडियो देख लोगों ने लगाए शादी के कयास

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ अपने रिश्ते की वजह से अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में अदिति और सिद्धार्थ ने सोशल मीडिया पर एक खास वीडियो शेयर की है, जिसमें वो दोनों एक साथ डांस करते हुए नजर आ रहे हैं।

इस वीडियो को शेयर कर अदिति ने कैप्शन में लिखा, 'डांस-मंकीज- द रील डील'। इसमें अदिति और सिद्धार्थ तमिल फिल्म 'एनिमी' के हिट सॉन्ग 'तुम तुम' पर परफॉर्म करते हुए दिखाई दे रहे हैं। अब दोनों को इस शादी वाले सॉन्ग पर डांस करते देख फैंस जल्द उनकी शादी के कयास लगा रहे हैं। सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि लग रहा है कि वो अपनी शादी में इसी गाने पर डांस करने वाले हैं। वहीं कुछ का कहना है कि वो जल्द बड़ी अनाउंसमेंट करने वाले हैं। कई लोग दोनों के डांस मूव्स की तारीफ कर रहे हैं। पिछले साल अदिति के 36वें बर्थडे पर सिद्धार्थ ने उनके साथ एक अनदेखी फोटो शेयर कर अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था। हालांकि अदिति ने इस पर कोई रिएक्ट नहीं किया था। अदिति और सिद्धार्थ फिल्म 'महा समुद्रम' में एक साथ नजर आए थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म के सेट पर ही दोनों की दोस्ती हुई और एक दूसरे के करीब आ गए। हालांकि दोनों ने कभी अपने रिश्ते को लेकर कुछ नहीं कहा। दोनों की ये जोड़ी भले ही बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा सकी, लेकिन दोनों को साथ में फैंस खूब पसंद करते हैं। आपको बता दें अदिति की पहले एक्टर सत्यदीप मिश्रा से शादी हुई थी। हाल ही में उन्होंने फैशन डिजाइनर मसाबा से दूसरी शादी की है।

धनश्री वर्मा मालदीव में कर रहीं छुट्टियां एंजॉय : फैंस को दिखाई रोमांटिक वेकेशन की झलक

इंडियन क्रिकेटर युजवेंद्र चहल इन दिनों अपनी पत्नी धनश्री वर्मा के साथ मालदीव में छुट्टियां एंजॉय कर रहे हैं। अब हाल ही में धनश्री ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर फैंस को इस रोमांटिक वेकेशन की झलक दिखाई है। इस वीडियो में युजवेंद्र और धनश्री के साथ-साथ कुछ और लोग भी नजर आ रहे हैं। वहीं वो युजवेंद्र के साथ डांस करती हुए भी दिखाई दे रही हैं। धनश्री के डांस मूव्स की फैंस भी खूब तारीफ कर रहे हैं। जहां एक ने लिखा, 'धनश्री जितनी सुंदर हैं, उतना ही अच्छा डांस करती हैं।' वहीं कुछ का कहना है कि युजवेंद्र चहल और धनश्री एक साथ बहुत अच्छे लगते हैं।

घर के नियम बनाने से पहले बेटियों से चर्चा करें, फैसलों में अगुआई करने दें

2015 में कनाडाई सिंगर जेसन ब्लेन का 'डांस विद माय डॉटर' गाना रिलीज हुआ था। इस गाने की लिरिक्स के एक हिस्से के हिंदी अनुवाद के मुताबिक, दुनिया का सबसे बड़ा तोहफा है एक नई जन्मी बच्ची। ऐसा लगता है भगवान ने उसे मेरे हाथों में रखकर खुद को मौका दिया है।₹ भारत में भी सितंबर महीने के आखिरी रविवार को बेटियों का दिन मनाया जाता है। घर को संभालने में बेटी का योगदान बहुत बड़ा होता है। मां की गैरमौजूदगी में बेटी घर संभालती है, तो पिता के न होने पर कमाने भी जाती है।

घर की बेटी जब बड़ी होने लगे तो मां-बाप को चिंता होना लाजमी है, लेकिन अगर चीजों का ध्यान रखा जाए, तो यह काम इतना मुश्किल भी नहीं है। भविष्य की चिंता करने से पहले पैरेंट्स को बेटी के बड़े होने की प्रक्रिया का ध्यान रखना जरूरी होता है। कुछ टिप्स जो रिश्ते को और मजबूत बनाने में मदद कर सकती हैं।

*** ठीक तरह से बातों को सुनें**

आमतौर पर पैरेंट्स बेटी को सलाह देते हैं। नए दौर में कोशिश होनी चाहिए कि बेटी के साथ बैठकर चर्चा हो और पैरेंट्स उन्हें फैसला लेने में मार्गदर्शन करें। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, पैरेंट्स को सुनने की आदत डालनी चाहिए, न कि हर वक्त लेक्चर देने की। बेटियों के हाथ में पहले से तैयार समाधान देने के बजाय परेशानियों के बारे में मिलकर चर्चा करें। ऐसे में वे आपके साथ भविष्य की परेशानियों को लेकर बिना संकोच के खुलकर बात कर सकेंगी। इसके अलावा उनके अंदर बड़े फैसले लेने और गंभीरता से सोचने का हुनर तैयार होगा।

*** नियम में बांधें नहीं, चर्चा करें**

बेटियों को खुलकर जीने देने की सोच रखना बेहतर है, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि नियमों को एकदम हटा दिया जाए। नियमों को तय करते वक्त भी आपस में बातचीत की

गुंजाइश होती है। किसी भी तरह की पाबंदी लगाने से पहले बच्चों को यह बताने का मौका जरूर दें कि वे अपने लिए किन चीजों को जरूरी समझते हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, बड़ी हो रही बेटियों का अपनी बाउंड्रीज को टेस्ट करना आम बात है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें आपके मार्गदर्शन की जरूरत नहीं है।

*** तारीफ करें**

आमतौर पर जब बेटियां बड़ी हो रही होती हैं, तो मां उनके साथ निजी तौर चर्चा करना शुरू कर देती हैं और पिता पीछे हट जाते हैं। जबकि, ऐसा नहीं होना चाहिए, क्योंकि बेटियों को माता-पिता दोनों से पॉजिटिव फीडबैक की जरूरत होती है, खासतौर से टीनएज में। बेटी को यह बताएं कि आप उसपर गर्व करते हैं। उनकी अक्लमंदी, सोच की तारीफ करें और आत्मविश्वास तैयार करने में मदद करें।

*** बेटियों को अगुवाई करने दें**

बच्चियों के साथ जुड़ने के लिए पैरेंट्स को उनकी पसंद के बारे में जानना जरूरी हो जाता है। जब भी बात परिवार के साथ अच्छा वक्त बिताने की बात आए तो बेटियों को फैसला करने दें। इससे आप उन्हें अहसास दिला सकेंगे कि आपको उनकी पसंद की चिंता है और आप उनके साथ मिलकर चीजों का मजा लेना चाहते हैं।

*** साथी बनें**

कई बार होता है कि बेटियां परेशानियों का सामना कर रही होती हैं, लेकिन पैरेंट्स उन्हें सलाह नहीं दे पाते। ऐसे में गुस्सा न हों, बल्कि उन्हें बताएं कि आप उनके साथ हैं। अगर वो यौन उत्पीड़न या बाहर किसी तरह का स्ट्रगल कर रही हैं तो उनकी बात को न ही कम समझें और न ही दबाने की कोशिश करें। इसके बजाए उनकी बातों को सुनें और सहज महसूस कराएं। बेटियों को बताएं कि आप उनकी बातों को गंभीरता से ले रहे हैं और किसी भी वक्त उनकी मन की बातों को सुनने के लिए तैयार हैं।

*** भाषा का ध्यान रखें**

बेटी के सामने किसी भी महिला को लेकर जब भी बात करें तो भाषा का खास ध्यान रखें। बेटियां अपने पिता के व्यवहार से ही इस बात का पता लगाती हैं कि पुरुषों को रिलेशन में कैसे बर्ताव करना चाहिए। अगर आप उनके सामने किसी और महिला के लिए गलत भाषा का इस्तेमाल करेंगे तो वे चिंतित हो जाएंगी। बातचीत के दौरान महिलाओं के सम्मान की बात करें। यह बेटियों को यह अहसास दिलाने का सबसे अच्छा तरीका है कि लड़कियां स्मार्ट होती हैं।

*** गंभीर मुद्दों पर ध्यान से चर्चा करें**

जब भी बात किसी गंभीर मुद्दे पर चर्चा की आए तो सीधे नियमों की घोषणा न करें। बेटियों को चर्चा में लीड करने दें। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, पैरेंट्स के मन में चर्चा को अपने हिसाब से चलाने की इच्छा हो सकती है, लेकिन आपको यह सोचना होगा कि बातचीत को कहां ले जा रहे हैं? हो सकता है कि आप बेटी को असहज महसूस करा दें और वह दोबारा आपसे इस तरह के किसी मुद्दे पर बात करने में संकोच करे। बेटी की बात को ध्यान से सुनें और उन्हें यह अहसास दिलाएं अगर वे चाहें तो घर में किसी से भी बात कर सकती हैं, लेकिन अगर उन्हें आपकी जरूरत है तो आप मौजूद रहेंगे।

*** सबसे ज्यादा जरूरी चीज का ध्यान रखें**

बेटियों को यह यकीन दिलाएं कि किसी भी हालात में आपका प्यार उनके लिए कम नहीं होगा। बेटी को यह महसूस कराएं कि वह आपके लिए कितनी जरूरी है। इससे उनके मन में आत्मविश्वास बढ़ेगा और उन्हें उनकी कीमत का पता लगेगा। भले ही आप उनके किसी फैसले को पसंद नहीं करते, लेकिन बेटियों को यह बताते रहें कि आप उन्हें कितना प्यार करते हैं।

घर वाले सुनना चाहते हैं आपसे खुशखबरी और आप तैयार नहीं, ऐसे मनाएं परिवार को

जितनी तेजी से हमारी लाइफस्टाइल बदल रही है, उतनी तेजी से लोगों की सोच बदल पाना मुश्किल है। हमारे यहां आज भी शादी के महीने, दो महीने बाद रिश्तेदारों द्वारा पूछा जाने वाला सबसे आम सवाल होता है 'और गुड न्यूज कब सुना रही हो?' ये दबाव हर बीतते समय के साथ बढ़ता चला जाता है। बहू चाहे होममेकर हो या वर्किंग, इन दोनों ही स्थिति में सवाल यही रहते हैं। अगर आप ऐसे किसी सवाल से परेशान हो रही हैं, कुछ जरूरी टिप्स, जिससे आप ऐसे सवाल से इरिटेट होने की जगह इसका सामना कर सकेंगी।

एक बहु अपनी सास के ऐसे ही सवालों से परेशान थी और दिक्कत इतनी बढ़ गई कि एक ही घर में रहते हुए उनकी अपनी सास का सामना करने से कतराती थीं। किसी काम के लिए तभी जातीं, जब सासू मां कमरे में हो। रोज-रोज की खींचातान से परेशान होकर जब वो लाइफ कोच के पास पहुंची, तब पीयूष ने उन्हें कुछ खास बिंदुओं पर परिवार के साथ बैठकर बात करने की सलाह दी और बात बन गई। वे आगे कहती हैं कि 'गुड न्यूज' से जुड़े सवाल-जवाब का ये मसला तब और बढ़ जाता है, जब हम एक-दूसरे से बचते हैं।

'गुड न्यूज' के सवाल पर अपने जवाब से जीतिए परिवार का दिल

बेबी बर्थ से पहले होना है फाइनेंशियली स्ट्रांग - अगर आप जॉब करती हैं, तो परिवार को ये बताइए कि फैमिली प्लान करने से पहले माता-पिता का फाइनेंशियली मजबूत होना जरूरी है। इससे पेरेंट्स पर आर्थिक दबाव कम होगा और मां पर जॉब में जल्दी लौटने का प्रेशर नहीं होगा।

अपनी बात परिवार के बीच रखें -

घर की बुजुर्ग महिला से अपनी सोच साझा करें, उन्हें समझाएं कि फैमिली प्लान करने के पीछे आप एक अच्छा व सुरक्षित इरादा रखती हैं। पति के साथ टाइम स्पेंड करना, करियर को लेकर एक सोची समझी प्लानिंग आगे चलकर पेरेंटिंग में मददगार होती है।

परिवार के मन की बात सुनें -

लाइफ कोच पीयूष कहती हैं कि हर मुद्दे पर लड़ाई नहीं की जाती। बड़े-बुजुर्गों की बात सुनें और उनसे उलझने के बजाय अपने मन की बात शेयर करें और उन्हें कहें आप उन्हें वक्त से खुशखबरी जरूर सुनाएंगी। ये सारी बातचीत हल्के-फुल्के खुशनुमा माहौल में सुनाएं।

तनाव लेकर खुद को न करें कमजोर

इन सवालों से स्ट्रेस न लें, क्योंकि इसका असर आपके करियर, रिश्ते और मेंटल हेल्थ पर भी पड़ेगा। ये स्ट्रेस अब तक की आपकी प्लानिंग को बिगाड़ सकता है और आपको मानसिक तौर पर कमजोर करेगा।

इंडियन फैमिली में यही सोचा

समझा जाता है कि परिवार कि बच्चे के आने के बाद मियां-बीवी के आपस में होने वाली खटपट कम हो जाती है, क्योंकि दोनों बच्चे से जुड़ जाते हैं। सास को लगता है कि बच्चे के आने से परिवार सिक्योर हो जाता है, इसलिए वह सही हैं, जबकि बहू को लगता है कि उसका फैसला सही है, मजेदार बात ये है कि दोनों अपनी जगह सही होती हैं। इसका अहसास तब होता है, जब हम सामने वाले के नजरिए से परिस्थिति समझने की कोशिश करते हैं, इसलिए परिवार के साथ आपसी ताल-मेल बिठाएं, जिससे आप गुड न्यूज गुड टाइम पर ही दें।

पति-पत्नी के रिश्ते को और ज्यादा मजबूत बनाता है झगड़ा

पति-पत्नी के बीच का रिश्ता बेहद खास होता है। इस रिश्ते में किसी तीसरे के बीच में आने की कोई गुंजाइश नहीं होती। पर, कई बार ऐसा होता है कि पति-पत्नी के हमारी फिक्र नहीं है। पर, जब लड़ाई होती है उसके बाद जब आपका पार्टनर आपकी केयर करता है तो इससे आपका दिल भी पिघल जाता है।

बीच होने वाले झगड़े को लोग काफी गलत तरीके से ले लेते हैं। जबकि उनके बीच होने वाला झगड़ा उनके बीच के रिश्ते को और ज्यादा मजबूत बनाता है। जी हां, सही पढ़ा आपने। वैसे तो बड़े बुजुर्ग कहा करते हैं कि पति-पत्नी को आपस में लड़ना नहीं चाहते, इससे रिश्ता कमजोर होता है पर, ऐसा नहीं है।

असल जिंदगी में अगर आपके और आपके पार्टनर बीच झगड़ा होता है तो इससे आपका रिश्ता और ज्यादा मजबूत हो जाता है। इतना ही नहीं कई बार तो लड़ाई

के बाद आपस में और ज्यादा प्यार बढ़ता है। बस आपको इस बात का ध्यान रखना है कि ये झगड़ा ज्यादा बढ़े नहीं क्योंकि ज्यादा झगड़ा बढ़ने से चीजें बिगड़ सकती हैं।

दिखती है एक-दूसरे की केयर

लड़ाई के वक्त हम अक्सर एक दूसरे को कह देते हैं कि आपको

बाहर आती है दिल की बात

कई बार गुस्से में हम वो बोल देते हैं तो शायद नॉर्मल रहते हुए नहीं बोल पाते। पति-पत्नी के रिश्ते में अक्सर लोग लड़ाई से बचने के लिए बातों को मन में रखते हैं। इससे चीजें और खराब हो जाती हैं। झगड़े के वक्त मन की बाते बाहर आती हैं, जिससे रिश्ता और मजबूत होता है।

बढ़ता है भरोसा

जब पति-पत्नी के बीच झगड़ा होता है और लड़ाई शांत होने का बाद जब वो बात करते हैं, और चीजों को सुलझाते हैं तो इससे उनके बीच भरोसा बढ़ता है।

झगड़े में सामने आता है असली व्यवहार

झगड़े में इंसान का असली व्यवहार सामने आता है। इससे लोगों की अनफिल्टर्ड भावनाएं भी सामने आती हैं, जो पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत बनाते हैं।

घर पर फेशियल करते समय रखें इन बातों का ध्यान, ग्लो करेगा चेहरा

अपने प्यार का इजहार और अपने पार्टनर को उसके खास होने का एहसास दिलाने के लिए लड़कियां और महिलाएं भी कई दिन पहले से ही खूबसूरत दिखने के लिए पार्लर जाती हैं और हजारों रुपये खर्च करती हैं। पर, कई लड़कियां पैसों की कमी की वजह से पार्लर नहीं जा पातीं।

ऐसे में आज हम आपको घर में ही कम पैसों में फेशियल करने का सही तरीका बताएंगे। इसके लिए आपको ज्यादा पैसा खर्च करने की जरूरत भी नहीं होगी। इस तरह के फेशियल के लिए आपको बस गुलाब जल की जरूरत पड़ेगी। कुछ आसान स्टेप्स को फॉलो करके आप ग्लो पा सकती हैं। आइए अब देर ना करते हुए आपको फेशियल करने का तरीका बताते हैं।

सबसे पहले करें क्लींजिंग

फेशियल करने के सबसे पहले चेहरे को साफ करना काफी जरूरी होता है। क्लीजिंग का काम चेहरे पर जमा हुई धूल, पसीना और ऑयल को हटाना है। इसके लिए आप सबसे पहले एक बड़े चम्मच में गुलाब जल लेकर इसमें ग्लिसरीन की कुछ बूंदें डालें। अब इस कॉटन की मदद से चेहरे पर लगाकर फेस को साफ करें।

स्क्रब है दूसरा स्टेप

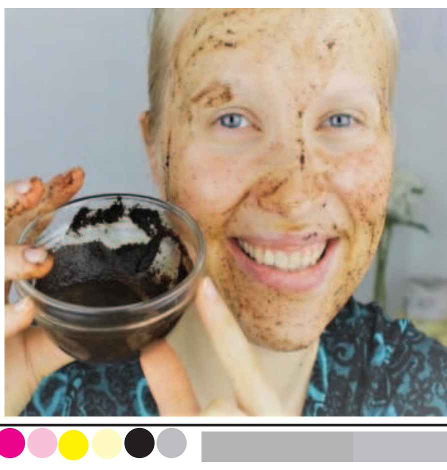

फेशियल करने के पहले चेहरे पर स्क्रब जरूर करें। इससे आपके फेस के डेड सेल्स खत्म हो जाएंगे और स्किन के पोर्स खुलेंगे। स्क्रब करने के लिए सबसे पहले गुलाब जल और चीनी को एक साथ मिलाकर हल्के हाथ से चेहरे पर मसाज करें। इससे आपके ब्लैक हेड्स भी हट जाएंगे।

मसाज से स्किन होगी सॉफ्ट

फेशियल का तीसरा स्टेप मसाज है। गुलाब जल से मसाज करने के लिए एक बाउल में शहद और गुलाब जल लेकर उसे अच्छे से मिलाएं। अब हल्के हाथों से इससे चेहरे पर मसाज करें।

अब लगाएं फेस पैक

अब सबसे आखिर में चेहरे पर फेस पैक लगाएं। इसके लिए गुलाब जल में थोड़ा सा बेसन मिलाएं। बेसन आपके चेहरे की टैनिंग को दूर करता है। इसके साथ ही स्किन ऑयल को कंट्रोल करता है। ये फेस पैक आपके चेहरे के पिंपल्स, दाग और निशान को कम करने में सहायक रहेगा।

डार्क सर्कल से छुटकारा पाने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

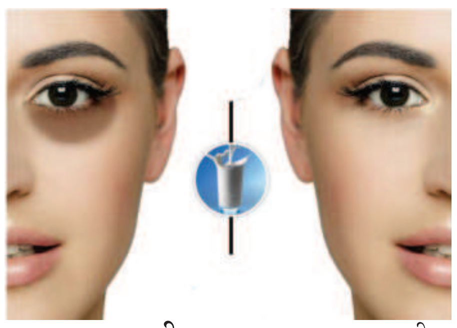

आज-कल की व्यस्त लाइफ स्टाइल का सीधा असर लोगों के शरीर पर दिखता है। व्यस्तता भरी जिंदगी में तनाव, नाइट शिफ्ट, नींद में कमी और कई अन्य कारणों की वजह से आंखों के नीचे काले घेरे होने लगते हैं। ये घेरे आपके चेहरे के ग्लो और खूबसूरती को कम कर देते हैं। कई मामलों में चश्मा लगाने की वजह से भी ये समस्या सामने आती है। महिलाएं डार्क सर्कल छिपाने के लिए मेकअप का इस्तेमाल करती हैं, पर जब ये ज्यादा होते हैं तो मेकअप से भी ये छिप नहीं पाते।

इसी के चलते आज हम आपको इन डार्क सर्कल से छुटकारा पाने के आसान तरीके बताने जा रहे हैं। दरअसल, आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलु नुस्खों के बारे में बताएंगे, जिनको अपनाकर आप अपने चेहरे के काले घेरों को खत्म कर सकते हैं। इसके लिए आपको महज कुछ ऐसी चीजों की जरूरत पड़ेगी जो आपकी रसोई में मिल जाएंगीं।

काले घेरों को हटाता है दूध

डार्क सर्कल हटाने के लिए आप ठंडे दूध का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले कॉटन बॉल को दूध में भिगो कर रखें। अब इस रुई को आंखों के नीचे वहां रखें, जहां काले घेरे हों। हर रोज दिन में दो बार ऐसा करने से आपके डार्क सर्कल पर असर दिखने लगेगा।

करें गुलाब जल का इस्तेमाल

डार्क सर्कल कम करने के लिए दूध के साथ गुलाब जल को बराबर मात्रा में मिलाएं। अब इसमें रूई डुबो कर उसे आंखों पर रखें। बीस मिनट बाद ताजे पानी से आंखें धो लें। हर रोज ऐसा करने से आपको जल्द असर दिखेगा।

बादाम का तेल है बेहद फायदेमंद

बादाम के तेल में ठंडे दूध को मिलाकर आप अगर डार्क सर्कल पर लगाएंगे तो इससे भी चेहरा साफ हो जाएगा। इसके लिए बादाम का तेल और दूध को एक साथ बराबर मात्रा में मिलाएं। अब इसमें भीगी हुई कॉटन बॉल्स को बीस मिनट के लिए आंखों पर रखें। फिर ठंडे पानी से धो लें।

आलू का रस है असरदार

डार्क सर्कल हटाने के लिए आलू का रस काफी असरदार होता है। इसके लिए सबसे पहले आलू को कद्दूकस कर लें। अब इसका रस निकाल लें। रुई की मदद से इसे आंखों के आस-पास लगाएं। अब साफ पानी से आंखों को धो लें। इससे भी आपको जल्द आराम मिलेगा।

भारत-यूरोपीय देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौता गेम चेंजर साबित होगा

विदेश मंत्री ने बताई अहमियत

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय विदेश मंत्री डॉ.एस जयशंकर ने मंगलवार को इंडिया यूरोप बिजनेस एंड सस्टेनेबिलिटी कॉन्कलेव के दौरान कहा कि भारत और यूरोपीय देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौता गेम चेंजर साबित होगा। विदेश मंत्री ने कहा कि स्थिरता लाने में बिजनेस की प्राथमिक भूमिका होती है। भारत और यूरोप बहुपक्षीय, भू-राजनैतिक और सुरक्षा चिंताओं में विश्वास रखते हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि यूरोप, भारत का सबसे बड़ा और अहम व्यापार साझेदार है। भारत की व्यापार समझौतों को लेकर नई सोच, गुणवत्ता, व्यापारिक बाधाओं से परे है। हमें उम्मीद है कि निकट भविष्य में भारत ही एकमात्र तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था रहेगी। डॉ. जयशंकर ने कहा कि जब ग्रीन ट्रांजिशन की बात आती है तो अक्षय ऊर्जा भारत और यूरोप के रिश्तों के लिए अहम है। हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने का भविष्य में फायदा मिलेगा। अक्षय ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के मामले में भारत का तीसरा स्थान है। बता दें कि इंडिया यूरोप बिजनेस एंड सस्टेनेबिलिटी कॉन्कलेव की मंगलवार से शुरुआत हुई है और यह एक मार्च 2023 तक चलेगा।

दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी बने एलन मस्क

15.4 लाख करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ अरनॉल्ट को पछाड़ा, मुकेश अंबानी लिस्ट में 10वें नंबर पर

वॉशिंगटन, 28 फरवरी (एजेंसियां)। टेस्ला के फाउंडर एलन मस्क ने फ्रांस के बर्नार्ड अरनॉल्ट को पीछे छोड़कर दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति की पोजीशन फिर से हासिल कर ली है। टेस्ला के शेयर 5.5% बढ़कर 207.63 डॉलर पर पहुंच गए है जिस कारण मस्क की नेटवर्थ बढ़ी है। ब्लूमबर्ग बिलेयनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, मस्क की कुल नेटवर्थ 187.1 बिलियन डॉलर (करीब 15.4 लाख करोड़ रुपए) हो गई है।

दुनिया के सबसे बड़े फैशन ग्रुप लुई वितॉ मोएट हेनेसी के सीईओ बर्नार्ड अरनॉल्ट की नेटवर्थ 185.3 बिलियन डॉलर (करीब 15.32 लाख करोड़ रुपए) है। अरनॉल्ट ने मस्क को दिसंबर के मिड में नंबर 1 की पोजीशन से हटाया था। तब से वो टॉप पर बने हुए थे। अरनॉल्ट को मॉडर्न लग्जरी फैशन इंडस्ट्री का गॉडफादर माना जाता है। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ही इकलौते भारतीय हैं जो बिलेनियर्स की टॉप टेन लिस्ट में शामिल हैं। अंबानी अमीरों की लिस्ट में 10वें नंबर पर हैं।

इस साल 90% बढ़ा टेस्ला का शेयर

इस साल टेस्ला के शेयर में 90% की बढ़ोतरी देखने को मिली है। जनवरी में शेयर की कीमत 108 डॉलर तक गिर गई थी। अब ये 207 डॉलर पर है। स्टॉक प्राइस डाउन होने के कारण साल की शुरुआत में मस्क की नेटवर्थ 137 बिलियन डालर (करीब 11.33 लाख करोड़ रुपए) थी। अक्टूबर 2022 में हुई ट्विटर डील के बाद से ही मस्क की नेटवर्थ में गिरावट देखी जा रही थी। 8 नवंबर को मस्क की नेटवर्थ 200 बिलियन डॉलर (16.5 लाख करोड़ रुपए) से नीचे आई गई थी।

2021 में मस्क की नेटवर्थ 27.95 लाख करोड़ रुपए थी

टेस्ला के शेयरों में तेजी के बाद नवंबर 2021 में मस्क दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी बने थे। उन्होंने अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस को पछाड़कर ये मुकाम हासिल किया था। 5 नवंबर 2021 को मस्क की नेटवर्थ 338 बिलियन डॉलर (करीब 27.95 लाख करोड़ रुपए) पर पहुंच गई थी। तब टेस्ला के एक शेयर की कीमत 400 डॉलर से ज्यादा थी।

टॉप 10 में भारत के मुकेश अंबानी

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ही इकलौते भारतीय है जो बिलेनियर्स की टॉप टेन लिस्ट में शामिल है। 81.1 बिलियन डॉलर (6.70 लाख करोड़ रुपए) की नेटवर्थ के साथ अंबानी 10वें नंबर पर है। लिस्ट में तीसरे नंबर पर जेफ बेजोस, चौथे पर बिल गेट्स और पांचवें पर वॉरेन बफे हैं। एक समय लिस्ट में तीसरे नंबर तक पहुंचने वाले भारतीय कारोबारी गौतम अडाणी 37.7 बिलियन डॉलर (करीब 3.11 लाख करोड़ रुपए) की नेटवर्थ के साथ 32वें नंबर पर है।

1 महीने में अमीरों की लिस्ट में 3 से 38वें नंबर पर पहुंचे गौतम अडानी

6.88 लाख करोड़ रुपये घट गई संपत्ति

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय उद्योगपति गौतम अदानी की मुश्किलें खत्म होती नजर नहीं आ रही हैं. अमेरिकी रिसर्च फर्म और शॉर्ट शेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद से अदानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट है. इसका असर गौतम अदानी की नेटवर्थ पर पड़ा है. दुनिया के टॉप अमीरों की लिस्ट में एक महीने में ही वे तीसरे स्थान से 38वें स्थान पर पहुंच गए हैं. एक महीने में गौतम अदानी की कुल संपत्ति 6.88 लाख करोड़ रुपये (85 बिलियन डॉलर) घट गई है. अब उनकी नेट वर्थ 33.4 अरब डॉलर रह गई है.

फोर्ब्स की रियलटाइम बिलीनियर्स इंडेक्स के अनुसार गौतम अदानी अमीरों की लिस्ट में 38वें स्थान पर पहुंच गए हैं. हिंडनबर्ग की रिपोर्ट 23 जनवरी को आई थी.

6500 करोड़ का कर्ज समय से पहले चुकाएगा अदाणी समूह, सिंगापुर में बताया रोडमैप

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने के बाद अदाणी समूह के शेयरों में बड़ी गिरावट आई है। अपनी क्रेडिट प्रोफाइल को सुधारने के लिए ग्रुप शेयरों को गिरवी रखकर लिए गए 5705 से 6532 करोड़ रुपये (69 से 79 करोड़ डॉलर) के कर्ज को समय से पहले चुकाने की योजना बना रहा है। माना जा रहा है कि कंपनी मार्च के महीने में ही इन कर्जों का समयपूर्व भुगतान कर सकती है।

श्री सीमेंट, डालमिया सीमेंट (भारत) कोयला खदानों के लिए सफल बोली लगाने वालों में शामिल

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। श्री सीमेंट और डालमिया सीमेंट (भारत) उन प्रमुख बोलीदाताओं में शामिल हैं, जिन्होंने सरकार द्वारा आयोजित कोयला खदानों की फॉरवर्ड ई-नीलामी के तहत बोलियां हासिल कीं। कुल 10 कोयला खदानों को अग्रिम नीलामी के लिए रखा गया था, जिनमें से श्री सीमेंट को छत्तीसगढ़ में दतिमा खदान मिली, जबकि डालमिया सीमेंट (भारत) ने मध्य प्रदेश में मांडला उत्तरी खदान हासिल की। सीजी नेचुरल रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड, रामा सीमेंट इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड और उड़ीसा मेटलर्जिकल इंडस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड कुछ अन्य सफल बोलीदाता थे।

कोयला मंत्रालय द्वारा 3 नवंबर, 2022 को जिन खदानों की व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए नीलामी शुरू की गई थी, उन खदानों की फॉरवर्ड ई-नीलामी का सोमवार को पहला दिन था। नीलामी के लिए रखी गई 10 खानों में से छह कोयला खदानों का पूरी तरह से अन्वेषण किया गया जबकि उनमें से चार का आंशिक रूप से अन्वेषण किया गया। इन 10 कोयला खदानों के लिए कुल भूगर्भीय भंडार 1,866 मिलियन टन है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ में	कुंभ -	05-44 बजे
चंद्र-	मिथुन में	मीन...	07-22 बजे
मंगल	वृष में	मेष--	08-58 बजे
बुध-	कुंभ में	वृष--	10-42 बजे
गुरु-	मीन में	मिथुन..	12-42 बजे
शुक्र-	मीन में	कर्क..	14-55 बजे
शनि-	कुंभ में	सिंह...	17-07 बजे
राहु-	मेष में	कन्या..	19-14 बजे
केतु-	तुला में	तुला..	21-20 बजे
		वृश्चिक.	23-31 बजे
		धनु.....	01-43 बजे
		मकर..	03-50 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत- 2079
शक संवत -1944, कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426878
कलियुग संवत -5123 वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत -1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885123
महावीर निर्वाण संवत -2549,हिजरी सन -1443
ऋतु-बसंत दिशाशूल- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकलें
तिथि- दशमी - 06 -39 पूर्ण है
मास - फाल्गुन शुक्ल पक्ष , बुधवार Mar 01
नक्षत्र -मृगशिरा - 09 -51 उपरान्त आर्द्रा
योग - प्रीति - 17 - 01 - तक उप आयुष्मान
करण- तैतिल -17 - 27 - तक उप- गर
विशेष:- सर्वार्थ सिद्ध योग- 07-06 से
व्रत -त्योहार - होलाष्टक

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:29 से 13:57 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	06:38 - 08:04 शुभ	उत्पात	18:18 - 19:53 अशुभ
अमृत	08:04 - 09:32 शुभ	शुभ.	19:53 - 21:25 शुभ
काल	09:32 - 11:00 अशुभ	अमृत	21:25 - 22:57 शुभ
शुभ.	11:00 - 12:29 शुभ	चंचल	22:57 - 00:28 शुभ
रोग	12:29 - 13:57 अशुभ	रोग	00:28 - 01:59 अशुभ
उत्पात	13:57 - 15:25 अशुभ	काल.	01:59 - 03:32 अशुभ
चंचल	15:25 - 16:53 शुभ	लाभ	03:32 - 05:03 शुभ
लाभ	16:53 - 18:18 शुभ	उत्पात	05:03 - 06:38 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): आप अपने आस पास बदलाव लाने के लिए उत्साह से भरे हैं लेकिन आपके लिए शांति से बैठकर यह सोचना अच्छा रहेगा कि क्या बदलाव की कोई जरुरत भी है ? अब जबकि आप अपनी परियोजनाओं को आगे बढाने की तैयारी कर रहे हैं,बेहतर होगा कि आप ये परियोजनाएं अपने लिए किसी और को चुनने दें आप आज दृढ निश्चय से भरे रहेंगे ।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आप आज सकारात्मक उर्जा से भरे हुए हैं हालाँकि आपका उद्देश्य अच्छा है परन्तु आपकी बातों का हर स्थान पर स्वागत नही होगा आपको अपनी प्रवृति का उपयोग अपने आप को ख़ुशी देने के लिए भी करना चाहिए और आज आप अपने ऊपर अच्छी खासी रकम खर्च कर सकते हैं जहां तक दूसरों के बारे में आपकी राय का सवाल है ,अपने ऊपर थोडा सा नियंत्रण रखें ।

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): आज आपका नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी आप आज तर्क के स्थान पर अपने दिल की आवाज और प्रवृति के आधार पर फैसले कर सकते हैं,लेकिन वे भी वित्त के मामले में लाभकारी ही साबित होंगे आप इन दिनों फैसले लेने में सबसे अधिक महत्ता अपने मन की आवाज को देते हैं ,लेकिन आपको भविष्य की बेहतरी के लिए वर्तमान समय में कुछ आरामों को छोड़ना होगा।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आज आप बहुत सृजनात्मक अनुभव करेंगे खूबसूरती की प्रशंसा के साथ साथ खुद भी कुछ खूबसरत चीज बनाना चाहेंगे दिन कलाकारों के लिए विशेष अच्छा है हालाँकि ,आज शुरू किये हुए कार्यों को आज ही पूरा कर लें क्योंकि अचानक आप विकर्षित सा अनुभव करने लगेंगे ,यह भावना काफी सामान्य है लेकिन आप इसके कारण बिना बात निराश सा अनुभव करेंगे।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यह आपके लिए अपने आप से किये हुए वादों और अपनी योजनाओं को अमल में लाने का बहुत अच्छा समय है नयी योजनायें भी जल्दी ही कामयाब होंगीं हालाँकि, दोस्तों के साथ मजे करने और थोड़े मनोरंजन के लिए भी अच्छा समय है इसीलिए शाम को सामाजिक गतिविधियों में भी शामिल होने की योजना बना सकते हैं अफवाहों से बचें और आनंद उठायें।

कन्या (टो पा पी पु ष ण ठ पे पो): आपके अफसर आपसे पुरानी रंजिश निकालने के लिए आपके काम में देर कर सकते हैं आप इसके कारण बहुत चिंता करेंगे,क्योकि इससे न केवल आपकी वर्त्तमान स्थिति बल्कि आगे आने वाली योजनायें भी प्रभावित होंगी इस समय अपनी घरेलू खुशियों के कारण खुश रहें क्योकि इससे आपको नया उत्साह मिलेगा।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): आज आपको अपनी आय और व्यय का संतुलन करना मुश्किल होगा । आज अपनी आय की वृद्धि के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू करने के लिए भी ये सबसे अच्छा दिन है। आपको अपनी पसंद के हिसाब से कुछ कार्य मिल सकता है और यह अगले कुछ वर्षों में आपके प्राथमिक कार्य बनने की क्षमता रखता है । इस बीच आपको अपनी जीवन शैली को बनाए रखने के क्रम में कुछ खर्चों के साथ संतुलित रहना होगा।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): जब लोहा गर्म हो तो उस पर निशाना लगाये ! यह विशेष रूप से प्रेरक वक्ताओं की भूमिका या इसी तरह की भूमिका वालो के लिए एक महान दिन है। आज आप जनता के साथ बेहतर संवाद करने में सक्षम होंगे और आपको उस के लिए उच्च भुगतान भी किया जा सकता है। तो आप आगे बढे और इस तरह प्रदर्शन करे की लोग आप की बाते सुनने के लिए लालायित रहे।

धनु (ये यो भा भी भू ध फ ढ भे): आप संसाधनो से पूर्ण हैं और आज आप अगर गंभीरता से काम करते हैं तो धन कमाने का ऐसा अवसर आपको मिल सकता है जिसमे आपको ख़ुशी महसूस होती है । इस बात की भी संभावना है की आप कला की अभिरुचि को आगे बढ़ाने के लिए अपनी नौकरी छोड़ सकते हैं । आपको विवेक से कार्य करना है , परन्तु अपने दिल की सुनने की वजह से आपके धन और वित्त पर कोई असर नहीं पडेगा।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): अपने स्वयं के वित्त एवं धन का नियंत्रण लेना आप के लिए अब बहुत महत्वपूर्ण है और आप इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत से डरते नहीं हैं । आज आप बहुत संगठित और अनुशासित हैं और आप बहुत ही व्यावहारिक तरीके से अपने कार्य क्षेत्र और कैरियर के मुद्दों से निपटने के लिए तैयार हैं। आज आप अपने अच्छे काम शुरू करे।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आप लंबे समय से एक ही परियोजना पर काम कर रहे है , इसलिए आपका दिन आज आपको नीरस लग सकता है। ये आपकी प्रगति के लिए हानिकारक है , इसलिए जितनी जल्दी हो सके बदलाव लाने के लिए आप कोशिश करे । हालांकि तब तक अपने सहकर्मियों के साथ सौहार्दपूर्ण रिश्ते का आनंद लें क्योंकि उनमें से एक बहुत सुरक्षित रूप से आपको संगठन से बाहर का रास्ता खोजने में मदद कर सकता है!

मीन (दू दू थ झ ञ दे दो चा ची): आज आप मे अपनी जिम्मेदारियों से बचने के लिए एक स्वाभाविक प्रवृत्ति रहेगी , लेकिन ये स्थिति आपके वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपकी मुसीबत को बढ़ा सकती हैं। तथ्य यह है कि किसी भी वास्तविक इच्छा से प्रेरित न होकर आपके आलसी होने की आदत से आप अधिक कार्य से परहेज कर रहे है। ये समय अधिक जिम्मेदारी लेने व अपने काम में और अधिक रूचि दिखाने का है ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

मार्च में 12 दिन है छुट्टी, बैंकों में नहीं होगा कामकाज

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। मार्च का महीना हर लिहाज से बेहद अहम माना जाता है. साल भर में हुए सभी खर्च का ब्यौरा या हिसाब-किताब 31 मार्च तक देना होता है.

1 अप्रैल से नया फाइनेंशियल ईयर शुरू होता है. 1 मार्च से कई नियमों में बदलाव होने जा रहा है जिनका सीधा असर आम लोगों की जेब पर होगा. मार्च के ही महीने में होली के साथ कई और त्यौहार भी हैं. जिसके चलते सरकारी से लेकर प्राइवेट क्षेत्र में कई अवकाश होने वाले हैं. बैंकों में भी इस महीने कई छुट्टियां होने वाली हैं. ऐसे में अगर आपको बैंक में कोई काम है तो छुट्टियों की इस लिस्ट को चेक करने के बाद ही जाएं, वरना बिना काम हुए ही वापस लौटना पड़ेगा। भारत में बैंक त्योहारों, अन्य राजपत्रित अवकाशों सहित कई मौकों पर बंद रहेंगे. बता दें कि इस साल मार्च के महीने में 12 दिन बैंक बंद रहेंगे. भारतीय रिजर्व बैंक ने छुट्टियों की लिस्ट जारी कर दी है.

सभी सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों, विदेशी बैंकों, सहकारी बैंकों और क्षेत्रीय बैंकों की शाखाएं आरबीआई द्वारा आधिकारिक तौर पर अधिसूचित छुट्टियों पर बंद रहेंगी. आपकी जानकारी के लिए बता दें, बैंकों के बंद रहने के बावजूद भी आप बैंक संबंधित अपने काम आसानी से कर सकते हैं. ऑनलाइन सेवा का लाभ लेकर घर बैठे बैंक से जुड़े सभी कार्यों को निपटा सकते हैं. यह फैसिलिटी 24 घंटे चालू रहेगी।

अडाणी ग्रुप के 10 में से 8 शेयरों में तेजी, सेंसेक्स 326 अंक टूटा

मुंबई, 28 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन, यानी मंगलवार (28 फरवरी) को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 326 अंक गिरकर 58,962 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 88 अंक टूटा, ये 17,303 के स्तर पर बंद हुआ है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 में गिरावट और 10 में तेजी रही।

मार्केट में इस गिरावट के बीच आज अडाणी ग्रुप के 10 शेयरों में से 8 में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर करीब 15% चढ़ा। इसके अलावा अडाणी पोर्ट्स, विल्मर, पावर, ग्रीन एनर्जी और एनडीटीवी के शेयरों में करीब 5-5% की तेजी रही। अंबुजा सीमेंट में 3.74% और एसीसी में 2.08% की तेजी देखने को मिली। वहीं अडाणी ट्रांसमिशन और टोटल गैस में करीब 5-5% की गिरावट रही। सिप्ला, हिंडाल्को, डॉ रेड्डी, ओएनजीसी, रिलायंस, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व और यूपीएल समेत निफ्टी-50 के 33 शेयरों में गिरावट देखने को मिली। अडाणी एंटरप्राइजेज, अडाणी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स, ब्रिटानिया, एमएण्डएम, पावर ग्रिड और अल्ट्राटेक सीमेंट समेत निफ्टी के 17 शेयरों में तेजी रही।

आरबीआई के मुंबई हेडक्वार्टर पहुंचे बिल गेट्स, गवर्नर शक्तिकांत दास से की मुलाकात।

दो महीने में सबसे सस्ता हुआ गोल्ड

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में लगातार गिरावट जारी है। सोने का रेट लगातार टूट रहा है। मंगलवार को सोना 278 रुपये गिरकर प्रति 10 ग्राम 55,198 रुपये हो गया। व्यापारियों द्वारा सौदों में कटान के चलते सोने की मांग गिर गई, इसके चलते मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर अप्रैल डिलीवरी के लिए सोने का अनुबंध बहुत कमजोर रहा। एमसीएक्स पर 11,194 लॉट के व्यावसायिक कारोबार में सोना 278 रुपये या 0.5 प्रतिशत प्रति 10 ग्राम गिरकर ट्रेड कर रहा था। विश्लेषकों ने प्रतिभागियों द्वारा की गई ट्रिमिंग को सोने की कीमतों में गिरावट के लिए जिम्मेदार ठहराया। वैश्विक स्तर पर, सोना न्यूयॉर्क में 1,814.80 डॉलर प्रति औंस के हिसाब से 0.55 प्रतिशत कम पर कारोबार कर रहा था।

19 महीने में एपल ने भारत में 1 लाख से ज्यादा लोगों को दी नौकरियां

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। पिछले 19 महीनों में 1 लाख से ज्यादा न्यू डायरेक्ट जॉब्स देने के बाद एपल अब इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में ब्लू कॉलर जॉब्स का सबसे बड़ा क्रिएटर बन गया है। यह जॉब्स भारत में एपल के की-वेंडर्स और कम्पोनेंट सप्लायर्स के इकोसिस्टम द्वारा क्रिएट की गईं, जो सरकार की स्मार्टफोन प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम के तहत आईफोन्स की मैन्युफेक्चरिंग करते हैं।

एपल के 3 वेंडर्स ने मिलकर 60% नए जॉब्स क्रिएट किए

अगस्त 2021 में पीएलआई स्कीम के लागू होने के बाद से 19 महीनों में ही यह नई 1 लाख से ज्यादा जॉब्स क्रिएट हुई हैं। एपल को असेंबल करने वाले तीन वेंडर्स फॉक्सकॉन, पेगाट्रॉन और विस्ट्रॉन हैं। इन तीनों वेंडर्स ने मिलकर 60% नए जॉब्स क्रिएट किए हैं। यह आंकड़ा तीनों वेंडर्स के सेकंड ईयर कमिटमेंट से ज्यादा है। वेंडर्स ने पीएलआई स्कीम के तहत 7,000 नए जॉब्स जनरेट करने का दावा किया था।

फाइनेंशियल ईयर में एक महीना बाकी है, उम्मीद है कि कुछ हजार और जॉब्स जनरेट होंगी। बची हुई जॉब्स एपल के इकोसिस्टम ने जनरेट की हैं, जिसमें कम्पोनेंट्स और चार्जर्स के सप्लायर्स शामिल हैं। इन सप्लायर्स ने 40 हजार एडिशनल जॉब्स जनरेट की हैं और इनमें टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, सालकॉम्प पीएलसी, एवेरी, फॉक्सलिंक, सुनवोडा और जाबिल जैसे नाम शामिल हैं।

समय से पहले आई गर्मी : कूलिंग प्रोडक्ट, सॉफ्ट ड्रिंक्स की डिमांड बढ़ी, फरवरी में 7-25% तक चढ़ी कीमतें

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। इस महीने एसी-फ्रिज की बिक्री 10% से ज्यादा बढ़ी है। सॉफ्ट ड्रिंक, दूध से तैयार पेय, पानी और आइसक्रीम भी ज्यादा बिकने लगे हैं। इसके चलते इनके दाम 7-25% बढ़ गए हैं। आगामी महीनों में बिक्री और बढ़ने के आसार हैं। ऐसे में कंपनियों ने उत्पादन बढ़ाना शुरू कर दिया है।

दरअसल, देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्से में दिन का तापमान कई वर्षों का रिकॉर्ड छू रहा है। फरवरी में अमूमन ऐसा नहीं होता। इसके चलते गर्मियों में इस्तेमाल होने वाले प्रोडक्ट्स की डिमांड बढ़ने लगी है। नतीजतन एलजी ने तीन शिफ्टों में काम शुरू कर दिया है। गोदरेज अप्लायंसेस और पैनासोनिक जैसी कंपनियां भी एसी-फ्रिज का प्रोडक्शन 100% तक बढ़ा रही हैं।

ये कंपनियां कर रहीं सप्लाई बढ़ाने की तैयारी

पेप्सिको : पूरी दुनिया में पेप्सिको की सबसे बड़ी फ्रेंचाइजी वरुण बेवरेजेज ने बीते साल दिसंबर से ही इन्वेंटरी बढ़ाना शुरू कर दिया है। भारत में कंपनी 6 मौजूदा प्लांट्स की क्षमता बढ़ने के साथ-साथ मध्य प्रदेश और राजस्थान में दो नए प्लांट्स भी स्थापित कर रही है।

एलजी इंडिया : सीनियर जनरल मैनेजर कुलभूषण भारद्वाज ने कहा, 'महंगाई के बावजूद कंज्यूमर ड्यूरेबल्स की मांग नहीं घटी। इस बीच गर्मी जल्द शुरू होने से बिक्री 10% से ज्यादा बढ़ी हैं। ऐसे में हमने उत्पादन बढ़ाना शुरू कर दिया है।'

गोदरेज अप्लायंस : बिजनेस हेड और एक्जिक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट कमल नंदी ने कहा, 'हमारा अनुमान है कि बीते साल के मुकाबले इस वर्ष गर्मियों में सभी कूलिंग अप्लायंसेस की बिक्री करीब 40% बढ़ेगी।'

पैनासोनिक : पैनासोनिक मार्केटिंग इंडिया के एमडी फूमियासू फुजिमोरी के मुताबिक, अप्रैल 2022 से अब तक एसी और फ्रिज जैसे कूलिंग प्रोडक्ट्स की बिक्री 35% बढ़ी है। गर्मी बढ़ने के साथ-साथ इसमें और तेजी के आसार हैं।

एफएमसीजी कंपनियां भी बढ़ाने लगीं उत्पादन एसी-फ्रिज जैसे व्हाइट गुड्स के साथ ही एफएमसीजी प्रोडक्ट्स का भी उत्पादन बढ़ाया जा रहा है। कंसल्टेंसी फर्म रेडसीर के विश्लेषकों ने एक नोट में कहा, '2023 में गर्मियों में इस्तेमाल होने वाले कुछ प्रोडक्ट्स की तगड़ी बिक्री की उम्मीद है।' ये नोट हिंदुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले, आईटीसी और स्पेंसर्स रिटेल जैसी कंपनियों की बिक्री के आउटलुक पर आधारित है।

सब्जी, दाल-मसाले, डॉग मीट सब एक मंडी में

4 हजार का डॉग, बेचने पर फाइन 10 रुपए, बैन के बाद भी बिक रहा मांस

दीमापुर, 28 फरवरी। (एक्सक्लूसिव डेस्क) 'लोग हमारे स्टॉल पर आते हैं, वे स्टॉल या राज्य के बारे में बात नहीं करते, पूछते हैं कि क्या आप सांप और डॉग मीट खाते हैं। ये क्या सवाल हुआ।' हरियाणा के सूरजकुंड मेले में पहुंची नागालैंड की एक लड़की ने बहुत गुस्से में ये बात कही।

12 फरवरी को बना उसका वीडियो वायरल हुआ, तो मजाकिया बयानों के लिए सुर्खियों में रहने वाले नगालैंड के मंत्री तेमजेन इम्ना आलोंग ने अपने सोशल मीडिया पेज पर लिखा, 'कुछ लोग तो हमें बीयर ग्रील्स के रिश्तेदार ही समझने लगे हैं। ये ठीक नहीं हैं। पूछना है तो गूगल से पूछो। न मिले, तो मुझसे पूछ लेना।'

क्या वाकई नगालैंड में लोग डॉग, सांप या चूहे का मांस खाते हैं या यूं ही उनके बारे में ऐसी बातें कही जाती हैं। इसका जवाब तलाशने में सूरजकुंड से 2200 किमी दूर दीमापुर के ट्राइब मार्केट में पहुंचा। इसे शहर का सुपर मार्केट भी कहते हैं। रविवार को छोड़कर यहां हफ्ते के 6 दिन चहल-पहल रहती है, लेकिन सबसे ज्यादा भीड़ बुधवार को होती है। इस दिन पूरे राज्य से लोग यहां सामान बेचने आते हैं।

मैंने बाजार घूमना शुरू किया। बाहरी हिस्से में किराने के सामान की दुकानें हैं। अंदर जाने पर ट्राइबल ड्रेस और ग्रॉसरी शॉप हैं। इसके ठीक सामने सीमेंट के लंबे-लंबे प्लेटफॉर्म बने हुए थे और उन पर सब्जियां, फ्रूट, अनाज, दाल, मसाले और अचार बिक रहे थे।

हम थोड़ा आगे बढ़े और उस लेन में पहुंचे, जहां मीट बिकता है। यहीं हमें उस सवाल का जवाब मिल गया, जो हम सूरजकुंड से लेकर चले थे। आगे रास्ते पर 25-30 जिंदा कुत्ते बोरियों में बांधकर रखे गए थे। टोकरियों में रखकर इनका मांस बिक रहा था।

मार्केट में मेंढक, ईल, पक्षी, चूहे, सब मिलते हैं

मार्केट में घुसते ही ये किसी नॉर्मल सब्जी मंडी की तरह लगता है। पर इसकी पहचान अंदर बने मीट मार्केट की वजह से है। यहां जगह-जगह जिंदा ईल से भरे कंटेनर रखे हैं। प्लास्टिक की थैलियों में मेंढक रखे हैं। पिंजरों में चूहे कैद हैं और प्याज के ढेर की तरह जिंदा कीड़े बिक रहे हैं।

हमारी नजर बोरियों में बंधे कुत्तों पर गई। ये शोर न करें, इसलिए इनके मुंह पतली रस्सी से बंधे हैं। अब हमें ऐसे शख्स की तलाश थी, जो हमें मार्केट के बारे में बता सके। यहां हमें बिंडाग ला मिल गईं, जो दीमापुर मार्केट एसोसिएशन से जुड़ी हैं।

सिर्फ 50 रुपए फीस, फिर डॉग मीट की शॉप लगाने की छूट

बिंडाग ला बताती हैं कि मार्केट में दुकान लगाने के लिए दिन के 50 रुपए देने पड़ते हैं। इसमें 40 रुपए अथॉरिटी ऑफिस और 10 रुपए नगर निगम को जाते हैं। ये पैसे देकर कोई भी दुकान लगा सकता है, भले डॉग मीट बेचे या सब्जी।

मरीज और प्रेग्नेंट महिलाएं खाती हैं डॉग मीट

बिंडाग ला के मुताबिक, डॉग मीट पर एक बार बैन लग चुका है। इससे बहुत दिक्कत हो गई थी। बैन के बाद हमने कुछ दिन इसे बेचना बंद कर दिया था। फिर हमारी बात शुरू हुई और अब दोबारा बिक्री शुरू हो गई है।

वे कहती हैं, 'हमारे यहां सभी लोग डॉग मीट नहीं खाते। इसमें बहुत प्रोटीन होता है, इसलिए प्रेग्नेंट महिलाएं, कैंसर के मरीज, इलाज करवा रहे या ऑपरेशन करवा चुके लोग इसे खाते हैं। इसके सूप में बहुत ताकत होती है।'

क्या डॉग मीट की सप्लाई बाहर भी होती है? इसके जवाब में बिंडाग ला कहती हैं कि 'यहां से मीट सप्लाई नहीं होता। हां, यहां बने सामान, ब्लैक चावल, बीन्स और यहां उगने वाले दुर्लभ पत्तों को बाहर भेजा जाता है।'

आखिर में बिंडाग ला फिर दोहराती हैं, 'सभी लोग इस मीट को नहीं खाते, इसलिए दीमापुर के किसी भी होटल में यहां से डॉग मीट की सप्लाई नहीं होती।'

प्रतिबंधित जानवरों का मीट भी बेचा जा रहा

इस बाजार में डॉग के अलावा मेंढक, भैंस और हिरण का मीट भी बिकता है। हिरण के शिकार पर भी बैन है। हमें यहां भैंस का चमड़ा भी बिकता दिखा। भारत में फूड सिक्योरिटी एंड स्टैंडर्ड एक्ट 2006 के तहत मांस के लिए कुत्तों को मारने की इजाजत नहीं है। इसके बावजूद यहां डॉग मीट बिक रहा है।

2016 में डॉग मीट बैन करने की मांग शुरू हुई

नगालैंड में डॉग मीट खाने की पुरानी परंपरा रही है, लेकिन यह सबसे ज्यादा सुर्खियों में साल 2016 में आया। तब डॉग मीट की

बिक्री पर बैन लगाने के लिए राज्य सरकार को कानूनी नोटिस भेजा गया था।

इसके बाद दीमापुर सुपर मार्केट में जानवरों के साथ होने वाली क्रूरता दिखाने के लिए टूरिस्ट, जर्नलिस्ट और सोशल एक्टिविस्ट आने लगे। नगालैंड में डॉग मीट बेचने के खिलाफ कई एनिमल वेलफेयर एक्टिविस्ट खड़े हो गए और मामला हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा।

डॉग मीट खाना देश में प्रतिबंधित

नगालैंड में मीट के लिए डॉग की बिक्री रोकने के लिए एफआईएपीओ (फेडारेशन आफ इनडियन आनिमल्स प्रोटेक्शन आरगानाइजेशन) और दीमापुर नगर परिषद (डीएमसी) कोशिश कर रहे हैं। एफआईएपीओ की लीगल मैनेजर वर्णिका सिंह कहती हैं, 'हम 2016 से इसे रोकने में लगे हैं। हमारी संस्था लगातार राज्य और केंद्र सरकार को लेटर लिख रही थी। एफएसएसएआई (फूड सेफ्टी एण्ड स्टैंडर्ड अथोरिटी आफ इण्डिया) के एक नोटिफिकेशन के मुताबिक, डॉग मीट खाना प्रतिबंधित है।' वे बताती हैं कि 'खुले में डॉग मीट रखने से कई बीमारियां हो सकती हैं। हमारी पड़ताल में पता चला कि एक स्टेट से दूसरे स्टेट में डॉग की स्मगलिंग भी होती है। जिस तरह उन्हें लाया जाता है, वह भी क्रूरता है। उनका मुंह बंद कर, रस्सी में जकड़कर और बाइक में लटकाकर मार्केट तक लाया जाता है। कई बार बॉर्डर पर कुत्ते की तस्करी करते हुए लोग पकड़े गए हैं। 2020 में इसे प्रतिबंधित करने के लिए सरकार ने नोटिफिकेशन जारी किया था। इसके बावजूद यह बाजार में बिक रहा है।'

असम में कुत्तों की बरामदगी के कुछ मामले

11 दिसंबर, 2022: असम के डारंग जिले में 11 कुत्तों को बचाया गया, दो लोग अरेस्ट, दोनों इन कुत्तों को एक गाड़ी में भरकर कार्बी आंगलोंग की ओर जा रहे थे।

30 नवंबर, 2022: असम के गोलाघाट जिले के नुमालीगढ़ में 50 कुत्ते बरामद किए गए, इन्हें बोरियों में भरा गया था, उनके पैर और मुंह बंधे थे।

16 सितंबर, 2022: असम के बोकाखाट में पुलिस ने कुरुवाबाही में सड़क किनारे छोड़े गए 30 से ज्यादा कुत्ते बरामद किए थे, उनके मुंह पर टेप लगाकर रखा गया था।

सितंबर, 2022: असम के कछार जिले से 16 कुत्तों को बचाया गया था, यहां से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

कानून कमजोर, इसलिए नहीं रुकती डॉग मीट की बिक्री

पेशे से वकील वर्णिका सिंह ने बताया कि प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टु एनिमल्स एक्ट 1960 के सेक्शन-11 के तहत बताया गया है कि जानवरों के साथ किस तरह का बर्ताव क्रूरता में आता है। वे कहती हैं कि 'कुत्तों के साथ अत्याचार के लिए दी जाने वाली सजा बेहद कम है। खुलेआम मीट और डॉग बेचते हुए पकड़े जाने पर पहली बार सिर्फ 10 रुपए और तीन साल में दूसरी बार पकड़े जाने पर 50 रुपए का जुर्माना लगता है।'

'इसी कानून का फायदा डॉग मीट बेचने वाले उठाते हैं। मीट के लिए एक डॉग बेचकर दुकानदार को 3,500 से 4,000 हजार रुपए मिलते हैं। कानून जब तक सख्त नहीं होंगे, इस पर रोक नहीं लग सकती है।'

कड़े कानून का ड्राफ्ट संसद में तीन साल से पेंडिंग

वर्णिका कहती हैं कि प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टु एनिमल्स एक्ट में बदलाव के लिए कई संगठन कोशिश कर रहे हैं। एनिमल वेलफेयर इंडिया ने कई संगठनों से इस पर राय भी मांगी थी। सभी के सुझावों को मिलाकर कानून को कड़ा करने वाला ड्राफ्ट बनाया गया। यह पिछले तीन साल से संसद में पेंडिंग है। इसके लागू हो जाने से डॉग को मीट के लिए बेचते हुए पकड़े जाने पर 70 हजार रुपए और 2 से तीन साल की सजा का प्रावधान रहेगा।

दुकानदार जुर्माना देकर छूटते हैं, फिर डॉग मीट बेचने लगते हैं

दीमापुर नगर परिषद (डीएमसी) समय-समय पर मार्केट पर छापा मारकर डॉग जैसे बड़े जानवरों को आजाद करवाता है। दीमापुर पुलिस भी कुत्तों की बिक्री रोकने के लिए गिरफ्तारियां करती है, लेकिन मार्केट पर इसका असर दिखाई नहीं देता।

डीएमसी के एक अधिकारी ने नाम न बताते हुए कहा कि, 'मार्केट में एक डॉग 3,500 से 4,000 में बिकता है, इसके आरोपी आसानी से छूट जाते हैं। यही कारण है कि लोग छापेमारी के दौरान जुर्माना देते हैं और अगले दिन से फिर वही काम शुरू कर देते हैं।

दीमापुर में 90% कुत्तों को असम से नगालैंड के बाजार में लाया जाता है।

राज्य सरकार ने 2020 में लगाया था बैन

जुलाई 2020 से पहले नगालैंड में डॉग मीट की बिक्री पर बैन नहीं था। 2 जुलाई 2020 को प्रदेश सरकार ने कुत्ते के मांस की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही प्रदेश में डॉग मार्केट बंद करने का फैसला लिया था। इसके आयात और कारोबार पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया। मार्च 2020 में ही मिजोरम में भी पशुओं की स्लॉटरिंग यानी कत्ल के लिए मुनासिब जानवरों की परिभाषा से कुत्तों को हटाने से जुड़े कानून में संशोधन किया गया था।

सरकार के फैसले पर तीन साल से हाईकोर्ट का स्टे

सरकार के इस फैसले के खिलाफ जुलाई 2020 में दीमापुर के मांस बेचने वाले कारोबारी गुवाहाटी हाईकोर्ट की कोहिमा बेंच चले गए थे। अपनी याचिका में उन्होंने कहा था कि इस फैसले से उनका कारोबार प्रभावित हुआ है। याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस एस. हुकातो स्वू ने अगली सुनवाई तक राज्य सरकार के बैन वाले फैसले पर स्टे लगा दिया था। 3 साल से ज्यादा होने के बावजूद अदालत में यह याचिका सुनवाई के लिए पेंडिंग है।

डॉग मीट खाने की पुरानी परंपरा

दीमापुर के रहने वाले सुरो सेमो बताते हैं कि हमारे 15 ट्राइब्स हैं और यहां डॉग मीट खाने की पुरानी परंपरा रही है। देश के दूसरे हिस्सों में जैसे लोग मटन और चिकन खाते है, उसी तरह हम डॉग मीट खाते हैं। 2020 से पहले हम हफ्ते में एक बार डॉग मीट खा लेते थे, अब ऐसा नहीं कर पाते। बैन की वजह से यह काफी महंगा बिक रहा है। सुरो सेमो के मुताबिक, दीमापुर के मार्केट में ज्यादातर कुत्ते असम से लाए जाते हैं।

हिंसा प्रभावित पांकी प्रखंड में होली तक निषेधाज्ञा लागू रहेगी

मेदिनीनगर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के पलामू जिले के पांकी प्रखंड में 15 फरवरी को सांप्रदायिक झड़प के बाद सीआरपीसी की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा आठ मार्च को होली तक बढ़ा दिया है। शिवरात्रि के अवसर पर पनकी बाजार के पास एक सजावटी गेट के निर्माण को लेकर विभिन्न समुदायों के लोगों के दो समूह आपस में भिड़ गए थे। इसके बाद जिला प्रशासन ने निषेधाज्ञा लागू कर दी थी। हिंसा में पुलिसकर्मियों सहित छह लोग घायल हुए थे। हाथापाई और पत्थरबाजी में कई वाहन और दुकानें क्षतिग्रस्त हुई थीं। हिंसा के सिलसिले में 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (मेदिनीनगर) राजेश कुमार शाह ने बताया कि स्थिति पूरी तरह से शांतिपूर्ण होने के बाद छूट देने पर विचार किया जाएगा।

झारखंड ग्रामीण विकास विभाग के मुख्य अभियंता निलंबित

गिरफ्तारी के बाद की गई कार्रवाई

रांची, 28 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड में ग्रामीण विकास विभाग के मुख्य अभियंता वीरेंद्र कुमार राम को निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई प्रवर्तन निदेशालय द्वारा मनी लॉनड्रिंग के एक मामले में गिरफ्तारी के बाद की गई है। झारखंड सरकार ने सोमवार को बताया कि उसने ग्रामीण विकास विभाग के मुख्य अभियंता वीरेंद्र कुमार राम को निलंबित कर दिया है। इससे पहले रांची की एक विशेष पीएमएलए अदालत ने 23 फरवरी को राम को पांच दिनों के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया था। वह कुछ योजनाओं के कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉनड्रिंग मामले में आरोपी हैं। झारखंड सरकार के जल संसाधन विभाग की ओर से जारी एक आदेश में कहा गया है कि ग्रामीण विकास विभाग (विशेष प्रक्षेत्र) के मुख्य अभियंता वीरेन्द्र कुमार राम को झारखंड शासकीय सेवक नियम-2016 के तहत प्रवर्तन निदेशालय द्वारा पीएमएलए की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किए जाने की तारीख 23 फरवरी 2023 से अगले आदेश तक निलंबित किया जाता है। गौरतलब है कि वीरेन्द्र कुमार राम को प्रवर्तन निदेशालय ने भ्रष्टाचार के मामले में लंबी पूछताछ के बाद 23 फरवरी को गिरफ्तार कर लिया था। झारखंड की राजधानी रांची में एजेंसी के कार्यालय में लंबी पूछताछ के बाद राम को ईडी की हिरासत में लिया गया था। यह कार्रवाई केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा 21 फरवरी को रांची, जमशेदपुर समेत झारखंड, बिहार और दिल्ली के कुछ अन्य स्थानों पर छापेमारी के बाद की गई थी।

कुएं में मिला छह साल के बच्चे का शव

रायपुर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में छह साल के बच्चे का मंगलवार सुबह कुएं में शव मिला है। बच्चा एक दिन पहले सोमवार शाम को ट्यूशन पढ़ने के लिए गया था। वहां से घर के लिए निकला, लेकिन पहुंचा ही नहीं। अगले दिन बच्चे की मौत का पता चला। पुलिस ने शव को कुएं से निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामला गंज थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, फाफाडीह एक्सप्रेस वे रोड, साहू बाड़ा निवासी सरजू राम साहू का छह साल का बेटा मयंक सोमवार शाम करीब 4 बजे ट्यूशन पढ़ने के लिए मोहल्ले के ही एक टीचर के घर गया था। इसके बाद वहां से घर जाने निकला, लेकिन पहुंचा ही नहीं। देर शाम तक मयंक घर नहीं आया तो परिजनों ने तलाश शुरू की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। अगले दिन सुबह कुएं में परिजनों ने उसका शव देखा।

सहकारी समिति के पांच प्रबंधक बर्खास्त

महुआ खरीदी में की सवा करोड़ की गड़बड़ी महिलाओं ने की थी सीएम से शिकायत

बीजापुर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति के पांच प्रबंधकों को उनकी सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। प्रबंधकों ने महुआ फूल खरीदी में करीब सवा करोड़ रुपये की गड़बड़ी की थी। इसे लेकर महिलाओं ने मुख्यमंत्री से शिकायत की थी। इसके बाद मामले की जांच में गड़बड़ी पकड़ी गई। यह भी सामने आया कि घटिया क्वॉलिटी के महुआ फूल खपाने की कवायद में प्रबंधक जुटे हुए थे।

जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आवापल्ली में हुए 19 मई के जन चौपाल कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने महुआ फूल नहीं खरीदने की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद रायपुर से एक जांच समिति का गठन किया गया था। जांच के दौरान पता चला कि सहकारी समिति के प्रबंधक घटिया क्वॉलिटी के महुआ फूल खपाने की कोशिश में थे। इसके जरिए करीब सवा करोड़ की गड़बड़ी सामने आई। बताया गया है कि जिला यूनियन बीजापुर में 28 समितियां कार्य कर रही हैं। जिनके अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित संचालक सदस्य कार्य करते हैं। उन्हीं पर निगरानी की जिम्मेदारी भी होती है। जिसमे वन विभाग के तरफ से पोषक अधिकारी के रूप में डिप्टीरेंजर की तैनाती की गई है। जिले में वनोपजों का सही लाभ हितग्राही को मिले, इसके लिए लघु वनोपज सहकारी

समितियों के माध्यम से स्थानीय महिला स्व सहायता समूह के माध्यम से समर्थन मूल्य पर सीधी खरीदी की जानी चाहिए। प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति कोरसागुडा डिकेश चिलमुल, प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति चेरामंगी जीवी सड़वली, प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति हीरापुर हेमंत यदु, प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति पुजारी कांकेर तिलक यादव, प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति उसूर अनिल कट्टम और प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति पामेड़ वेतन चेरला रामाराव शामिल हैं।

जिला यूनियन द्वारा जारी पत्र में संबंधितों को उल्लेखित करते कहा है कि प्रबंध संचालक छ ग राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित रायपुर द्वारा गठित जांच दल द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में महुआ फूल गुणवत्ता हीन होने और संबंधितों को वापस करने की बात कही गई है, जिसके आधार पर महुआ फूल संग्रहण में अनियमितता बरतते हुए घोर लापरवाही की गई है। जिसके संदर्भित पत्र में दिए निर्देश के अनुसार समिति प्रबंधक पद से सेवा समाप्ति की जाती है। प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति कोरसागुडा 500 क्विंटल राशि 16 लाख 50 हजार रुपए, प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति चेरामंगी 1490 क्विंटल 49 लाख 17 हजार रुपए, प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति हीरापुर 510 क्विंटल 16 लाख 83 हजार, प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति पुजारी कांकेर 182 क्विंटल 6 लाख 6 सौ रुपए, प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति उसूर 300 क्विंटल 9 लाख 90 हजार रुपए और प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति पामेड़ 679.2क्विंटल राशि 22 लाख 41हजार 3सौ साठ रुपए की धांधली की गई थी।

इन 5 फील्ड में खत्म हो सकते हैं जॉब्स

पोस्ट ऑफिस से डेटा एंट्री तक नौकरियों पर नई टेक्नोलॉजी से संकट

नई दिल्ली, 28 फरवरी। (एक्सक्लूसिव डेस्क) जाने-माने अमेरिकन भविष्यवादी एल्विन टॉफ्लर के अनुसार '21वीं सदी के निरक्षर वे नहीं होंगे जो पढ़ और लिख नहीं सकते, बल्कि वे होंगे जो सीख नहीं सकते तथा सीखी हुई चीज को भूल कर फिर से नया नहीं सीख सकते।'

कहने का अर्थ है टेक्नोलॉजी के कारण भविष्य में परिवर्तन तेजी से होंगे, इतनी तेजी से कि शायद इंसानों का दिमाग उनके साथ एडजस्ट न कर पाए और वे उसे झटके की तरह लगें। तेजी से बदलती दुनिया में वही लोग टिक पाएंगे जो लगातार पुरानी सीखी हुई चीजों को भूलकर नई-नई चीजें सीख पाएंगे।

हमने देखा कि क्यों ट्रैवल एजेंट्स, कैशियर /अकाउंटेंट /बैंकर, ट्रांसलेटर और इंटरप्रेटर्स, मूवी थिएटर वर्कर्स और ड्राइवर्स की जॉब्स को खतरा है।

आइए ऐसे ही कुछ और करिअर्स के बारे में चर्चा करें।

ये पांच करिअर होने वाले हैं खत्म, सावधान!

1) शारीरिक श्रम वाली नौकरियां

ऑटोमेशन और रोबोटिक्स टेक्नोलॉजी की तीव्र प्रगति के साथ, कारखाने के श्रमिकों, असेंबली लाइन पर कार्य करने वाले कर्मचरियों, कंस्ट्रक्शन वर्कर्स जैसे शारीरिक श्रम वाली जॉब्स की मांग में अगले 10 वर्षों में गिरावट देखी जा सकती है। कई फैक्ट्रियों में मानव श्रमिकों की जरूरत बहुत कम होने की संभावना है।

उदाहरण के लिए, टेस्ला मोटर्स के निर्माण में केवल 16 रोबोट्स के इस्तेमाल से 5 हजार मानव श्रमिकों की आवश्यकता कम हो गई। उसी प्रकार अमेजन ने अपने कई वेयर हाउसेस और डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर्स को ऑटोमैटिक कर दिया है। 2019 में अमेजन ने यह घोषणा की कि वह अपने कर्मचारियों को रोबोटिक्स और ऑटोमेशन के अधिक तकनीकी कामों को सिखाने के लिए 700 मिलियन डॉलर खर्च करेगा।

बर्गर बनाने से लेकर, न्यूज़ पढ़ने तक और हेल्थकेयर में सभी जगह नए नए रोबोट्स आ रहे हैं। इसके अलावा भारत जैसे देशों में फरवरी और मार्च में ही अत्यधिक गर्मी (हीट वेव्स) के आने का ट्रेंड हो चला है। बड़ी संख्या में बाहर काम करने वालों के लिए ये एक चुनौती बनने लगा है।

2) डाटा एंट्री क्लर्क और रिसेप्शनिस्ट

वॉइस रिकग्निशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के बढ़ते उपयोग के साथ, कुछ एडमिनिस्ट्रेटिव भूमिकाएं जैसे- डेटा एंट्री क्लर्क और रिसेप्शनिस्ट को ऑटोमैटिक सिस्टम द्वारा बदला जा सकता है। मैकडोनॉल्ड और वेंडी जैसी कंपनियां सेल्फ-सर्विस कियोस्क का उपयोग कर रही हैं। गूगल और अमेजन जैसी कंपनियों ने वर्चुअल असिस्टेंट को विकसित किया है, जैसे कि गूगल असिस्टेंट और अमेजन का एलेक्सा, जो फोन कॉल का उत्तर दे सकते हैं, अपॉइंटमेंट शेड्यूल कर सकते हैं और आमतौर पर रिसेप्शनिस्ट द्वारा नियंत्रित अन्य प्रशासनिक कार्य कर सकते हैं।

यूआईपथ और आटोमेशन एनीवेयर जैसी कंपनियों ने रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन (आरपीए) सॉफ्टवेयर विकसित किया है। ये सॉफ्टवेयर डेटा एंट्री ऑपरेटरों की जरूरत को खत्म करते हुए ऑटोमैटिक रूप से डेटा को फॉर्मेट्स और एप्लिकेशंस में इनपुट कर सकता है।

3) ट्रैडीशनल रिटेल (खुदरा) जॉब्स

भारत में ई-कॉमर्स तेजी से लोकप्रिय हो रहा है और ऑनलाइन खरीददारी में वृद्धि के साथ बिक्री सहयोगियों जैसी पारंपरिक खुदरा नौकरियों की मांग में गिरावट देखी जा सकती है। आज हम अमेजन, फ्लिपकार्ट और मिंत्रा आदि वेबसाइट्स से मनचाहा सामान घर बैठे मंगा सकते हैं। कोविड महामारी ने इस ट्रेंड को बढ़ा दिया है। इन वेबसाइट्स से खरीदे गए सामानों की कीमत भी ज्यादातर रिटेल स्टोर्स से खरीदे गए सामानों की तुलना में कम होती है, क्योंकि उन्हें मंहगी रिटेल जगहों को खरीदना या किराये पर नहीं लेना होता। उन्हें केवल अपने वेयर हाउसेज (स्टोरेज रूम की तरह) और डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर्स को मैनेज करना होता हैं, जिन पर रिटेल स्टोर की तुलना में कम खर्च होता है।

4) लीगल रिसर्च और फाइनेंशियल एनालिसिस

एआई और मशीन लर्निंग में प्रगति के साथ, लीगल रिसर्च और फाइनेंशियल एनालिसिस जैसी कई प्रकार की व्यावसायिक सेवाओं की नौकरियों को ऑटोमैटिक किया जा सकता है।

जेपी मॉर्गन चेस द्वारा विकसित किए गए वर्चुअल असिस्टेंट - सीओआईएन (कानट्राक्ट इनटेलिजेंस) का उल्लेख जरुरी है, जो कानूनी दस्तावेजों की समीक्षा और व्याख्या करने के लिए मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करता है, जिससे मानव वकीलों और लीगल प्रोफेशनल्स की आवश्यकता कम हो जाती है। सीओआईएन का उपयोग 12,000 से अधिक वाणिज्यिक ऋण समझौतों को संसाधित करने के लिए किया गया है, जो मानव कर्मचारियों द्वारा पहले किए गए सैकड़ों-हजारों घंटों के काम को कम करता है।

5) डाक और कूरियर सेवाएं

मुझे अपनी बुआ द्वारा मेरे पिताजी को नियमित रूप से लिखे हुए अंतर्देशीय पत्र और पोस्टकाड्र्स याद आते हैं। आप खुद सोच कर देखिए आपने आखिरी बार कागज पर पत्र कब लिखा था। ई-मेल और डिजिटल कम्युनिकेशन के उदय के साथ, डाक और कूरियर सेवाओं की मांग में गिरावट जारी रह सकती है। दुनिया के इंटरनेट यूजर्स की सबसे बड़ी आबादी में से एक भारत में है और डिजिटल कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी के उदय का देश में डाक और कूरियर उद्योग, खास पर तौर पर पर्सनल और प्रोफेशनल कम्युनिकेशन पर प्रभाव पड़ा है।

हमने आज देखा कि पांच फील्ड्स में जॉब्स का संकट गहराने वाला है। इसलिए इन फील्ड्स में काम करने वाले लोगों के लिए जरूरी है कि वे दूसरी स्किल्स सीखना भी शुरू कर दें। जिससे भविष्य में उनके पास रोजगार के लिए एक से ज्यादा विकल्प हों। तो आज का करिअर फंडा है कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है और इस परिवर्तन के लिए सतर्क रहकर अपने में परिवर्तन करना आपके अस्तित्व के लिए आवश्यक है, तो ऐसा ही करें और सफल बनें।

चीन पर कोरोना फैलाने के आरोप से पीछे हटा अमेरिका

पहले कहा- वुहान लैब से लीक हुआ वायरस, अब बोला- इसके ठोस सबूत नहीं

वॉशिंगटन, 28 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के एनर्जी डिपार्टमेंट ने सोमवार को दावा किया था कि कोरोना वायरस चीन की वुहान लैब से लीक हुआ है। इसके बाद चीन के विदेश मंत्रालय ने इन दावों को खारिज कर दिया था। चीन की प्रतिक्रिया के बाद व्हाइट हाउस ने कहा है कि कोविड-19 वायरस के लीक होने को लेकर अभी कोई पक्का नतीजा नहीं निकाला गया है।

अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा- हमारे इंटेलिजेंस डिपार्टमेंट और सरकार अभी भी कोरोना के लीक होने को लेकर जांच कर रही है। इसमें अभी कोई निश्चित निष्कर्ष नहीं है इसलिए इस मामले में कुछ भी कहना मुश्किल है। मैं वायरस के लीक होने को लेकर किसी भी रिपोर्ट का बचाव करना जरूरी नहीं समझता हूं।

सच को बाहर लाना चाहते हैं बाइडेन

जॉन किर्बी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- राष्ट्रपति बाइडेन सिर्फ इतना चाहते हैं कि सब लोग मिलकर सच सामने लाने के लिए काम करें और हम यही कर रहे हैं। जब हमारे पास कुछ ठोस सबूत होंगे तो उसे अमेरिका के लोगों और दुनिया के सामने पेश किया जाएगा। इसकी मदद से हमें भविष्य में ऐसी महामारी से लड़ने में मदद मिलेगी।

चीन ने अमेरिकी रिपोर्ट को किया खारिज

इससे पहले चीन ने अमेरिका के एनर्जी डिपार्टमेंट की रिपोर्ट को खारिज कर दिया था। इस रिपोर्ट में दावा किया गया था कि कोविड-19 वायरस चीन की वुहान लैब से लीक हुआ है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा- कोरोना की उत्पत्ति की खोज साइंस से जुड़ा मामला है और इसका राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए। कई अंतरराष्ट्रीय एक्सपर्ट्स पहले ही कह चुके हैं कि वायरस के वुहान लैब से लीक होने की बहुत ही कम आशंका है।

रिपोर्ट पर नहीं किया जा सकता भरोसा

माओ निंग ने कहा- डब्ल्यूएचओ और चीन के जॉइंट मिशन के तहत एक्सपर्ट्स ने वुहान लैब में कई फील्ड ट्रिप्स की थीं। इस दौरान हमारे रिसर्चर्स से बात की गई थी। इसके बाद ही उन्होंने वायरस के यहां से लीक होने की बात को खारिज किया था, जिसको कई अंतरराष्ट्रीय समुदायों ने मान्यता दी थी। अमेरिका की तरफ से जारी की गई रिपोर्ट को 'लो कॉन्फिडेंस असेसमेंट' कहा गया है। इसका मतलब है कि उसपर ज्यादा भरोसा नहीं किया जा सकता है और उसमें सही नतीजे के लिए पर्याप्त जानकारी मौजूद नहीं है।

अमेरिकी एनर्जी डिपार्टमेंट ने जारी की थी रिपोर्ट

दरअसल, सोमवार को अमेरिकी एनर्जी डिपार्टमेंट ने कोरोना वायरस से जुड़ी फाइनल रिपोर्ट पेश की थी।

रिपोर्ट में दावा किया गया कि सुरक्षा में चूक होने की वजह से वायरस वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (डब्ल्यूआईवी) से लीक हुआ था। इसके बाद महज कुछ दिनों में यह पूरी दुनिया में फैल गया। हालांकि, कुछ अधिकारियों का मानना है कि ये रिपोर्ट काफी कमजोर है। इसका निष्कर्ष किसी ठोस बुनियाद पर नहीं निकाला गया है।

इजराइली नागरिकों की हत्या के बाद वेस्ट बैंक में हिंसा

नाराज लोगों ने फिलिस्तीन के 4 गावों पर हमला किया, घर-कारें जलाईं

यरूशलम, 28 फरवरी (एजेंसियां)। फिलिस्तीनी गनमैन के हाथों रविवार को 2 इजराइलियों की मौत के बाद वेस्ट बैंक में हिंसा भड़क गई है। वेस्ट बैंक में रह रहे इजराइली लोगों ने फिलिस्तीनी गांवों पर हमला बोल दिया। इस हमले में 37 साल के फिलिस्तीनी समीह-अल-अक्तश की मौत हो गई। वहीं करीब 390 फिलिस्तीनी घायल हुए हैं। हमला नबलस शहर के हुवारा, जतारा, बुरिन और असीर-अल-किब्लिया गांव में हुआ।

इसके बाद फिलिस्तीनी हमलावरों ने एक इजराइली-अमेरिकी व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी। इजराइली सेना के मुताबिक, हमलावरों ने इजराइली गाड़ियों पर तीन बार गोलियां चलाईं और बाद में अपनी गाड़ियों को भी जला दिया। अभी तक किसी भी फिलिस्तीनी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि, गाजा पट्टी पर कंट्रोल करने वाले आतंकी संगठन हमास ने कहा कि ये हमला इजराइलियों के हमले का जवाब था।

फिलिस्तीनियों पर मेटल रॉड और पत्थरों से हमला

सोमवार को फिलिस्तीनी गांवों पर हुए हमले में 30 से ज्यादा घरों और करीब 100 कारों में आग लगा दी गई। फिलिस्तीनी मीडिया के मुताबिक, लोगों पर मेटल रॉड और पत्थरों से हमला किया गया। इस दौरान इजराइली सेना ने हालात काबू में करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। हमले के बाद इजराइली अधिकारियों ने 8 आरोपियों को गिरफ्तार करने की जानकारी दी थी। हालांकि, बाद में उनमें से 6 को छोड़ दिया गया।

हिंसा के खिलाफ प्रदर्शन

इजराइली लोगों के फिलिस्तीनी गांवों पर हमले के बाद कई इजराइलियों ने विरोध प्रदर्शन भी किया। लोग बैनर-पोस्टर लेकर तेल अवीव की सड़कों पर नजर आए और उन्होंने हिंसा खत्म करने के लिए नारे लगाए। इस दौरान इजराइली सेना भीड़ पर काबू करने की कोशिश करती रही।

इस हिंसा के बाद अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइज ने कहा- वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों पर हुआ हमले की हम निंदा करते हैं। हमें उम्मीद है कि इजराइल की सरकार हमले की पूरी जिम्मेदारी लेते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। साथ ही फिलिस्तीनियों को भी सही मुआवजा दिया जाएगा।

फिलिस्तीनी राष्ट्रपति ने इजराइली सरकार को जिम्मेदार ठहराया

फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने इस हिंसा के लिए इजराइली सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि ये आतंकी गतिविधि उन लोगों ने की है जो इजराइली सेना के कंट्रोल वाले इलाके में रहते हैं। दूसरी तरफ इजराइल के प्रधानमंत्री बेन्जामिन नेतनयाहू ने शांति की अपील की है। उन्होंने कहा कि लोगों को शांत रहते हुए इजराइली सेना की आरोपियों को पकड़ने में मदद करनी चाहिए।

इससे पहले फिलिस्तीनी हमलावरों ने ब्राचा में रहने वाले 2 इजराइली भाइयों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। दोनों भाई हुवारा से गुजर रहे थे जब एक फिलिस्तीनी हमलावर उनकी कार में घुस गया और उन पर गोलियां चला दीं।

आतंक के खिलाफ पाकिस्तान की मंद चाल

2020 के मुकाबले 2021 में बढ़े धमाके और सामूहिक हत्या के मामले

इस्लामाबाद, 28 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान पर हमेशा से आतंक के वित्तपोषण और आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगता रहा है। इसको लेकर उसे कई तरह के प्रतिबंधों का भी सामना करना पड़ा है, जिसके बाद पाकिस्तान सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ अभियान छेड़ने का दुनिया को आश्वासन दिया। हालांकि, यहां पर भी इस मुल्क ने दुनिया की आंखों में धूल झोंकने का काम किया। यूएस ब्यूरो ऑफ काउंटरटेरिज्म की रिपोर्ट कहती है कि आतंकवादियों के खात्मे को लेकर पाकिस्तान में चलाए जा रहे अभियान की चाल बहुत सुस्त है। यहां तक कि 2020 के मुकाबले पाकिस्तान में 2021 में आतंकी घटनाओं में इजाफा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में आतंकी हमलों और हताहतों की संख्या काफी अधिक थी।

जी20 के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा नहीं लेंगे जापानी विदेश मंत्री

घर में ही शुरू हुआ विरोध

टोक्यो, 28 फरवरी (एजेंसियां)। जापान के विदेश मंत्री योशीमासा हयाशी बुधवार से भारत में शुरू हो रही जी20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल नहीं होंगे। दरअसल जापान की संसद में बजट को लेकर चर्चा होनी है और माना जा रहा है कि उसी वजह से जापानी विदेश मंत्री ने जी20 की बैठक के लिए अपना भारत दौरा रद्द कर दिया है।

हालांकि अभी तक यह साफ नहीं है कि जापानी विदेश मंत्री शुक्रवार को होने वाली क्वाड देशों की बैठक में शामिल होंगे या नहीं। जापानी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, जापान के विदेश मंत्री की जगह एक उपमंत्री इस बैठक में शिरकत कर सकते हैं।

जापानी सरकार के इस कदम का घर में ही विरोध शुरू हो गया है। जापानी मीडिया का कहना है

कि जब जापान, चीन के खिलाफ अपनी सुरक्षा को मजबूत करने में जुटा है और भारत के साथ साझेदारी को मजबूत कर रहा है। साथ ही रूस और यूक्रेन का युद्ध चल रहा है, ऐसे वक्त में जापान के विदेश मंत्री का जी20 की बैठक में हिस्सा नहीं लेना जी20 देशों में गलत संदेश देगा। जापान के कई जनप्रतिनिधियों और वहां की जनता का भी मानना है कि विदेश मंत्री भारत में हो रही जी20 की बैठक में शामिल ना होकर एक अच्छा अवसर खो रहे हैं।

तुर्किये के भूकंप पीड़ित बच्चों को मिलेंगे हजारों टेडी बियर

इस्तांबुल, 28 फरवरी (एजेंसियां)। तुर्किये की राजधानी इस्तांबुल में तुर्किश सुपर लीग फुटबॉल मैच के दौरान दर्शकों ने भूकंप पीड़ित बच्चों के लिए मैदान में हजारों टेडी बियर उछाले। ये टेडी बियर भूकंप से प्रभावित बच्चों को गिफ्ट किए जाएंगे। टेडी उछालने के लिए 4 मिनट 17 सेकंड तक खेल रोका गया। इसकी वजह यह थी कि तुर्किये में 6 फरवरी को सुबह 4 बजकर 17 मिनट पर ही भूकंप आया था।

जिस मैच में टेडी बियर उछाले गए वो बेसिक्तास और एंटाल्यास्पोर के बीच खेला गया। हालांकि. इस दौरान कुछ लोगों ने टेडी बियर उछालने के साथ ही सरकार विरोधी नारे भी लगाए और राष्ट्रपति रिसेप तैयप एर्दोगन के इस्तीफे की मांग की।

6 फरवरी को तुर्किये-सीरिया में आए 7.8 तीव्रता के भूकंप से अकेले तुर्किए में 44 हजार से ज्यादा लोग मारे गए थे। इसमें हजारों बच्चे शामिल हैं। 5 लाख से ज्यादा लोग बेघर हुए हैं।

पाक में शाहबाज दे सकते हैं इस्तीफा

3 नए विकल्पों पर चर्चा, नेशनल या टेक्नोक्रेट सरकार नहीं बनी तो फौजी हुकूमत

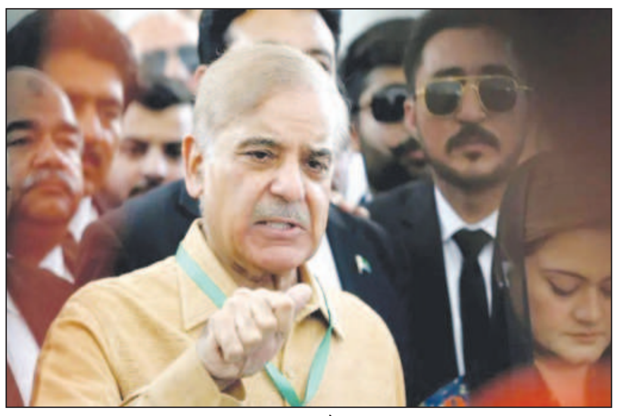

इस्लामाबाद, 28 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान पर विदेशी कर्ज 100 अरब डॉलर हो चुका है। महंगाई दर 40% के करीब हो गई। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) कर्ज की किश्त जारी करने तैयार नहीं है। चीन ने गुप्त शर्तों पर 700 मिलियन डॉलर फिर बतौर कर्ज दिए और पाकिस्तान को दिवालिया होने से कुछ दिन और बचा लिया। अब खबरें हैं कि शाहबाज शरीफ कुर्सी छोड़ सकते हैं।

इन सबके बीच, एक बहस फिर जोर पकड़ रही है कि मुल्क को इन मुश्किलों से आखिर कैसे निकाला जाए। तीन विकल्प गिनाए जा रहे हैं। पहला- नेशनल गवर्नमेंट। दूसरा-टेक्नोक्रेट गवर्नमेंट और तीसरा- मार्शल लॉ यानी फौजी हुकूमत।

यहां हम इन तीनों विकल्पों को समझते हैं और ये भी जानते हैं कि ये कितने कारगर साबित हो सकते हैं। क्या इन्हें आजमाया भी जा सकता है, या नहीं। तो चलिए विस्तार से समझते हैं।

महज 3 अरब डॉलर के फॉरेन रिजर्व (डिपॉजिट) के साथ दिवालिया होने की कगार पर खड़े पाकिस्तान को बचाने की आखिरी कोशिश शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने बुधवार रात सरकारी खर्च में जबरदस्त कटौती से जुड़े अहम ऐलान किए। कहा- मैं और कैबिनेट के बाकी मिनिस्टर्स सैलरी नहीं लेंगे। तमाम केंद्रीय मंत्री बिजली, पानी, गैस और टेलिफोन के बिल जेब से भरेंगे।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने माना है कि इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) ने 1.2 अरब डॉलर के कर्ज की तीसरी किश्त देने के लिए बेहद सख्त शर्तें रखी हैं। शरीफ ने कहा-आईएमएफ ने जो शर्तें रखी हैं वो हमारी सोच से भी ज्यादा सख्त और खतरनाक हैं, लेकिन क्या करें? हमारे पास कोई और चारा भी तो नहीं है।

ब्लिंकन की भारत यात्रा आज से

विदेश मंत्री की रवानगी से पहले अमेरिका ने की पीएम मोदी की तारीफ

वाशिंगटन, 28 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की तीन दिवसीय भारत यात्रा कल (एक मार्च) से शुरू हो रही है। वह यहां जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक के साथ ही साथ क्वाड मंत्रिस्तरीय बैठक और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ भी द्विपक्षीय मुलाकात करेंगे।

मंगलवार को विदेश मंत्री ब्लिंकन अमेरिका से नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए। वह कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान होते हुए भारत पहुंचेंगे। भारत पहुंचने से पहले ब्लिंकन इन दोनों देशों के साथ भी द्विपक्षीय बैठकों में प्रतिभाग करेंगे।

चीन-रूस और हिंद प्रशांत हो सकता है बैठक का मुद्दा

जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक में रूस-यूक्रेन युद्ध मुख्य एजेंडा होगा। इसके अलावा विदेश मंत्री जयशंकर के साथ होने वाली द्विपक्षीय बैठक में चीन और रूस की आक्रामकता और हिंद प्रशांत क्षेत्र में शांति व्यवस्था की बहाली बैठक का मुद्दा हो सकता है। दोनों नेताओं के बीच इन मुद्दों पर बातचीत संभव है।

बाइडन प्रशासन ने की पीएम मोदी की तारीफ

विदेश मंत्री की रवानगी से पहले बाइडन प्रशासन ने जमकर भारत और पीएम मोदी की तारीफ की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने बताया, भारत अमेरिका का एक वैश्विक रणनीतिक साझेदार है। उन्होंने कहा, हम एक मुक्त और खुले भारत-प्रशांत क्षेत्र के दृष्टिकोण को साझा करते हैं। क्वाड के साथ-साथ अन्य अंतरराष्ट्रीय समूहों के संदर्भ में भारत द्विपक्षीय रूप से हमारा एक प्रमुख भागीदार है। हमने हाल ही में I2U2 के बारे में काफी बात की है।

आपने पीएम मोदी को सुना

नेड प्राइस ने मीडिया के सवालों के जवाब देते हुए कहा, आपने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सुना है, उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि यह युग युद्ध का युग नहीं है। विशेष रूप से रूस नियम-आधारित आदेश और सिद्धांतों को चुनौती दे रहा है, वह अंतरराष्ट्रीय कानून, सिद्धांत और मानवाधिकारों का उल्लंघन कर रहा है। हम अपने भारतीय भागीदारों के साथ इन मुद्दों पर चर्चा करना जारी रखेंगे। मुझे कोई संदेह नहीं है कि वे जी-20 में इस के आसपास सहमत होंगे।

नेपाल फिर सियासी संकट की ओर

सबसे बड़ी सहयोगी पार्टी ने अलायंस छोड़ा, पीएम प्रचंड का कतर दौरा रद्द, 9 मार्च को राष्ट्रपति चुनाव

काठमांडू, 28 फरवरी (एजेंसियां)। नेपाल में एक बार फिर सियासी संकट दिख रहा है। गठबंधन सरकार में शामिल नेपाल यूनिफाइड मार्कसिस्ट लेननिस्ट (सीपीएन-यूएमएल) ने सोमवार को अलायंस छोड़ने का ऐलान किया। इसके चीफ पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली हैं। गठबंधन में आई दरार के बाद नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड ने 3 मार्च को होने वाला अपना कतर दौरा रद्द कर दिया है।

3 मार्च से कतर की राजधानी दोहा में सबसे कम विकसित देशों की पांचवीं कॉन्फ्रेंस होने वाली थी। इसमें प्रचंड का हिस्सा लेना काफी जरूरी था। बता दें कि 9 मार्च को नेपाल में राष्ट्रपति का चुनाव होना है।

नेपाल में दो महीने पहले प्रचंड की अगुआई में गठबंधन सरकार बनी थी। तय ये हुआ था कि शुरुआती ढाई साल प्रचंड प्रधानमंत्री रहेंगे और इसके बाद सीपीएन-यूएमएल के मुखिया केपी शर्मा ओली कुर्सी संभालेंगे।

दो महीने तक सरकार ठीक-ठाक चली। 9 मार्च को राष्ट्रपति चुनाव होना है, क्योंकि वर्तमान राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी का कार्यकाल खत्म हो रहा है। प्रचंड को गठबंधन सरकार के प्रेसिडेंशियल कैंडिडेट का समर्थन करना चाहिए था, लेकिन उन्होंने सबको हैरान कर दिया।

दो दिन पहले प्रधानमंत्री ने ऐलान किया कि वो विपक्षी पार्टी नेपाली कांग्रेस (एनसी) के कैंडिडेट रामचंद्र पौडयाल का समर्थन करेंगे। प्रचंड के इस कदम से ओली की पार्टी भड़क गई।

दूसरी तरफ, नेपाली कांग्रेस ने पौडयाल के दावे को मजबूती देने के लिए 8 पार्टियों के नेताओं की टास्क फोर्स बना दी। इससे भी बड़ी बात यह हुई कि इस टास्क फोर्स की मीटिंग प्रचंड की अगुआई में उनके ऑफिशियल रेसिडेंस (बालुवाटर) में हुई। ओली और बिफर गए।

इन पार्टियों के सांसदों से कहा गया कि वो प्रेसिडेंट इलेक्शन की वोटिंग से 2 दिन पहले यानी 7 मार्च को काठमांडू पहुंच जाएं। प्रचंड ने एनसी प्रेसिडेंट शेर बहादुर देउबा के साथ सीक्रेट मीटिंग भी की।

कैसे बचेगी सरकार?

'काठमांडू पोस्ट' के मुताबिक सीपीएन-यूएमएल के गठबंधन छोड़ने से फिलहाल, प्रचंड सरकार पर असर नहीं होगा। इसकी वजह यह है कि सीपीएन-यूएमएल के पास 79 सांसद थे। उसके अलायंस छोड़ने के बाद नेपाली कांग्रेस (89) गठबंधन में शामिल हो जाएगी।

इसके पीछे सौदेबाजी भी साफ है। नेपाली कांग्रेस के रामचंद्र पौडयाल राष्ट्रपति बन जाएंगे। दूसरी तरफ, प्रचंड को शायद ढाई साल बाद प्रधानमंत्री की कुर्सी न छोड़नी पड़े। इसकी वजह यह है कि सीपीएन-यूएमएल और ओली इस शर्त पर सरकार और गठबंधन का हिस्सा बने थे कि पहले ढाई साल प्रचंड कुर्सी पर रहेंगे और इसके बाद ओली। अब चूंकि ओली ने गठबंधन छोड़ दिया है तो प्रधानमंत्री बनने का उनका सपना फिलहाल टूट गया है। ओली की पार्टी का आरोप है कि प्रचंड ने उसे गठबंधन छोड़ने पर मजबूर किया। वो मंत्रियों पर इस्तीफे देने का दबाव बना रहे थे। हैरानी की बात यह है कि प्रचंड ने फॉरेन मिनिस्टर बिमला राय पौडयाल को काठमांडू एयरपोर्ट से वापस बुला लिया था। वो एक कॉन्फ्रेंस के लिए जिनेवा जा रहीं थीं। 68 साल के प्रचंड पिछले साल 26 दिसंबर को प्रधानमंत्री बने थे। तब उन्होंने नेपाली कांग्रेस के साथ प्री-पोल अलायंस तोड़कर उसे धोखा दिया था और ओली के साथ चले गए थे। अब ओली को धोखा दिया और नेपाली कांग्रेस के साथ चल दिए। दोनों ही बार अपने सियासी हित देखे।

खास बात यह है कि पिछले साल नवंबर में हुए चुनाव के बाद नेपाली कांग्रेस ने साफ कर दिया था कि वो प्रचंड को राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री नहीं बनने देगी। जब प्रचंड नहीं माने तो नेपाली कांग्रेस ने गठबंधन छोड़कर ओली को प्रचंड से हाथ मिलाने का मौका दे दिया।

अब लेन-देन का फॉर्मूला बिल्कुल साफ है। नेपाली कांग्रेस का कैंडिडेट राष्ट्रपति बनेगा और प्रचंड प्रधानमंत्री बने रहेंगे, लेकिन नेपाली कांग्रेस और प्रचंड के रिश्ते कभी लंबे नहीं चले। लिहाजा इस बार यह साथ कितना लंबा होगा। इसका इंतजार करना होगा। 90 के दशक में नेपाल से राजशाही को खत्म करने वाले चेहरों में सबसे बड़ा नाम प्रचंड का ही रहा है। 25 साल तक भूमिगत रहने वाले पेशे से शिक्षक 68 साल के प्रचंड के नेतृत्व में दस साल का सशस्त्र संघर्ष चलाया गया। और ये संघर्ष नेपाल में राजनीतिक परिवर्तन का एक बड़ा कारण रहा है। माओवादी इस संघर्ष को एक 'जनयुद्ध' के रूप में देखते हैं।

चितवन के नारायणी विद्या मंदिर में क्लास 10 में पढ़ते समय प्रचंड ने अपना नाम छविलाल दाहाल से बदलकर पुष्प कमल दाहाल रख लिया। साल 1981 में पंचायत विरोधी आंदोलन में भूमिगत हुए प्रचंड 20 जुलाई 2006 को बालूवाटर में सार्वजनिक रूप से दिखाई दिए।

नेपाल में 3 नाबालिगों से रेप करने वाला चीनी गिरफ्तार

49 साल के आरोपी ने तीनों लड़कियों को बंधक बनाया, नौकरी का लालच देता था

काठमांडू, 28 फरवरी (एजेंसियां)। नेपाल पुलिस ने 49 साल के चीनी नागरिक को तीन नाबालिग लड़कियों से रेप के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस कई दिन से लापता हुईं तीनों लड़कियों की तलाश कर रही थी। इस दौरान उसे ललितपुर जिले के बुंगमती एरिया के एक बंद घर के बारे में जानकारी मिली। इस घर की तलाशी ली गई तो तीन नाबालिग लड़कियां मिलीं। इन्हें बंधक बनाकर रखा गया था। यह घर एक चीनी नागरिक ने किराए से ले रखा था। उसे पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। पिछले साल भी चीन के एक नागरिक को रेप के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। नेपाल में चीन के नागरिकों का इस तरह की हरकतों में शामिल रहने के बाद बहुत तेजी से विरोध बढ़ रहा है। अखबार 'द हिमालयन टाइम्स' ने चीनी नागरिक को गिरफ्तार किए जाने की जानकारी दी है। अखबार की इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्ट के मुताबिक- जिन तीन नाबालिग लड़कियों को पुलिस ने बुंगमती एरिया के मकान से छुड़ाया है, उनमें से एक की उम्र तो महज 13 साल है। पुलिस ने कहा- तीनों लड़कियां गरीब परिवार से ताल्लुक रखती हैं और चीन के नागरिक ने उन्हें अच्छी नौकरी और बेहतर लाइफ स्टाइल का झांसा देकर जाल में फंसाया। उसने इन लड़कियों को कई बार पैसे भी दिए। आरोपी की पहचान 49 साल के यांग लिमिंग के तौर पर हुई है। वो मूल रूप से चीन के फुजियान प्रांत का रहने वाला है। यांग कई साल से नेपाल आता रहा है। इस दौरान वो किसी एक जगह टिककर नहीं रहता था। पुलिस ने एक बयान में कहा- आरोपी नेपाल के कई हिस्सों में रहा है। हमें शक है कि उसने इसी तरह कुछ और लड़कियों को अपने जाल में फंसाया। हम इन लड़कियों की तलाश कर रहे हैं ताकि आरोपी के खिलाफ मजबूत केस बनाया जा सके।

राजस्थान में 18 लाख बेरोजगार

मंत्री बोले- कारण बेरोजगारी भत्ता :विधानसभा में गूंजा वकील हत्याकांड

राठौड़ बोले- जल्द बने एडवोकेट सुरक्षा कानून

जयपुर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। युवा और खेल मंत्री अशोक चांदना ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि राजस्थान में बेरोजगारी भत्ता ज्यादा होने की वजह से बेरोजगारी के आंकड़े ज्यादा हुए हैं। चांदना बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया के सवाल का जवाब दे रहे थे।

इस दौरान उन्होंने कहा- जब से बेरोजगारी भत्ता 3500 और फिर 4000 से 4500 प्रतिमाह किया। तब से चाहे बेरोजगार हैं या नहीं, बड़ी संख्या में युवाओं ने आवेदन किए हैं। स्क्रूटनी के बाद ही पता लग पाता है कि वे बेरोजगार हैं या नहीं। बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदन बढ़ने का सबसे बड़ा कारण राजस्थान में बेरोजगारी भत्ता ज्यादा होना ही है।

दरअसल, सतीश पूनिया ने चांदना से सवाल किया था कि राजस्थान बेरोजगारी के मामले में दूसरे नंबर पर क्यों है। बेरोजगारी भत्ते के आंकड़ों में फर्क क्यों है?

प्रदेश में 18 लाख से ज्यादा बेरोजगार बेरोजगारी भत्ते के लिए रजिस्टर्ड

सतीश पूनिया के सवाल के जवाब में अशोक चांदना ने सदन में बताया- 21 फरवरी तक के रिकॉर्ड के अनुसार कुल 18 लाख 40 हजार 44 बेरोजगार रजिस्टर्ड हैं। इनमें पुरुषों की संख्या 11 लाख 22 हजार 090 और महिलाओं की संख्या 7 लाख 17 हजार 555 और अन्य 399 है।

21 फरवरी 2023 तक कुल 6 लाख 22 हजार 043 बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता दिया जा चुका है। इसमें से वर्तमान में 1,90,873 पात्र बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता दिया जा रहा है।

चांदना ने कहा- कुल लाभार्थी 6 लाख 90 हजार हैं। 10 लाख आठ हजार शिक्षित बेरोजगारों ने अप्लाई किया। इनमें से 2.65 लाख आवेदन अधूरे थे।

1.90 लाख का बेरोजगारी भत्ता चालू है। 37 हजार आवेदन अगले टर्म से मिलना चालू हो जाएगा। 28985 आवेदन जांच के लिए लंबित हैं।

4.32 लाख बेरोजगार दो साल तक बेरोजगार भत्ता ले चुके हैं। दो साल से ज्यादा बेरोजगारी भत्ता नहीं मिलता। 54 हजार बेरोजगारों के आवेदन निरस्त हुए हैं।

मंत्री ने कहा- सरकार रोजगार सहायता शिविर लगा रही है। जनवरी, 2019 से जनवरी, 2023 तक 1062 रोजगार सहायता शिविर लगाए गए हैं।

विधानसभा में शून्यकाल के दौरान जोधपुर में वकील जुगराज चौहान की हत्या और इसके विरोध में हो रही वकीलों की हड़ताल का मुद्दा गूंजा। उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने शून्यकाल में स्थगन प्रस्ताव के जरिए यह मामला उठाया।

राजेंद्र राठौड़ ने कहा- 10 दिन पहले मुख्यमंत्री के गृह क्षेत्र में वकील जुगराज चौहान की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड के विरोध में प्रदेश भर की 800 अदालतों में वकील हड़ताल पर हैं। इससे हजारों पक्षकार परेशान हो रहे हैं, जमानतें अटक गई हैं। इससे कई लोग जेलों में पड़े हैं।

राठौड़ ने कहा- जुगराज चौहान जैसे मामले कई बार हुए हैं। चार साल में दर्जनों बार ऐसे मामले हुए हैं, जब एक पक्षकार की पैरवी करने पर दूसरे पक्षकार ने वकील पर हमला किया। सरकार ने अपने चुनाव घोषणा पत्र में एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लाने का वादा किया था। एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लाना पुरानी मांग है। जनघोषणा पत्र में वादा करने के अलावा बजट में भी इसकी घोषणा की जा चुकी है। सरकार को इस मामले में तत्काल एक्शन लेना चाहिए। राजस्थान में तत्काल प्रभाव से एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लाया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि वकीलों की सुरक्षा करना राज्य सरकार की ड्यूटी है।

पूर्व सीएम राजे के जन्मदिन जरिए शक्ति-प्रदर्शन की तैयारी

पूर्व सांसद बोले- 2023 चुनाव में वसुंधरा राजे को दरकिनार नहीं कर सकते

बाड़मेर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। शेरगढ़ के पूर्व विधायक पहुंचे बाड़मेर, होटल में पूर्व सांसद, विधायकों और कार्यकर्ताओं के साथ की मीटिंग।

राजस्थान में विधानसभा चुनाव में करीब 10 माह का समय बचा है। लेकिन इससे पहले बीजेपी व कांग्रेस के नेता शक्ति प्रदर्शन कर रहे है। राजे के समर्थक पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के जन्मदिन अवसर पर राजस्थान भर से कार्यकर्ताओं के साथ मीटिंग कर सालासर बालाजी आने का न्योता दे रहे है। सोमवार को शेरगढ़ पूर्व विधायक बाबूसिंह, पूर्व सांसद कर्नल सोनाराम चौधरी, प्रदेश मंत्री के.के विश्नोई सहित सीनियर नेताओं ने बाड़मेर कार्यकर्ताओं के साथ मीटिंग की। वर्तमान जिला संगठन से जुड़े पदाधिकारी-कार्यकर्ता ने इस मीटिंग से दूरी बनाई। पूर्व सांसद कर्नल सोनाराम चौधरी ने कहा कि वसुंधरा राजे कोई छोटी-मोटी नेता नहीं है। 2023 विधानसभा चुनाव में वसुंधरा राजे का दरकिनार नहीं कर सकते है।

पूर्व विधायक बाबूसिंह ने कहा कि पूर्व सीएम वसुंधरा राजे का जन्म दिन 8 मार्च को है। लेकिन 8 मार्च को होली और रामासामा होने के कारण 4 दिन पहले 4 मार्च को सालासर बालाजी मंदिर में जन्मदिवस मना रहे है। इस प्रोग्राम के लिए प्रदेश भर के कार्यकर्ताओं को आने का न्योता दिया जा रहा है। सोमवार को बाड़मेर के कलिंगा होटल में सभी बीजेपी के कार्यकर्ताओं को न्योता दिया गया। कर्नल सोनाराम चौधरी ने कहा कि पूर्व सीएम वसुंधरा राजे का जन्मदिन हर साल कार्यकर्ता मिलकर मनाते है और इस भी कार्यकर्ताओं की भावना है कि वसुंधरा राजे का जन्मदिन 8 मार्च की बजाय 4 मार्च को सालासर बालाजी में मनाया जाए। वसुंधरा राजे राजस्थान में बीजेपी की सबसे लोकप्रिय नेता है। हम सब बीजेपी के कार्यकर्ता है। कोई आए तो ठीक नहीं आए तो भी ठीक। कई कार्यकर्ता बाहर गए हुए होंगे। कर्नल सोनाराम ने कहा- वसुंधरा राजे छोटी-मोटी नेता नहीं है राजे को पीएम भी पसंद करते है।

पूर्व सांसद सोनाराम चौधरी ने कहा कि वसुंधरा राजे कोई छोटी-मोटी नेता नहीं है वसुंधरा राजे को पीएम नरेंद्र मोदी भी पसंद करते है। राजनीति मे उतार-चढ़ाव आते रहते है। 2023 में वसुंधरा राजे कितनी जरूरी है इस सवाल के जवाब में पूर्व सांसद ने कहा कि मैं यह सोचता हूं कि वसुंधरा राजे का आप दरकिनार नहीं कर सकते है। राजस्थान बीजेपी में किसी भी तरीके का कोई झगड़ा नहीं है यह सिर्फ मीडिया की फैलाई हुई फालतू खबरें है। 4 मार्च को वसुंधरा राजे के जन्मदिन पर बाड़मेर से हजारों लोग सालासर बालाजी जाएंगे।

मीटिंग में यह हुए शामिल

बाड़मेर शहर में आयोजित मीटिंग में पूर्व सांसद कर्नल सोनाराम चौधरी, पूर्व मंत्री अमराराम चौधरी, पूर्व विधायक बाबूसिह, पूर्व विधायक एवं जिलाध्यक्ष कानसिंह कोटड़ी, पूर्व विधायक तरूण राय कागा, जोधपुर ग्रामीण के पूर्व जिलाध्यक्ष भोपालसिंह, प्रदेश मंत्री के.के विश्नोई सहित वसुंधरा राजे के समर्थक और कुछ बीजेपी के पदाधिकारी बैठक में बैठे नजर आए।

वर्तमान जिला संगठन के पदाधिकारियों ने बनाई दूरी

वसुंधरा राजे बीजेपी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष है लेकिन बाड़मेर शहर वसुंधरा राजे समर्थकों की ओर से रखी गई मीटिंग में जिले के बीजेपी संगठन के जिलाध्यक्ष से लेकर अन्य पदाधिकारियों ने दूरी बनाई। जब इस संबंध में पूर्व विधायक बाबूसिंह से सवाल पूछा गया तो उन्होंने भी गोलमाल जवाब दिया।

जातिगत गणना, ओबीसी आरक्षण अब बीजेपी-कांग्रेस की नई चुनौती

जयपुर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में जातिगत जनगणना और ओबीसी का आरक्षण 27% करने की मांग जोर पकड़ रही है। जयपुर में 5 मार्च को होने वाले जाट महाकुंभ में इन मुद्दों पर चर्चा हो सकती है।

राजस्थान में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव से पहले ओबीसी आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर खड़ा हो गया है। इस मुद्दे ने भाजपा-कांग्रेस के नेताओं की नींद उड़ा दी है। जातिगत जनगणना और उसके हिसाब से सरकारी नौकरियों में आरक्षण तय करने का नया मुद्दा राजस्थान की राजनीति को चुनावी साल में प्रभावित करेगा।

इसका समर्थन या विरोध करना किसी भी राजनीतिक दल के लिए आसान नहीं होगा। यह मुद्दा मूल रूप से बिहार से चलकर उत्तरप्रदेश होते हुए राजस्थान पहुंचा है। राजस्थान में इस मांग को लेकर 5 मार्च को जयपुर में जाट समाज के लोग जुटने वाले हैं। इस सम्मेलन की मुख्य मांग राजस्थान में भी जातिगत जनगणना करवाना और ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) को उनकी जनसंख्या में भागीदारी के हिसाब से आरक्षण देना है।

वर्तमान में राजस्थान में ओबीसी को सरकारी नौकरियों में 21 प्रतिशत आरक्षण है, जिसे बढ़ाकर 27 प्रतिशत किए जाने की मांग की जा रही है। इसके लिए जातिगत जनगणना करवाकर हर जाति-समाज के अलग-अलग आंकड़े जुटाने की मांग तेजी से बढ़ रही है। फिलहाल देश में जातिगत जनगणना करवाने का कोई प्रावधान नहीं है। इस मांग से राजस्थान की आबादी में सीधे तौर पर 50-55 प्रतिशत लोग प्रभावित हो रहे हैं। प्रदेश की कांग्रेस सरकार के सामने इस मांग पर स्टैंड लेना टेढ़ी खीर साबित होगा।

जातिगत जनगणना का समर्थन या विरोध करना मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा के लिए भी बहुत मुश्किल होगा।

राजस्थान जाट महासभा के अध्यक्ष राजाराम मील ने बताया कि जातिगत जनगणना सरकार को करवाने का फैसला करना ही चाहिए। बिना जातिगत जनगणना के किसी जाति के कितने लोग हैं,

उन्हें कितना प्रतिनिधित्व और कितनी संरक्षण मिलना चाहिए, यह तय ही नहीं हो सकता। न्यायसंगत आरक्षण और प्रतिनिधित्व तभी संभव है, जब जातिगत जनगणना करवाई जाए।

हमारी मुख्य मांग जातिगत जनगणना करवाना और उसके अनुसार ओबीसी का आरक्षण कम से कम 27 प्रतिशत किया जाना चाहिए। जाट महाकुंभ के लिए प्रदेश के सभी सांसदों-विधायकों को भी न्योता भेजा गया है।

भाजपा और कांग्रेस दोनों के सामने चुनौती

जातिगत जनगणना कराना और सरकारी नौकरियों में जातियों की संख्या के हिसाब से नौकरियों में आरक्षण देना राजस्थान ही नहीं पूरे देश में भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियों के लिए बेहद मुश्किल चुनौतियां लेकर आया है। कांग्रेस या भाजपा दोनों ही दलों ने अभी तक इस पर चुप्पी साधी हुई है। दोनों प्रमुख पार्टियों के लिए इस पर अपना पक्ष स्पष्ट करना कई कारणों से फिलहाल संभव नहीं लग रहा है।

1. कम संख्या वाली जातियों को होगा नुकसान

अगर देश में जातिगत जनगणना होती है और उसके हिसाब से ही आरक्षण तय होगा तो जो जातियां संख्या में कम होंगी, उनके लिए सरकारी नौकरियों में बहुत कम पद बचेंगे। किसी जाति की संख्या कम या ज्यादा होने से यह तय नहीं हो सकता कि उसमें युवा प्रतिभाओं की संख्या भी कम या ज्यादा ही है। ऐसे में उन जातियों में सामाजिक-राजनीतिक रोष पनपेगा। कोई भी पार्टी किसी भी जातिगत समूह को नाराज करने की स्थिति में नहीं है।

2. ओबीसी समुदाय बहुत ताकतवर, कोई भी उसे नाराज नहीं करना चाहता

जातिगत जनगणना की देशभर में मांग ज्यादातर ओबीसी समाज से आने वाले राजनेता या सामाजिक नेता कर रहे हैं। ओबीसी में चूंकि सर्वाधिक जातियां (किसी-किसी प्रदेश में तो 250 से ज्यादा भी) शामिल हैं। ऐसे में इस वर्ग की संख्या जैसे राजस्थान में लगभग 50-55 प्रतिशत है, उसी तरह से अन्य राज्यों में इस वर्ग का आकार विशाल है। ऐसे में भाजपा-कांग्रेस को इस वर्ग को अपने पक्ष में रखना बहुत जरूरी है। अगर उनकी मांग को ठुकराया जाता है, तो 50 प्रतिशत तक का वोट बैंक खिसक सकता है।

3. ओबीसी के भीतर भी बहुत से विवाद

वर्ष 2006 में गुर्जर समुदाय ने राजस्थान में आरक्षण आंदोलन ओबीसी से बाहर निकलने और एसटी में शामिल होने की मांग को लेकर किया था। हाल ही दौसा-भरतपुर क्षेत्र में भी माली-कुशवाहा समाज ने ओबीसी से बाहर निकलने की मांग की है।

हरियाणा में भी पिछले एक दशक में यह मांग और धरने-प्रदर्शन जारी है। इसका कारण यही है कि देश के हर प्रांत में ओबीसी में एक या दो जातियों का बाहुल्य है। सरकारी नौकरियों में ज्यादातर चयन उन्हीं का होता है।

अन्य जातियां दबाव महसूस कर उससे बाहर आकर दूसरे तरह के आरक्षण की मांग कर रही हैं। ऐसे में भाजपा-कांग्रेस दोनों ही के लिए इस मुद्दे के पक्ष या विपक्ष में खड़ा होना फिलहाल अधर में ही है।

बाघ कुश को आया गुस्सा, लेपर्ड को मार गिराया

टेरेटरी में आते ही हमला किया, फिर शिकार से भरा अपना पेट

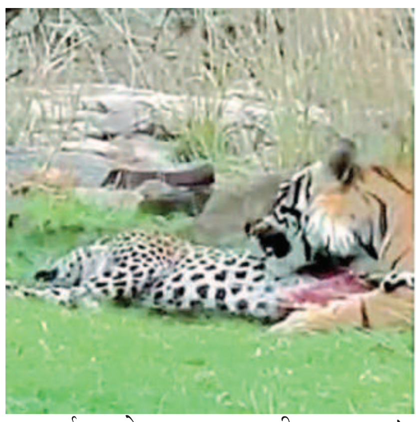

सवाई माधोपुर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। रणथम्भौर में हर दिन पर्यटकों को बाघ-बाघिन के साथ ही उन्हें शिकार करते हुए देखने का मौका मिल रहा है। हाल में बाघिन नूर ने एक लेपर्ड पर हमले के बाद अब बाघ टी-129 को शिकार करते हुए देखा गया है। इसका एक वीडियो सामने आया है। जिसमें बाघ लेपर्ड का शिकार उसे खाकर अपना पेट भर रहा है।

ये वीडियो रणथम्भौर के जोन नम्बर 9 का है। यहां रविवार शाम को पर्यटकों ने बाघिन लाडली के बेटे बाघ टी-129 कुश को देखा था। वह अपनी टेरेटरी में घूम रहा था। अचानक उसके सामने एक लेपर्ड आ गया। अपने एरिया में लेपर्ड का आना उसे नागवार गुजरा और उसके पीछे पड़ गया। कुश ने लेपर्ड पर हमला कर दिया और चंद मिनटों में ही मौत दे दी।

शिकार से भरा अपना पेट

लेपर्ड के शिकार के बाद बाघ कुश उसके चारों ओर घूमा। इसके बाद आराम से बैठकर अपने शिकार को खाया। हमले और शिकार से पेट भरने के पूरे माजरे को पर्यटकों ने देखकर अपने कैमरे में कैद किया।

सरकारी अस्पताल से बच्चा उठा ले गए कुत्ते

सिरोही, 28 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के सिरोही के सरकारी अस्पताल में अपनी मां के पास सो रहे 1 महीने के बच्चे को कुत्ते उठाकर ले गए। कुत्ते मासूम का पेट और एक हाथ खा गए, इससे उसकी मौत हो गई। रात को मां की नींद खुली तो बच्चा पास में नहीं मिला।

बच्चे की तलाश शुरू की गई तो वार्ड के बाहर पानी की टंकी के पास कुछ कुत्ते उसे नोंचते हुए मिले। महिला दौड़कर वहां गई तब तक एक कुत्ता बच्चे का हाथ मुंह में दबाकर भाग गया। कुत्तों ने उसे नोंच-नोंचकर मार डाला था। अस्पताल में सीसीटीवी लगे हैं, लेकिन फिलहाल इसके फुटेज सामने नहीं आए हैं। जानकारी के अनुसार सिरोही के पिंडवाड़ा में रह रहे महेंद्र मीणा(40) सिलिकोसिस बीमारी से पीड़ित हैं। महेंद्र का टीबी अस्पताल में इलाज चल रहा है। सोमवार रात को उसके बेड के पास नीचे फर्श पर उसकी पत्नी रेखा 1 बेटी और 2 बेटों को लेकर सो रही थी।

इस बीच देर रात को कुत्ते उसके छोटे बेटे विकास को उठाकर ले गए। रात करीब 1:30 बजे रेखा की नींद खुली तो बच्चा गायब था। फौरन बच्चे को ढूंढना शुरू किया।

अस्पताल के वार्ड से बच्चे को कुत्ते को ले जाने और उसका पेट खाने की सूचना मिलने पर अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया। मामले की सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सोमवार रात करीब 2.30 बजे बच्चे के क्षत-विक्षत शव को मॉर्च्युरी में रखवाया।

अस्पताल और जिला प्रशासन ने मंगलवार सुबह 10 बजे मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम कराया फिर 11.30 बजे तक सारणेश्वरजी रोड स्थित श्मशान घाट में दफना दिया। इस दौरान बच्चे की मां और उसके भाई-बहन भी मौजूद रहे।

जिला प्रशासन की तरफ से गठित मेडिकल बोर्ड के प्रभारी डॉ. शक्ति सिंह ने बताया कि बच्चे का सिर, एक हाथ और दो पैर बचे थे। उसका पेट और एक हाथ नहीं था। उधर, कार्यवाहक प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. वीरेंद्र महात्मा ने बताया कि रात को ड्यूटी पर मौजूद स्टाफ का फोन आया था कि वार्ड में मां के पास सो रहा एक बच्चा मिसिंग है और एक बच्चे की बॉडी मिली है।

रात करीब 3 बजे अस्पताल में आकर देखा तो बॉडी क्षत-विक्षत मिली। अभी इसकी पूरी जांच कराई जाएगी कि किन कारणों के चलते ऐसा हुआ है।

घटना की जानकारी मिलने पर सिरोही जिला प्रमुख नारायण पुरोहित, बीजेपी के जिला उपाध्यक्ष और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ अस्पताल पहुंचे और विभिन्न मांगों को लेकर धरने पर बैठ गए।

चाय बनाते भभका सिलेंडर

पड़ोसियों ने पाया काबू, तीनों हॉस्पिटल में भर्ती

भरतपुर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। भरतपुर में चाय बनाते वक्त गैस सिलेंडर दहकने से एक परिवार के 3 लोग चपेट में आ गए। इस घटना ने जोधपुर जिले के भूंगरा गांव में हुई त्रासदी याद दिला दी। हालांकि भरतपुर में हुए हादसे में झुलसे लोगों की जिंदगी बच गई। मामला भरतपुर जिले के डीग कस्बे का है। डीग के नीमगठा मोहल्ले में रहने वाले शिवराम (37) की पत्नी आज सुबह 8.30 बजे के करीब चाय बनाने के लिए रसोई में गई थी। जैसे ही उसने बर्नर जलाया, सिलेंडर ने आग पकड़ ली। इस दौरान घर में शिवराम, उसका बेटा कृष्णा (16) और बेटी तनु (11) मौजूद थे। शिवराम मजदूरी करता है। सिलेंडर ने आग पकड़ी तो शिवराम की पत्नी रसोई से भागकर कमरे में आ गई। उसके चिल्लाने की आवाज सुनकर शिवराम और उसके दोनों बच्चे रसोई में पहुंच गए। तीनों ने मिलकर आग बुझाने की कोशिश की। इसी बीच अचानक आग भड़क गई और तीनों आग की चपेट में आ गए। तीनों के चीखने चिल्लाने की आवाज सुनकर मोहल्ले वाले भी जमा हो गए। दोनों बच्चों और पति को आग में घिरा देख शिवराम की पत्नी बेहोश हो गई। इसके बाद मोहल्ले के लोगों ने गीली टाट डालकर सिलेंडर की आग पर काबू पाया और सिलेंडर उठाकर मकान से बाहर सड़क पर ले आए। इसके बाद झुलसे शिवराम, कृष्णा और तनु को डीग हॉस्पिटल पहुंचाया। नीमघटा मोहल्ले के स्थानीय लोगों ने बताया कि सिलेंडर में आग लगने से मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई। पड़ोसियों ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घर में उस वक्त चार सदस्य ही मौजूद थे।

शिवराम के पड़ोसी तीनों घायलों को इलाज के लिए डीग के राजकीय रेफरल अस्पताल लाया गया। जहां पर तीनों का प्राथमिक उपचार किया गया। इसके बाद हालत गंभीर होने के चलते तीनों को आरबीएम (राय बहादुर मेमोरियल) अस्पताल भरतपुर के लिए रेफर कर दिया गया। आग की सूचना मिलते ही उपखंड अधिकारी रवि कुमार गोयल, सीओ आशीष कुमार प्रजापत डीग हॉस्पिटल पहुंचे और घटना की जानकारी ली। आग लगने से रसोई में रखा सामान जलकर राख हो गया। हादसे में शिवराम (37), कृष्णा (16), तनु (11) झुलस गए।

उपखंड अधिकारी रवि कुमार गोयल ने बताया कि आग की सूचना मिलते ही हम रेफरल चिकित्सालय पहुंचे। जहां पर हमने तीनों झुलसे घायलों को देखा। हालत गंभीर होने के चलते डॉक्टर ने तीनों घायलों को आरबीएम अस्पताल भरतपुर के लिए रेफर कर दिया है।

2 बाइक की टक्कर में पिता-पुत्र सहित 3 की मौत

उछल कर सड़क पर गिरे युवक को ट्रॉले ने कुचला

बांसवाड़ा, 28 फरवरी (एजेंसियां)। दो बाइक की आमने-सामने की टक्कर में पिता-पुत्र सहित तीन की मौत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि सामने वाला बाइक सवार उछल कर वहां से निकल रहे ट्रॉले के नीचे आ गया। मौके पर ही उसने भी दम तोड़ दिया। हादसा बांसवाड़ा के कलिंजरा इलाके में हुआ है।

बाइक सवार अंबापुरा निवासी मुकेश प्रजापत 38 पुत्र धूलजी अपने पांच साल के बेटे चीकू एवं अपनी पत्नी ललिता प्रजापत (35) के साथ बाइक से सोमवार सुबह करीब 11 बजे सज्जनगढ़ की ओर जा रहा था। कलिंजरा थाना क्षेत्र के चिरौला बड़ा सड़क मार्ग पर उसकी बाइक सामने से आ रही बाइक से भिड़ गई। इससे मुकेश पुत्र धूल जी एवं उसके 5 वर्षीय बेटे चीकू की मौके पर मौत हो गई। सामने से दूसरा बाइक सवार अनस मोहम्मद (24) जैसे ही दूसरी बाइक से टकराया वह उछलकर सड़क किनारे जा रहे ट्रॉले के नीचे जा घुसा। ट्रॉला उसे कुचलता हुआ निकल गया। अनस के साथ बाइक पर अजय यादव (22) सवार था। अजय को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाइक अनस चला रहा था। घटना के बाद मुकेश प्रजापत के परिवार में मातम छा गया। चीकू इकलौता बेटा था। एक बेटी है, जो घर पर थी। पूरे गांव में शोक छा गया। मुकेश प्रजापत की किराने की दुकान है। उसका मिट्टी के बर्तन बनाने का पुश्तैनी कारोबार भी है। कलिंजरा थाना के हेड कांस्टेबल रविंद्र ने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अनस मोहम्मद तेज गति से बाइक लेकर आ रहा था। तेज स्पीड के कारण ही हादसा हुआ। मुकेश अपनी पत्नी और बच्चे को लेकर रिश्तेदार के यहां कलिंजरा सज्जनगढ़ जा रहे थे। रास्ते में हादसे के शिकार हो गए।

गरीबों की मदद के लिए कांग्रेस को सत्ता में लौटना चाहिए : टीपीसीसी प्रमुख

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी ने आज कहा कि राज्य में गरीब लोगों की भलाई के लिए कांग्रेस पार्टी को तेलंगाना में सत्ता में आना चाहिए। उन्होंने हाथ से हाथ जोड़ो पदयात्रा के तहत जयशंकर भूपालपल्ले जिला मुख्यालय के कासिमपल्ली में छात्रों के साथ बातचीत करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि अलग तेलंगाना राज्य आंदोलन छात्रों द्वारा किया गया था और याद दिलाया कि उन्होंने न केवल अपनी शिक्षा के लिए बल्कि आंदोलन के दौरान अलग राज्य के लिए भी लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने कहा कि अलग तेलंगाना राज्य आंदोलन का अंतिम चरण केवल छात्रों की भागीदारी के कारण गंभीर हो गया था, न कि केवल राजनेताओं द्वारा निभाई गई भूमिका के कारण। उन्होंने कहा कि कई छात्रों ने उनसे शुल्क प्रतिपूर्ति का भुगतान न करने और उनके

शिक्षण संस्थानों में छात्राओं के लिए बुनियादी सुविधाओं की कमी के बारे में शिकायत की और कहा कि जिन छात्रों को उनकी फीस प्रतिपूर्ति बकाया नहीं मिल रही है, उन्हें अपने प्रमाण पत्र प्राप्त करने में समस्या का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि छात्रों ने उनसे नौकरी और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने का आग्रह किया था। आगे बोलते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना में महिलाओं और लड़कियों के लिए कोई सुरक्षा नहीं है और यह उनके लिए चिंता का विषय बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर ने तेलंगाना में शासन भगवान के भरोसे छोड़ दिया है। केसीआर के तेलंगाना मॉडल का जिक्र करते हुए उन्होंने मजाक उड़ाया कि यह न्यूनतम शासन और अधिकतम राजनीति के अलावा कुछ नहीं है। यह कहते हुए कि उन्होंने तेलंगाना में अपनी पार्टी के शासन में 30,000 स्कूल खोले, उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर ने अपने शासन में 6354 स्कूल बंद कर दिए और कहा कि स्कूलों के बंद होने से राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों की ड्रॉपआउट दर में वृद्धि हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर सरकार निजी विश्वविद्यालयों को अनुमति देकर सार्वजनिक विश्वविद्यालयों को कमजोर कर रही है और कहा कि निजी विश्वविद्यालयों में गरीब छात्रों के लिए कोई आरक्षण नहीं होगा। रेवंत रेड्डी ने कहा कि यह कांग्रेस ही थी जिसने गरीब लोगों की भूख को खत्म करने के लिए देश में हरित क्रांति लाई थी और कहा कि उनकी पार्टी ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की स्थापना करते हुए देश के लाखों लोगों को रोजगार भी प्रदान किया था। विभिन्न समुदायों को आरक्षण के प्रावधान के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस उन कंपनियों में विभिन्न समुदायों को आरक्षण प्रदान करने के विचार के साथ खिलवाड़ कर रही है, जो राज्य और केंद्र सरकारों से लाभ उठाती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम ने कांग्रेस पार्टी द्वारा स्थापित सार्वजनिक उपक्रमों को अपने कॉर्पोरेट मित्रों को बहुत कम कीमतों पर बेच दिया, जबकि इसे एक खतरनाक प्रथा करार दिया।

स्व. श्रीकुमार बोरा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर संकलित पुस्तक लोकार्पित

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कवि-नाटककार स्व. श्रीकुमार बोरा की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम सुल्तान बाज़ार, हैदराबाद स्थित सभागार श्रीकृष्ण देवराय में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता की लातूर, महाराष्ट्र के सुप्रसिद्ध कवि-शायर सुरेश गीर सागर ने। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अहिल्या मिश्र के साथ मंचासीन रहे विशिष्ट अतिथि अनंत कदम, विशेष अतिथि डॉ. नयन भादुले राजमाने, डॉ. कुमुद बाला एवं नीताजी बोरा। मंचासीन विद्वत जनों द्वारा दीप प्रज्वलन के अनंतर पुरुषोत्तम कड़ेल ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। मंच पर सभी अतिथियों का क्रम से संक्षिप्त परिचय पुरुषोत्तम कड़ेल, वेंकटेश कुलकर्णी, सुमन लता, उमादेवी सोनी, सविता सोनी एवं दिलीप

बोरा ने प्रस्तुत किया अनंतर मंचासीन विद्वत जनों का शॉल, मोतीमाला एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। प्रथम सत्र में पुस्तक-लोकार्पण कार्यक्रम का संचालन उमादेवी सोनी ने किया। देवा प्रसाद मयला द्वारा संपादित पुस्तक "श्रीकुमार बोरा- एक स्मृति' का लोकार्पण सुरेश गीर सागर के करकमलों से हुआ। पुस्तक-समीक्षा करते डॉ. नयन राजमाने ने कहा कि पुस्तक के 14 कवियों-लेखकों की रचनाओं में श्रीकुमार बोरा का संपूर्ण व्यक्तित्व एवं कृतित्व उभरकर आया है। प्रस्तुत हर चित्र बहुत कुछ बोलता है। राजमाने जी ने पुस्तक के हर अंश को छुआ। सुंदर विश्लेषण किया। संदर्भ में मुख्य वक्ता डॉ. अहिल्या मिश्र ने अपने प्रभावपूर्ण शब्दों में श्रीकुमार के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला।

महाराष्ट्र से पधारे कवि-कवयित्रियों की ओर से शांता बाई गिरबने ने पुस्तक-संपादन व कार्यक्रम में सहयोग देने हेतु देवा प्रसाद मयला का शॉल से सम्मानित किया अपनी एक पुस्तक भी भेंट की। साथ ही विमल मुदाले ने देवा प्रसाद को अपनी पुस्तक भेंट की। डॉ. टी. सी. वसंता की दो-दो पुस्तकें सुरेश गीर सागर तथा नयन राजमाने को भेंट की गयीं।

जिला परिषद उच्च विद्यालय नागोल में जागरूकता कार्यक्रम

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सी.सी.आर.ए.एस), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुपालन में, अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के भाग के रूप में, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान,(रा.भा.चि.सं.सं) हैदराबाद द्वारा जिला परिषद उच्च विद्यालय (जेड.पी.एच.एस) नागोल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. जी.पी.प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, (रा.भा.चि.सं.सं) हैदराबाद की एक टीम डॉ. क्रिस आन्टणी अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद), के. श्रीनिवास राव, पुस्तकालयध्यक्ष, डॉ. एम. शिव कृष्ण, डॉ. एल.वी. श्रीवाणी, रवि बाबू ,छायाचित्रकार और विद्यालय प्रधानाचार्य श्रीमती. एन.लक्ष्मी देवी, श्री. टी. वेंकटेश, एसए ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान, रागुलु (फिंगर मिलेट), अरेकालू (कोदो मिलेट), कोरालू (फॉक्सटेल मिलेट), समालू (लिटिल मिलेट), ओडालू (बार्नयार्ड मिलेट), सज्जलू (पर्ल मिलेट), ज्वार (सोरघम), वरिगालु (प्रोसो बाजरा) जैसे पोषक अनाज प्रदर्शित किए गए हैं और छात्रों को दैनिक आहार में उनके महत्व को समझाया गया।

कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया और विद्यालय में पोषक अनाज के वार्तालाप में शामिल हो गए।

फाल्गुन की मस्ती प्रोग्राम 4 मार्च को, हुई बैठक

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना राणी सती दादी महिला शाखा घांसी बाजार की कार्यकारिणी सभा केंद्रीय समिति सदस्य रिंकू गर्ग के निवास स्थान पर संपन्न हुई। सभा में उपस्थित सभी की सहमति से 4 मार्च को फाल्गुन की मस्ती प्रोग्राम रखने का निर्णय लिया गया। बाबू खान इस्टेट बशीरबाग अग्रसेन हॉल सातवां माला पर रखना तय हुआ। इसमें स्पेशल होली तंबोला, होली क्यों मनाई जाती है उसके ऊपर ड्रामा, फूलों की होली राधा कृष्ण के साथ, व प्रतियोगिता भी रखी जा रही है होली की पूजा की थाल व पिचकारी सजावट जोकि आप लोगों को घर से ही सजा कर लाना है। शाखा के सभी सदस्यों को निःशुल्क प्रवेश रहेगा और जो शाखा में सदस्य नहीं है उनको शुल्क द्वारा प्रवेश रहेगा। आने वाले सभी सदस्यों को उपहार दिया जाएगा। बैठक में उपस्थित महिलाएं अध्यक्ष अर्चना संघी, उपाध्यक्ष हेमा अग्रवाल, मंत्री मोनिका अग्रवाल, सह मंत्री ममता अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य रिंकू गर्ग, कार्यकारिणी सदस्य शुशीला केडिया, कविता गोयल ,पूनम तुलसियान, अंजू अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, कविता संघी आदि उपस्थित थी।

वैज्ञानिक प्रदर्शनी से बढ़ता है वैज्ञानिक दृष्टिकोण : गज्जला योगानंद

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय पापीरेड्डी नगर मंडल के राजधानी हाई स्कूल में भारतीय जनता पार्टी सेरिलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी गज्जला योगानंद ने नरेंद्र गुप्ता के मार्गदर्शन में सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक छात्रों की विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लिया। इस अवसर पर योगानंद ने कहा कि छात्रों ने उत्कृष्ट वैज्ञानिक प्रदर्शन, वैज्ञानिक विचार, रचनात्मकता और वैज्ञानिक प्रदर्शन के साथ छात्रों में वृद्धि की है और वैज्ञानिक प्रस्तुतियों के कारण छात्रों को साल में एक दिन के बजाय कई लाभ मिलते हैं। इस अवसर पर नरेंद्र गुप्ता, राज्य कार्य समूह के सदस्य अर्चनापल्ली सूर्य राव, समन्वयक कार्तिक, अध्यक्ष भूपाल रेड्डी, महासचिव गंगुला राजा रेड्डी, उपाध्यक्ष इंद्र कुमार रेड्डी, विश्वकर्मा संगम के राज्य सह संयोजक गोवर्धन अचारी, राज्य, विभिन्न मोर्चों के जिला नेता, शिक्षक, इसमें छात्र-छात्राओं, स्कूल प्रबंधन व छात्रों के अभिभावकों ने भाग लिया।

अजा व अजजा संघों के प्रतिनिधियों और संपर्क अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया गया

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एनटीपीसी-दक्षिणी क्षेत्र मुख्यालय ने हैदराबाद में एसआरएचक्यू कार्यालय में एससी/एसटी संघों के प्रतिनिधियों और दक्षिणी क्षेत्र परियोजनाओं के संपर्क अधिकारियों के लिए एक दिवसीय जागरूकता-सह-बातचीत बैठक आयोजित की। अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में देबाशीष चट्टोपाध्याय, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक, एनटीपीसी-दक्षिणी क्षेत्र ने विशेष रूप से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए कर्मचारियों के कल्याण पर कंपनी की मजबूत नीति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने आगे कर्मचारियों को उच्च प्रदर्शन के आधार पर अपनी पहचान बनाने के लिए प्रेरित किया जो नौकरी की संतुष्टि के साथ-साथ करियर की वृद्धि भी देता है। इससे पहले महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री मणिकांत ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और उनके सवालों के जवाब देने के अलावा नीतिगत प्रावधानों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने आगे प्रतिभागियों को व्यक्तिगत मुद्दों से ऊपर उठने और विकास पर जोर देने के साथ काम करने के समग्र तरीके पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। कार्यक्रम में एनटीपीसी-रामागुंडम, सिम्हाद्री, कुडगी, एनटीईसीएल-वल्लूर और एसआरएचक्यू से भागीदारी देखी गई है।

महाराणा प्रताप का राज्याभिषेक दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बोंदिली राजपूत वेलफेयर एसोसिएशन, तेलंगाना प्रदेश कि ओर से आज हसमतगंज, कोठी स्तित महाराणा प्रताप की प्रतिमा के समक्ष महाराणा प्रताप सिंह जी का राज्याभिषेक दिवस मनाया गया। ठाकुर रामेश्वर सिंह बैस, प्रदेश अध्यक्ष द्वारा महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर जलाभिषेक, माल्यार्पण, पूजा अर्चना, आरती की। कार्यक्रम में समाजसेवी व महेश बैंक के निदेशक गोविन्द नारायण राठी ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और महाराणा प्रताप की जीवनी पर प्रकाश डाला। ठाकुर रामेश्वर सिंह बैस ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में महाराणा प्रताप की वीरता, देश भक्ति, मातृभूमि की रक्षा, आदर्शों पर युवा पीढ़ी चल कर आत्मनिर्भर भारत बनाने का जो हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के हाथ मजबूत करने की अपील की। इस अवसर पर ठाकुर रंजीत सिंह, ठाकुर कमल सिंह, ठाकुर गणेश सिंह, ठाकुर विवेक सिंह सन्नी आदि उपस्थित थे।

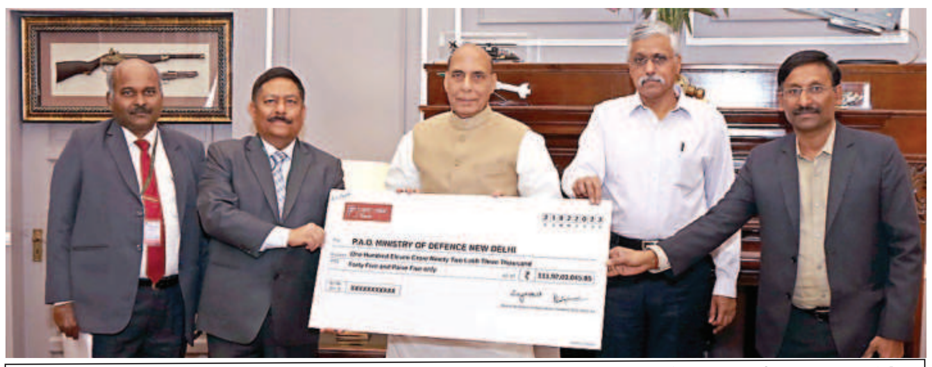

बीडीएल के सीएमडी कमोडोर सिद्धार्थ मिश्रा (सेवानिवृत्त) ने नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को बीडीएल में भारत सरकार की हिस्सेदारी से संबंधित अंतरिम लाभांश के रूप में 111.9203 करोड़ रुपये का चेक प्रदान किया। इस अवसर पर गिरिधर अरमाने, सचिव (रक्षा उत्पादन), टी. नटराजन, अतिरिक्त सचिव (रक्षा उत्पादन), रक्षा मंत्रालय और नुका श्रीनिवासुलु, निदेशक (वित्त), बीडीएल इस अवसर पर उपस्थित थे।

शब्दाक्षर तेलंगाना का काव्य वन विहार संपन्न

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शब्दाक्षर तेलंगाना प्रदेश का काव्य महोत्सव संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष ज्योति नारायण ने की तथा संचालन प्रदेश सचिव राजीव कुमार सिंह ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि वेणुगोपाल भट्टड़ एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में शब्दाक्षर तेलंगाना के परामर्शदाता अजित गुप्ता मंचासीन थे। अतिथियों के स्वागत सम्मान के पश्चात कार्यक्रम का आरंभ शब्दाक्षर तेलंगाना उपाध्यक्ष प्रदीप भट्ट ने सरस्वती वंदना से किया, तथा शब्दाक्षर गीत का गायन शिल्पी भटनागर ने किया। कार्यक्रम के आरंभ में प्रदेश अध्यक्ष एवं कार्यक्रम अध्यक्ष ज्योति नारायण ने शब्दाक्षर साहित्यिक संस्था के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में बसंत होली प्रेम गीत समसामयिक घटनाचक्र एवं हास्य व्यंग पर रचनाएं सुनाई गई, जिन्हें उपस्थित कवि एवं कवित्रियों ने एवं श्रोताओं ने मुक्त कंठ से सराहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वेणुगोपाल भट्टड़, शब्दाक्षर तेलंगाना परामर्शदाता अजित गुप्ता, कोषाध्यक्ष शब्दाक्षर तेलंगाना प्रेम नारायण, साहित्य मंत्री सुनीता लूल्ला, उपाध्यक्ष प्रदीप भट्ट,संगठन मंत्री शिल्पी भटनागर,जिला अध्यक्ष तेलंगाना अजय कुमार पाण्डेय,चंद्र प्रकाश दायमा, राशि सिन्हा,संतोष कुमार रज़ा, सुहास भटनागर, संदीप तिवारी,विनोद गिरि अनोखा,अद्रिका कुमार ने शब्दाक्षर तेलंगाना सचिव राजीव कुमार सिंह के सुन्दर संचालन में काव्यपाठ किया।

जनसेवा संघ मीरपेट समिति ने की बैठक

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जनसेवा संघ मीरपेट क्षेत्रीय इकाई की बैठक जन सेवा संघ के कोषाध्यक्ष एवं साउथ जोन के प्रेसिडेंट एके मिश्रा के नेतृत्व में आयोजन किया गया। बैठक में सदस्यता अभियान चलाने, नवीनीकरण पर गहन विचार विमर्श किया गया। बैठक में एके मिश्रा ने सभी सदस्यों से संस्था के उद्देश्यों को पूरे क्षेत्र में प्रचार प्रसार करने का आग्रह किया तथा मीरपेट क्षेत्रीय अध्यक्ष के रूप में मनोज कुमार को मनोनीत किया गया। इस अवसर पर सुधीर जायसवाल, सत्य प्रकाश सिंह, मनोज कुमार यादव, संदीप सिंह, रवि नायक, विनोद कुमार कुशवाहा, एस के श्रीवास्तव, महेंदर, विनोद यादव, मधुसूदन, अजित यादव, रवि, निरंजन, प्रशांत, रविंदर, महेंदर यादव, राजू, साई चंद, राजाराम, परशराम, अशोक, श्रवण, श्रीकांत, कृष्णम राजू आदि उपस्थित हुए।

अग्रवाल समाज हिमायत नगर शाखा का होलिका दहन 7 को, हुई कार्यकारिणी सभा

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, हिमायत नगर शाखा की चतुर्थ कार्यकारिणी सभा अध्यक्ष पवन भुवानिया के निवास स्थान हिमायत नगर पर संपन्न हुई। आज यहाँ शाखा की मानद मंत्री रमा बाजोरिया द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार महाराजा अग्रसेन की वंदना के साथ साथ सभा का शुभारंभ हुआ। अध्यक्ष पवन भुवानिया ने सभा का स्वागत किया। सचिव रमा बाजोरिया ने गत सभा की रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसका सबने अनुमोदन किया। इसके पश्चात् होलिका दहन पर चर्चा हुई। संस्थापक एवं केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्य डीपी अग्रवाल ने संजय अग्रवाल के निवास पर गत वर्ष की तरह होलिका दहन का सुझाव दिया। 6 मार्च को डंडा-रोपण एवम भट्टा समाप्त होने होलिका दहन भट्टा समाप्त होने किन्तु पश्चात 7 मार्च सुबह 5-30 बजे करने का निश्चय लिया गया। इस कार्यक्रम के संयोजन का भार संजय अग्रवाल को सौंपा गया।ग्रीष्म काल को देखते हुए प्याऊ लगाने पर चर्चा हुई कि जिसका सबने अनुमोदन किया। महिला समिति की संयोजिका सुमन भुवानिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया। पवन भुवानिया के सौजन्य से अल्पाहार के साथ सभा संपन्न हुई। इस अवसर पर केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्य डीपी अग्रवाल, अध्यक्ष पवन भुवानिया, सचिव रमा बाजोरिया, सहमंत्री नवीन आलमाल, युवा संयोजक विकास अग्रवाल, आनन्द डालमिया, महिला संयोजिका सुमन भुवानिया आदि उपस्थित थे।

रामगोपालपेट संभाग के कलसीगुड़ा क्षेत्र में आयोजित प्रजा गोसा-बीजेपी भरोसा सभा में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री मर्री शशिधर रेड्डी, बीजेपी जिला अध्यक्ष श्याम सुंदर गौड़, स्थानीय पार्षद श्रीमती चीरा सुचित्रा श्रीकांत, जिला सह

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

मनीष सिसोदिया और ...

मनीष सिसोदिया को दिल्ली की एक कोर्ट ने पांच दिनों के लिए सीबीआई कस्टडी में भेज दिया है।

मनीष सिसोदिया के कद का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्हें दिल्ली के मुख्यमंत्री ने 33 विभागों में से 18 विभाग सौंपे हुए थे। इन विभागों में शिक्षा के अलावा वित्त और गृह मंत्रालय भी शामिल है। पिछले साल दिल्ली सरकार में मंत्री सत्येंद्र जैन के जेल पहुंचने के बाद उनके विभाग भी मनीष सिसोदिया को ही सौंप दिए गए थे।

भारत के भगोड़े ...

फिलिस्तीन और बलूचिस्तान के प्रतिनिधि भी यूएन मीटिंग्स का हिस्सा रह चुके हैं। कैलासा को आज तक किसी भी देश ने अलग कंट्री के तौर पर मान्यता नहीं दी है।

2010 में नित्यानंद की एक शिष्या ने उस पर रेप का आरोप लगाया था। तहकीकात के बाद 2019 में गुजरात पुलिस ने कहा था कि नित्यानंद के आश्रम में बच्चों को किडनैप करके रखा जाता है। इसके बाद पुलिस ने छापा मारकर 2 लोगों को गिरफ्तार किया था। आश्रम में बच्चों की पिटाई भी की जाती थी। नित्यानंद ने हमेशा अपने खिलाफ लगे सभी आरोपों को खारिज किया।

नित्यानंद 2019 में देश छोड़कर भाग गया था। बाद में उसने अमेरिका के नजदीक 'रिपब्लिक ऑफ कैलासा' नाम का अपना अलग द्वीप बसाने का दावा किया था। नित्यानंद ने इसे दुनिया का पहला आजाद हिन्दू देश बताया था।

जस्टिस पहले करेंगे ...

आरोप के मुताबिक कुख्यात तस्कर वीरप्पन की दहशत उस समय पूरे जोरों पर थी। सरकार के निर्देश पर तीनों महकमों (फारेस्ट, पुलिस और रेवेन्यू) ने उसको तलाश करने के लिए एक अभियान चलाया। जून 1992 में फारेस्ट के 155, पुलिस के 108 और राजस्व विभाग के 6 अफसर आदिवासी गांव वछाती में घुसे थे। आरोप है कि इन लोगों के हाथ वीरप्पन तो नहीं लगा लेकिन गांव वालों को इन लोगों ने नहीं बख्शा। वहां जमकर लूटपाट की गई। आरोप तो यहां तक भी है कि इन लोगों ने जानवरों को मारने के साथ एक महिला के साथ रेप भी किया।

मोस्ट वांटेड सरफराज ...

डीसीपी इंटेलिजेंस रजत सकलेचा ने बताया कि पूछताछ जारी है। मुंबई पुलिस की टीम भी इंदौर पहुंच गई है।

सरफराज ने बताया कि उसने हॉन्गकॉन्ग में चाइनीज महिला से शादी की थी। उससे विवाद के बाद से वह यहां आ गया था। यहां भारत में भी उसने 4 शादियां की हैं। सभी से इस बारे में पूछताछ की जा रही है।

सोमवार को इंटेलिजेंस टीम ने ग्रीन पार्क कॉलोनी में घर तलाश लिया और उसके माता-पिता से पूछताछ की। इसके अलावा दो और लोगों से पूछताछ की गई। ये लोग कई सालों से सरफराज के साथ यहीं रह रहे हैं। सरफराज का सर्वाधिक मूवमेंट ग्रीन पार्क और खजराना में रहा है।

अग्रवाल समाज सनराईस वैली अत्तापुर शाखा में महिलाओं द्वारा आनंद अग्रवाल के निवास पर आयोजित तृतीय फूलों की होली व भजन का दृश्य।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट आज से

स्टीव स्मिथ करेंगे कंगारू टीम की कप्तानी; दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11

इंदौर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट एक मार्च से इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेला जाएगा। 4 मैचों की सीरीज के 2 मैच जीतकर भारत सीरीज में 2-0 से आगे है। तीसरा टेस्ट जीतने के साथ टीम इंडिया लगातार चौथी बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीत लेगी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया इस मैच को जीतकर भारत में 19 सालों में दूसरी जीत दर्ज करना चाहेगा।

भारत जहां अपनी फुल स्ट्रेंथ टीम लेकर उतरेगा, वहीं कंगारू टीम के कप्तान पैट कमिंस पारिवारिक कारणों से ऑस्ट्रेलिया चले गए हैं। उनकी जगह उप कप्तान स्टीव स्मिथ टीम की कमान संभालेंगे। आगे स्टोरी में हम दोनों टीमों के हेड-टु-हेड रिकॉर्ड, पिच रिपोर्ट, वेदर कंडीशन और सीरीज के टॉप परफॉर्मर पर नजर डालेंगे।

कमिंस की जगह स्मिथ करेंगे कप्तानी

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस पारिवारिक कारणों से ऑस्ट्रेलिया लौट गए। वह तीसरा टेस्ट नहीं खेलेंगे। उनकी जगह उप कप्तान स्टीव स्मिथ टीम की कमान संभालेंगे। टीम मैनेजमेंट कमिंस की जगह मिचेल स्टार्क को टीम में शामिल कर सकती है। भारत में स्टार्क का बॉलिंग रिकॉर्ड तो कुछ खास नहीं है, लेकिन बैटिंग से उन्होंने यहां 4 टेस्ट में 263 से रन बनाए हैं। बॉलिंग से उन्हें इस दौरान 7 ही विकेट मिले।

भारत में हावी टीम इंडिया

घरेलू मैदान पर टेस्ट में टीम इंडिया हमेशा से शानदार परफॉर्म करती आ रही है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी घर में दोनों के बीच 52 मैच खेले गए। 23 में भारत और 13 में ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली। एक मुकाबला टाई रहा और 15 ड्रॉ रहे। इंदौर में दोनों के बीच कोई टेस्ट मैच नहीं हुआ, लेकिन भारत ने यहां 2 मुकाबले खेले और दोनों में ही जीत हासिल की।

ओवरऑल दोनों टीमों के बीच 104 टेस्ट खेले गए हैं। 32 में भारत और 43 में ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली। एक मुकाबला टाई रहा और 28 ड्रॉ भी रहे।

रोहित सीरीज के टॉप रन स्कोरर

सीरीज के टॉप परफॉर्मर की बात करें तो बॉलर्स ही टॉप पर हैं। लेकिन, सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने शानदार बैटिंग की। सीरीज के 2 मैचों में उनके नाम सबसे ज्यादा 183 रन हैं। इनमें एक शतक भी शामिल है। 158 रन के साथ अक्षर पटेल दूसरे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया से मार्नस लाबुशेन ने सबसे ज्यादा 119 रन बनाए हैं।

जडेजा-अश्विन से पार नहीं पा सके कंगारू

शुरुआती 2 टेस्ट में भारत के रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन ने कंगारू बैटर्स को खुल कर खेलने नहीं दिया। जडेजा ने सीरीज के 2 मैचों में 17, तो वहीं अश्विन ने 14 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया से इस सीरीज में डेब्यू करने वाले टॉड मर्फी 10 विकेट के साथ टीम के टॉप विकेट टेकर हैं। 8 विकेट के साथ नाथन लायन उनके बाद हैं।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11...

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएस भरत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, अक्षर पटेल, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज।

ऑस्ट्रेलिया : स्टीव स्मिथ (कप्तान), ट्रेविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, पीटर हैंड्सकम्ब, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), कैमरून ग्रीन, मिचेल स्टार्क, नाथन लायन, टॉड मर्फी और मैथ्यू कुहनेमन।

पावर हिटिंग में महिला क्रिकेटर पीछे

120 गेंद में 116 रन बनाती हैं, पुरुष 151 रन

वुमन क्रिकेट में 160 का स्कोर जीत की गारंटी

मुंबई, 28 फरवरी (एजेंसियां)। क्रिकेट के टी-20 फॉर्मेट में पावर हिटिंग सबसे अहम है। इस डिपार्टमेंट में महिलाएं पुरुषों से पिछड़ती नजर आ रही हैं। महिला टीम 120 गेंदों में औसतन 116 रन बना पाती हैं। पुरुष 151 रन बना लेते हैं। प्रति ओवर रन रेट और स्ट्राइक रेट के मामले में भी महिलाएं पीछे ही हैं। हाल में हुए वुमंस टी-20 वर्ल्ड कप के आंकड़ों का एनालिसिस करने पर ऐसे कई अंतर सामने आते हैं। इस स्टोरी में बात इन्हीं स्टैट्स की।

1. वुमंस टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट इंग्लैंड का, पर सेमी में बाहर हुई

महिला टी20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया सभी को पछाड़ते हुए छठी बार चैम्पियन बनी। टी20 फॉर्मेट के हिसाब से बल्लेबाजी में वह टीम सर्वश्रेष्ठ नहीं थी। उसे दूसरी टीमों के कमजोर खेल का फायदा मिला। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 134 की स्ट्राइक रेट से रन बनाने वाली इंग्लैंड सेमीफाइनल में बाहर हो गई और 123 के स्ट्राइक रेट से खेलने वाली ऑस्ट्रेलिया ने खिताब बचा लिया।

2. महिला वर्ल्ड कप में प्रति ओवर 6.90 रन बने, पुरुषों में 7.50 रन रेट रहा

टूर्नामेंट में 120 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से रन बनाने वाली केवल यही दो टीमें रहीं। प्रतियोगिता में प्रति ओवर औसतन 6.90 रन बने। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में पुरुष टी20 वर्ल्ड कप में 16 में से सिर्फ एक टीम यूएई (90.96) ने टूर्नामेंट में 100 से कम की स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे, जबकि टूर्नामेंट में 7.50 रन प्रति ओवर बने थे।

3. वुमन क्रिकेट में हर ओवर में 6 रन बनाना भी चुनौती

महिला टीमें 5.78 की रन रेट के साथ हर ओवर में 6 रन बनाने में भी संघर्ष करती नजर आती हैं। सबसे सफल महिला टीम ऑस्ट्रेलिया का भी टी20 स्ट्राइक रेट 114 का ही है। इसका कारण स्किल की कमी भी नहीं है, क्योंकि महिला क्रिकेट में 420 पारियों में ऐसे वाकये हो चुके हैं, जब टीमें बिना ऑलआउट हुए 20 ओवर खेलकर भी 100 से कम रन बना पाई। महिला क्रिकेट में पावर हिटिंग में सुधार की काफी गुंजाइश है।

ऑस्ट्रेलिया विमेंस टीम का स्ट्राइक रेट सबसे ज्यादा

टीम	पुरुष	महिला	अंतर
भारत	134.29	103.39	30.33
इंग्लैंड	133.18	110.27	22.91
ऑस्ट्रेलिया	132.17	114.29	17.88
दक्षिण अफ्रीका	130.48	98.23	32.25
न्यूजीलैंड	129.41	104.54	24.87
पाकिस्तान	122.97	85.99	36.98
वेस्टइंडीज	122.48	91.77	30.71
श्रीलंका	118.81	83.9	34.91

4. महिला क्रिकेट में टीमें 93% बार 160 रनों का स्कोर बचाने में सफल

पुरुष क्रिकेट में कोई टीम 160+ का स्कोर बनाकर 76% मुकाबले ही जीतती है। वहीं महिला क्रिकेट में ये स्कोर लगभग जीत की गारंटी है। ऐसा इसलिए क्योंकि महिला टीमें 93% बार ये टारगेट बचा लेती हैं। इस वजह से मैचों में रोमांच की कमी है, जिसकी बानगी हाल ही में हुए भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 वर्ल्ड कप मुकाबले में भी नजर आई, जहां सेमीफाइनल जैसे महत्वपूर्ण मुकाबले में भी अधिक दर्शक नहीं पहुंचे।

5. पुरुष में अधिकतम स्ट्राइक रेट 176, महिलाओं में 137

महिला और पुरुष क्रिकेट में स्ट्राइक रेट का अंतर व्यक्तिगत प्रदर्शन में भी नजर आता है। टी20 फॉर्मेट में 1000 से ज्यादा रन बना चुके 101 पुरुष खिलाड़ी हैं, जिनमें भारत के सूर्यकुमार यादव (175.76) का स्ट्राइक रेट सर्वोच्च है। महिला क्रिकेट में 1000 रनों के आंकड़े तक पहुंची 49 खिलाड़ियों में से दक्षिण अफ्रीका की लेस ट्रियोन का स्ट्राइक रेट 137.21 है, जो हाईएस्ट है। यह दोनों कैटेगरी के बीच पावर हिटिंग के अंतर को दिखाता है।

6. महिलाओं में 130 प्लस स्ट्राइक रेट वाली सिर्फ 3 बल्लेबाज, पुरुषों में 49

इन्हीं में से महिला क्रिकेट में 130 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट वाली सिर्फ 3 बल्लेबाज हैं, जबकि पुरुष क्रिकेट में ऐसे 49 बल्लेबाज हैं जो प्रति 100 गेंद 130 से ज्यादा रन बनाते हैं। इसका फायदा महिला गेंदबाजों को मिलता है, जहां 200 ओवर डालने के बाद अधिकतम इकोनॉमी रेट विंडीज की एलीन (8.27) का है, जबकि पुरुषों में अधिकतम इकोनॉमी रेट विंडीज के रोमारियो शेफर्ड (10.51) का है।

इंदौर में बैटिंग पिच, ऑस्ट्रेलिया का फोकस स्पिन पर

गिल ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक लगाया था, केएल की जगह मौका मिलना संभव

इंदौर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर के होलकर स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट बुधवार से खेला जाएगा। मैच से पहले दोनों ही टीमों ने इंदौर में प्रैक्टिस शुरू कर दी है। टीम इंडिया के बैटर्स केएल राहुल और शुभमन गिल ने सोमवार को एक साथ बैटिंग प्रैक्टिस की।

पिच की तस्वीर भी सामने आई है। इसमें बीच में थोड़ी घास है पर बाकी जगह ऐसा नहीं है। माना जा रहा है कि इस पिच पर बल्लेबाजी आसान होगी। 2 टेस्ट मैच हार चुकी ऑस्ट्रेलियाई टीम का फोकस स्पिन गेंदबाजी के सामने बल्लेबाजी पर रहा।

इसी मैदान पर जनवरी में शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक लगाया है। हालांकि, यह शतक वनडे में लगाया था पर आउट ऑफ फॉर्म चल रहे केएल राहुल की जगह उन्हें ओपनिंग का मौका मिल सकता है।

1. पिच पर बीच में घास है, लेकिन दोनों ही एंड की पॉपिंग क्रीज सूखी नजर आ रही है। एक्सपर्ट्स कहते हैं कि इंदौर की पिच बैटिंग फ्रेंडली रहेगी। यहां शुरुआती 2 दिन बैटर्स को मदद रहेगी।

2. तीसरे दिन से पिच टूटना शुरू होगी और टेस्ट के आखिरी दिन स्पिनर्स को मदद मिलेगी।

3. नागपुर और दिल्ली में शुरुआती 2 टेस्ट के दौरान दूसरे दिन से ही पिच पर बहुत ज्यादा स्पिन देखने को मिली थी। जिस कारण दोनों ही टीमों के स्पिनर्स ने खूब विकेट चटकाए। 2 टेस्ट की सीरीज में भारत के रवींद्र जडेजा 17, रविचंद्रन अश्विन 14 और ऑस्ट्रेलिया के टॉड मर्फी 10 विकेट ले चुके हैं।

सबसे बड़ा सवाल, राहुल ओपनिंग करेंगे या शुभमन गिल...शुभमन के चांस ज्यादा

केएल राहुलः फॉर्म सवालों के घेरे में है। पिछले 4 टेस्ट में उनका हाईएस्ट स्कोर 23 रन है। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के खिलाफ इन 4 टेस्ट की 7 पारियों में उन्होंने 22, 23, 20, 17 और 1 रन बनाए हैं। उन्होंने जनवरी 2021 में आखिरी बार टेस्ट में साउथ अफ्रीका के खिलाफ फिफ्टी प्लस स्कोर बनाया था। पिछले 5 टेस्ट से उनकी पारियों में कोई शतक या अर्धशतक नहीं है।

शुभमन गिलः टेस्ट में शुभमन ने दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ शतक मारा है। ये टेस्ट करियर का इकलौता शतक है। वे 4 अर्धशतक भी लगा चुके हैं। वनडे की पिछली 4 पारियों में 3 शतक हैं और इनमें एक 208 रनों की पारी न्यूजीलैंड जैसी टीम के खिलाफ खेली है। होलकर ग्राउंड पर 24 जनवरी को ही 112 रन की पारी खेली है। ग्राउंड और मौजूदा फॉर्म को ध्यान में रखते हुए, उन्हें मौका दिया जा सकता है।

गिल स्पिनर्स तो राहुल पेसर्स के खिलाफ प्रैक्टिस करते दिखे

शुभमन सोमवार को सबसे पहले होलकर स्टेडियम पहुंचे। बाकी प्लेयर्स वॉर्मअप कर रहे थे, लेकिन गिल पैड बांधकर नेट्स पर बैटिंग के लिए चले गए। कोच राहुल द्रविड़ ने कुछ देर तक उन्हें बैटिंग करते हुए देखा। इसके बाद पास के नेट्स में केएल राहुल ने प्रैक्टिस शुरू कर दी। गिल ने जहां जडेजा, अक्षर समेत अन्य स्पिनर्स के सामने बहुत देर बैटिंग की तो वहीं, राहुल ने लेफ्ट आर्म पेसर्स के सामने बैटिंग की।

कोहली का फॉर्म भी मुश्किल दौर में है

होलकर स्टेडियम में टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली और रोहित शर्मा ने भी एक ही समय पर नेट प्रैक्टिस की। रोहित जहां स्पिनर्स के खिलाफ लंबे-लंबे शॉट्स लगाते दिखे, वहीं कोहली ऑफ स्पिनर्स के सामने लगातार डिफेंस करते दिखे।

बैटिंग प्रैक्टिस के बाद कोहली ने अपने साथी प्लेयर्स को स्लिप कैचिंग की प्रैक्टिस भी कराई। कोहली खुद इंटरनेशनल क्रिकेट में 300 कैच लेने से महज एक कैच दूर हैं।

कोहली ने 23 नवंबर 2019 को आखिरी बार टेस्ट शतक जड़ा था। इस शतक के बाद कोहली ने 22 टेस्ट खेल लिए और महज 993 रन ही बना सके। उन्होंने 6 फिफ्टी लगाईं, लेकिन उनका बैटिंग औसत महज 26.13 का रहा। जो उनके टेस्ट करियर औसत 48.49 से बहुत कम है।

शुरुआती 2 टेस्ट में चोट के कारण प्लेइंग-11 से बाहर रहे तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन सोमवार को प्रैक्टिस करते नजर आए। स्टार्क ने जहां रिवर्स स्विंग की प्रैक्टिस की तो वहीं, ग्रीन ने स्टार्क की गेंदों का ही सामना किया। ग्रीन इस दौरान स्टार्क की बॉल पर बोल्ड भी हो गए।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस पारिवारिक कारणों से ऑस्ट्रेलिया लौट गए। वह तीसरा टेस्ट नहीं खेलेंगे। उनकी जगह उप कप्तान स्टीव स्मिथ टीम की कमान संभालेंगे। टीम मैनेजमेंट कमिंस की जगह मिचेल स्टार्क को टीम में शामिल कर सकती है। भारत में स्टार्क का बॉलिंग रिकॉर्ड तो कुछ खास नहीं है, लेकिन बैटिंग से उन्होंने यहां 4 टेस्ट में 250 से ज्यादा रन बनाए हैं।

राशिद खान ने खेला हेलीकॉप्टर शॉट

लाहौर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान सुपर लीग के खेले गए मैच में ऑलराउंडर राशिद खान ने हेलीकॉप्टर शॉट खेलकर गेंद को 99 मीटर दूर सिक्स के लिए पहुंचाया। हेलीकॉप्टर शॉट पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का पसंदीदा शॉट रहा है। उनके बाद कई क्रिकेटर इस शॉट को खेलते हैं। अफगानिस्तान के स्पिन गेंदबाज राशिद खान कई बार हेलीकॉप्टर खेलते नजर आए हैं। राशिद खान पीएसएल में लाहौर कलंदर्स की ओर से खेलते हैं। सोमवार को लाहौर कलंदर्स का मैच इस्लामाबाद युनाइटेड के साथ गद्दाफी स्टेडियम में था। लाहौर कलंदर्स की पारी के 19वें ओवर इस्लमाबाद युनाइटेड की ओर से टॉम करन रहे थे। इस ओवर की तीसरी गेंद ऑफ स्टंप के बाहर थी। गेंद छोटी भी थी। राशिद ने एक पैर को आगे निकालते हुए बल्ले को हेलीकॉप्टर की तरह घुमा गेंद को डीप मिडविकेट और लॉग ऑन के बीच में से छह रनों के लिए खेल दिया। गेंद 99 मीटर दूर जाकर गिरी। राशिद ने इस मुकाबले में 12 गेंदों में दो चौकों और एक छक्के की मदद से 18 रन की पारी खेली।

खिलाड़ी ही नहीं अंपायर्स को भी फिटनेस की चिंता

होलकर स्टेडियम में रनिंग करते नजर आए रिचर्ड कैटलब्रो; तीसरे टेस्ट में करेंगे अंपायरिंग

इंदौर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। क्रिकेट और स्पोर्ट्स में फिटनेस के मायने बहुत है। लेकिन, खिलाड़ियों के साथ मैच ऑफिशियल्स, खासतौर पर अंपायर्स को अपनी फिटनेस पर ध्यान देते कम ही देखा जाता है। वहीं, दूसरी ओर भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच इंदौर के होलकर स्टेडियम में तीसरे मैच से पहले अंपायर रिचर्ड कैटलब्रो रनिंग करते नजर आए।

होलकर स्टेडियम से एक वीडियो सामने आया, इसमें इंग्लैंड के अंपायर कैटलब्रो प्रैक्टिस पिच के पास शटल रन करते नजर आए। शटल रन में पिच जितनी दूरी पर बगैर बैट और पैड के करीब 10 बार रनिंग की जाती है।

रिचर्ड एक मार्च से इंदौर में शुरू होने वाले भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे टेस्ट में फील्ड अंपायर रहेंगे। ऐसे में उन्हें भी ज्यादा से ज्यादा 5 दिनों के लिए लगातार 7 घंटे तक मैदान पर खड़े रहना पड़ सकता है। 5 दिनों तक अपना स्टैमिना और फिटनेस बनाए रखने के लिए ही रिचर्ड मैदान पर रनिंग करते नजर आए।

रिचर्ड दुनिया के सबसे फिट अंपायरों में से भी एक हैं। इंदौर टेस्ट में रिचर्ड के अलावा भारत के नितिन मेनन भी अंपायरिंग करेंगे। नितिन आईसीसी अंपायर्स की एलीट पैनल लिस्ट में हैं। साथ ही वह मूल रूप से इंदौर के ही रहने वाले हैं।

करियर का 108वां टेस्ट रहेगा इंदौर मैच

49 साल के रिचर्ड इंग्लैंड में यॉर्कशायर से घरेलू क्रिकेट खेलते थे। 38 साल की उम्र में उन्होंने अंपायरिंग करना शुरू किया। अब तक उन्होंने 51 टी-20 और 145 वनडे में अंपायरिंग की है। इंदौर में भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच एक मार्च को अंपायरिंग करने के साथ रिचर्ड 108 टेस्ट में अंपायरिंग कर लेंगे।

उन्हें अब तक 107 में से 77 बार फील्ड अंपायरिंग का मौका मिला तो वहीं 30 बार उन्होंने टीवी अंपायर की भूमिका भी निभाई। वह आईसीसी अंपायरों की एलीट पैनल लिस्ट में भी शामिल हैं।

उन्हें टी-20 वर्ल्ड कप, वनडे वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी जैसे बड़े टूर्नामेंट में भी अंपायरिंग करने का अनुभव है।

इंदौर में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। भारत इस वक्त 4 टेस्ट की सीरीज के शुरुआती 2 मैच जीतकर सीरीज में 2-0 से आगे हैं। इंदौर में तीसरा टेस्ट जीतकर भारत सीरीज जीतना चाहेगा। वहीं, ऑस्ट्रेलिया मैच जीतकर भारत में 19 सालों में दूसरा टेस्ट जीतने की उम्मीद कर रहा है।

इंदौर टेस्ट के बाद 9 मार्च से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में चौथा टेस्ट खेला जाएगा। टेस्ट के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम 3 मैचों की वनडे सीरीज भी खेलेगी। जिसके मैच 17, 19 और 22 मार्च को खेले जाएंगे।

वानखेड़े स्टेडियम में लगेगा सचिन तेंदुलकर का स्टैच्यू

नवंबर में वनडे वर्ल्ड कप के दौरान होगा अनावरण

इसी मैदान पर तेंदुलकर ने खेला था आखिरी इंटरनेशनल मैच

मुंबई, 28 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने एक बड़ा फैसला लिया है। एसोसिएशन मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में सचिन तेंदुलकर का स्टैच्यू लगाने जा रहा है। सचिन 24 अप्रैल को 50 साल के होने जा रहे है। साथ ही इस साल नवंबर में उन्हें रिटायर हुए 10 साल भी हो जाएंगे। नवंबर 2013 में वानखेड़े स्टेडियम में सचिन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच खेला था।

एमसीए वानखेड़े में मास्टर ब्लास्टर का स्वर्ण जयंती साल मना रहा है, और स्टैच्यू सेलिब्रेशन का एक हिस्सा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन स्टैच्यू का अनावरण 2023 आईसीसीए वर्ल्ड कप के दौरान किया जाएगा। इसे एमसीए लाउंज के बाहर प्लेटफॉर्म पर लगाया जाएगा।

सचिन ने सहमति जताई

इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, एमसीए अध्यक्ष अमोल काले ने कहा कि वानखेड़े स्टेडियम में पहली बार किसी का स्टैच्यू लगेगा। स्टैच्यू सचिन का क्रिकेट में योगदान की याद दिलाएगा। वे भारत रत्न है। मैंने उनसे तीन हफ्ते पहले बात की थी और उनकी सहमति मिल गई थी।

मास्टर ब्लास्टर का करियर

टेस्ट	वनडे	T-20I
200 मैच	463 मैच	1 मैच
15921 रन	18426 रन	10 रन
53.79 औसत	44.83 औसत	1 विकेट

इसी स्टेडियम में कोच ने लगाई थी फटकार - सचिन

स्टैच्यू बनने पर सचिन तेंदुलकर ने कहा कि, मुझे बहुत खुशी हो रही है। 1998 में वानखेड़े में यह सब शुरू हुआ। यहीं मैंने अपना पहला रणजी मैच खेला। मेरे प्रोफेशनल प्लेयर बनने से अफ्ले यहीं कोच आचरेकर सर ने मुझे फटकार लगाई थी और उसके बाद से मैं एक सीरियस क्रिकेटर बन गया। ये मेरे लिए बहुत खास जगह है इस जगह से मेरी बहुत ही खास यादें जुड़ी हुई हैं। मेरे लिए वानखेड़े स्टेडियम में मेरा स्टैच्यू बनना बहुत बड़ी बात है।

वानखेड़े स्टेडियम में ही भारत ने जीता था वनडे वर्ल्ड कप

2011 वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में ही खेला गया था। यहां भारत ने श्रीलंका को हरा कर कई मिथक तोड़े थे। भारत पहली ऐसी मेजबान टीम बनी थी, जिसने वर्ल्ड कप जीता था। इससे पहले किसी टीम ने अपनी जमीन पर वर्ल्ड कप हासिल नहीं किया था। इसके साथ ही सचिन तेंदुलकर का वर्ल्ड कप जीतने का सपना पूरा हुआ था।

भारत में दूसरी बार किसी क्रिकेटर का स्टैच्यू लगेगा

सचिन भारत के दूसरे क्रिकेटर होंगे जिनका स्टैच्यू लगेगा। अब तक सिर्फ पूर्व भारतीय कप्तान कर्नल सीके नायडू की तीन अलग-अलग जगह स्टैच्यू लगा है। इसमें वे इंदौर का होल्कर स्टेडियम, नागपुर का विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम और आंध्र में वीसीडीए स्टेडियम शामिल है।

बैंगलोर में राहुल द्रविड़ के नाम से है एक दीवार

भारत के पूर्व बल्लेबाज राहुल द्रविड़ के नाम से भी बैंगलोर के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर एक दीवार है जिस पर तीन शब्द कमिटमेंट, क्लास और कंसिसटेंसी लिखे हैं। ये तीनों शब्द राहुल द्रविड़ की पर्सनाल्टी को बखूबी बयां करते हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर अच्छे रैंक लाकर राज्य का नाम रोशन करें : केटीआर

मंत्री ने छात्रों से की राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने की अपील

राजन्ना-सिरिसिल्ला, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामा राव ने मंगलवार को छात्रों से अगले तीन महीनों में राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं में कड़ी मेहनत करने और अच्छे रैंक हासिल करने की अपील की। छात्रों को अच्छे रैंक हासिल करके जिले और राज्य का नाम रोशन करने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षक, माता-पिता और उन्हें भी गर्व होगा अगर वे पढ़ाई में उत्कृष्ट हों और अच्छी नौकरी के साथ जीवन में बस जाएं। मंगलवार को येल्लारेड्डीपेट जूनियर कॉलेज मैदान में गिफ्ट ए स्माइल कार्यक्रम के तहत इंटरमीडिएट के छात्रों को 2,000 डिजिटल टैब वितरित करने के बाद बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के दौरान टैब उनके लिए मददगार होंगे। उन्होंने कहा कि इससे पहले, सिरसिल्ला में 1,000 टैब वितरित किए गए थे और अगले चरण में वेमुलावाड़ा निर्वाचन क्षेत्र में 3,000 टैब देने का आश्वासन दिया। सभी इंटरमीडिएट के छात्रों को आने वाले दिनों में टैब प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि छात्रों को इंस्टाग्राम, ट्विटर और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ब्राउज़ करने के लिए टैब का उपयोग करने के बजाय एनईईटी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए उनका उपयोग करना चाहिए।

अक्टूबर-दिसंबर 2022 तिमाही में स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण-2023 में जिले को फोर स्टार श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर मंत्री ने जिलाधिकारी से लेकर सफाईकर्मियों तक पूरे जिला प्रशासन की सराहना की, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर की रैंक के लिए कड़ी मेहनत की है। मंत्री ने कहा कि राजन्ना-सिरिसिला भी कई क्षेत्रों में अन्य क्षेत्रों के लिए एक रोल मॉडल के रूप में उभरे हैं। येल्लारेड्डीपेट जूनियर कॉलेज मैदान की स्थिति पर असंतोष व्यक्त करते हुए, मंत्री ने गंबीरावपेट केजी टू पीजी संस्थान की तर्ज पर मैदान को विकसित करने का आश्वासन दिया।

भाकपा ने डॉ. प्रीति के दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिर्फ दो दिन पहले काकतीय मेडिकल कॉलेज की पीजी मेडिकल छात्रा डॉ प्रीति ने रैगिंग के कारण आत्महत्या कर ली, जो जूनियर छात्रों के लिए जाति, क्षेत्रीय और अन्य प्रकार के उत्पीड़न का खतरा बन गया है। इससे पहले आईआईटी मुंबई के 18 वर्षीय छात्र दर्शन सोलंकी ने रैगिंग के कारण आत्महत्या कर ली थी। इसी प्रकार के रैगिंग के मामले कुछ अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक संस्थानों से भी रिपोर्ट किए जाते हैं। बुराई को रोकने के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए जाने के कारण रैगिंग होती है।

भाकपा की राष्ट्रीय परिषद ने महसूस किया कि ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं से बचने के लिए सभी प्रयास किए जाने चाहिए। दोषियों को दंडित किया जाना चाहिए और छात्रों को अन्याय के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए विशेष पाठ्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए।

पशुधन क्षेत्र में उच्च सार्वजनिक निवेश समय की आवश्यकता : पुरुषोत्तम रूपाला

केंद्रीय मंत्री ने स्टार्ट-अप कॉन्क्लेव का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार ने राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड, स्टार्टअप इंडिया, सीआईआई और तेलंगाना का पशुपालन विभाग पशुपालन के साथ एक कन्वेंशन सेंटर, हैदराबाद में पशुधन, डेयरी और पशुपालन क्षेत्रों में मौजूदा और उभरते स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए आज एक भव्य स्टार्ट-अप कॉन्क्लेव का आयोजन किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन, डेयरी मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी केन्द्रीय राज्य मंत्री डॉ. संजीव कुमार बाल्यान और डॉ. एल. मुरुगन, तेलंगाना के मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री टी. श्रीनिवास यादव ने भाग लिया। कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए पुरुषोत्तम रूपाला ने कहा कि पशुपालन के माध्यम से कृषि विविधीकरण ग्रामीण आय में वृद्धि के प्राथमिक चालकों में से एक है और पशुधन क्षेत्र में उच्च सार्वजनिक निवेश समय की आवश्यकता है। पशुपालन और डेयरी मंत्रालय पशुधन क्षेत्र में विकास को और बढ़ावा देने के लिए सभी हितधारकों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस तरह पशुपालन को पशुधन क्षेत्र में लगे किसानों और उद्यमियों के लिए अधिक लाभकारी बनाता है। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री डॉ. संजीव कुमार बालियान ने भी सभा को संबोधित किया और पशुधन क्षेत्र के महत्व और भारत में पशुधन क्षेत्र की प्रमुख चुनौतियों पर प्रकाश डाला। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय इन सभी चुनौतियों से निपटने और उद्यमशीलता, प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप, डिजिटलीकरण, नवीन विचारों आदि को बढ़ावा देने के लिए अन्य मंत्रालयों और हितधारकों के साथ तालमेल और तालमेल बैठा रहा है। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय भी अन्य मंत्रालयों और हितधारकों के साथ तालमेल और तालमेल बना रहा है। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने इस बात पर जोर दिया कि पशुधन क्षेत्र में वैज्ञानिक हस्तक्षेप के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बदलना पहले ही शुरू हो चुका है और हम नए मील के पत्थर हासिल करने की प्रक्रिया को तेज कर रहे हैं और सभी हितधारकों के मूल्यवान सुझावों से मदद मिलेगी। हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं और अमृत काल में प्रवेश कर चुके हैं, जो भारत के लिए 25 साल लंबा नेतृत्व है। "2014 से पहले, स्टार्टअप्स की संख्या बहुत कम थी, अब हम 1 लाख से अधिक स्टार्टअप्स के साथ दुनिया में तीसरे स्थान पर हैं।" भारत दुनिया भर में मांस निर्यात में 8वें और अंडे के निर्यात में तीसरे स्थान पर है। डेयरी, पशुपालन बढ़ रहा है और प्रौद्योगिकी के साथ आगे बढ़ रहा है। पशुपालन और मत्स्य पालन मंत्री तेलंगाना तलसानी श्रीनिवास ने हैदराबाद में स्टार्टअप्स के इस तरह के सम्मेलन के आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी। राजेश कुमार सिंह, सचिव ने अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में भारत के पशुधन और डेयरी क्षेत्र की विशाल क्षमता और पशुधन के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न हस्तक्षेपों पर प्रकाश डाला, जिसमें बुनियादी ढांचा विकास, उत्पादकता बढ़ाना, पशुधन स्वास्थ्य में सुधार और किसानों के दरवाजे पर सेवाएं प्रदान करना शामिल है।

वर्षा जोशी, अतिरिक्त सचिव, भारत सरकार ने स्टार्टअप्स के विकास को बढ़ावा देने के लिए पशुपालन विभाग की प्रचार और सहायक गतिविधियों पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी। डॉ. सपना पोती, निदेशक, रणनीतिक गठबंधन प्रभाग, पीएसए कार्यालय, ने ग्रैंड स्टार्टअप कॉन्क्लेव में मंथन प्लेटफार्म के माध्यम से उद्योग और स्टार्टअप की व्यस्तताओं पर चर्चा की।

डॉ. प्रीति की आत्महत्या की गहन जांच कराएं कुलपति : राज्यपाल

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. प्रीति की आत्महत्या की दुखद घटना को गंभीरता से लेते हुए राजभवन ने राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन के निर्देश पर कलोजी नारायण राव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति को एक पत्र लिखा है। पत्र ने डॉ प्रीति की मौत को भयानक करार दिया और सच्चाई का पता लगाने के लिए सभी कोणों से गहन जांच की जरूरत है। राज्यपाल के कार्यालय ने स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में उत्पीड़न और रैगिंग की ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं पर एक विस्तृत रिपोर्ट भी मांगी। पत्र में मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में मेडिकोज और सहायक प्रोफेसरों के ड्यूटी के घंटों और सीसी कैमरों की स्थापना और कामकाज से निपटने के लिए एसओपी नियमावली के बारे में भी पूछताछ की गई है। राजभवन से मिले पत्र में शिकायत निवारण प्रकोष्ठ के कामकाज, पीड़ितों की चिंताओं को दूर करने, चिकित्सकों से फीडबैक के मूल्यांकन और उनकी कार्य स्थितियों जैसे मुद्दों पर भी प्रकाश डाला गया। पत्र में पीड़ित को निम्स अस्पताल में स्थानांतरित करने में कीमती समय बर्बाद होने के बारे में भी उल्लेख किया गया था, इसके बजाय सुपर स्पेशियलिटी विशेषज्ञों और आवश्यक उन्नत चिकित्सा उपकरणों को एमजीएम अस्पताल में स्थानांतरित करने का सुझाव दिया गया था ताकि डॉ को सर्वोत्तम संभव उपचार दिया जा सके। पत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति के नियंत्रण में रैगिंग विरोधी उपायों और तंत्र पर एक रिपोर्ट भी मांगी गई है। राज्यपाल ने छात्रों, विशेष रूप से महिला मेडिकोज की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के साथ मेडिकल कॉलेजों में एंटी-रैगिंग और उत्पीड़न विरोधी कानूनों को सख्ती से लागू करने का आह्वान किया।

इसने शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत करने और प्रत्येक मेडिकल कॉलेज में मनोचिकित्सा विंग के एचओडी की अध्यक्षता में छात्र परामर्श प्रकोष्ठ बनाने का भी सुझाव दिया था।

पत्र में उल्लेख किया गया है कि राज्यपाल ने कुलपति को भविष्य में ऐसी किसी भी दुर्भाग्यपूर्ण घटना को रोकने के लिए मेडिकोज और फैकल्टी के बीच बेहतर जागरूकता पैदा करने और प्रभावी रणनीति बनाने का निर्देश दिया। राज्यपाल ने पीड़िता डॉ. प्रीति को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दोषियों को दंडित करने के लिए गहन जांच का आह्वान किया।

नवीनतम नेचर इंडेक्स रैंकिंग में यूओएच भारतीय विश्वविद्यालयों में प्रथम

कुलपति व समकुलपति ने सभी प्राध्यापकों व विद्यार्थियों के समर्पित भाव को श्रेष्ठ बताया

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच), एक प्रतिष्ठित संस्थान (आईओई), नवीनतम नेचर इंडेक्स रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बना हुआ है। यूओएच को शैक्षणिक क्षेत्र में भारतीय विश्वविद्यालयों में पहला और भारत के सभी संस्थानों में 16वां स्थान दिया गया है। नेचर इंडेक्स प्राकृतिक और भौतिक विज्ञान (रसायन विज्ञान, जीवन विज्ञान, पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान और भौतिक विज्ञान सहित) में उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान का सूचक है। भारतीय विश्वविद्यालयों में शीर्ष स्थान पर है.वि.वि. की निरंतर उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए, कुलपति, प्रोफेसर बी.जे. राव ने कहा, "हम सभी विषयों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और पिछले वर्ष की तुलना में हमारे हिस्से में वृद्धि हुई है. बहु-विषयक विश्वविद्यालय होने के नाते हमारा प्रदर्शन बहुत अच्छा है। खुशी है कि हमारा विश्वविद्यालय संबंधित विषयों में दुनिया के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों के मुकाबले शीर्ष पर है।

मैं इस प्रदर्शन के लिए है.वि.वि. के सभी लोगों को बधाई देता हूं और विश्व स्तर पर शीर्ष पर बने रहने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हैं। विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. आरएस सर्राजू ने बताया कि हैदराबाद विश्वविद्यालय अपने-आपमें एक पहचान बन गया है। यहां के प्राध्यापकों व विद्यार्थियों के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारियों के समर्पित भाव में कार्य इसका नतीजा है। ये सभी बधाई के पात्र हैं। "रैंकिंग" 1 दिसंबर 2021-30 नवंबर 2022" के नेचर इंडेक्स डेटा पर आधारित है। है.वि.वि. को शैक्षणिक क्षेत्र के तहत 66 की संख्या और 20.26 का हिस्सा प्राप्त हुआ जिसमें रसायन विज्ञान, जीवन विज्ञान, पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान और भौतिक विज्ञान विषय शामिल हैं।

यदि एक या एक से अधिक लेखक उस संस्थान से हैं तो एक (1) की गणना एक संस्थान को सौंपी जाती है। "शेयर" एक आंशिक गणना है जो उस संस्थान के लेखकों के प्रतिशत और प्रति लेख संबद्ध संस्थानों की संख्या को ध्यान में रखती है। किसी भी लेख के लिए अधिकतम संयुक्त हिस्सा एक है।

कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है तेलंगाना : मंत्री

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री निरंजन रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना ने राज्य के गठन के बाद से कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की है और पूरे राज्य में खेती का क्षेत्र साल दर साल बढ़ रहा है। मंगलवार को तिरुवनंतपुरम में कृषि में मूल्य श्रृंखला विकास-2023 अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री निरंजन रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में तेलंगाना सरकार ने एक के बाद एक कई योजनाएं शुरू की हैं। दूसरा किसानों के कल्याण और कृषि के विकास के लिए और सरकार के अनवरत प्रयासों से तेलंगाना की अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान साल दर साल बढ़ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार कृषि क्षेत्र में फसलों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए स्टार्टअप्स को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित कर रही है। निरंजन रेड्डी ने किसानों की आंखों में मायूसी की जगह विश्वास लाने के लिए कृषि क्षेत्र के प्रति केंद्र सरकार की धारणा बदलने की बात कहते हुए कहा कि देश भर में फसलों की खेती के आधार पर फसल कॉलोनियां स्थापित की जानी चाहिए और प्रयास किए जाने चाहिए। आने वाले दिनों में कृषि निर्यात में सुधार करने के लिए बनाया गया।

2022-2023 के स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण रैंकिंग में सिद्दीपेट सबसे ऊपर

सिद्दीपेट, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वित्तीय वर्ष 2022-23 की तीसरी तिमाही की स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण-2023 रैंकिंग में सिद्दीपेट जिला पहले स्थान पर आया है। जिला 3 स्टार श्रेणी में पहले स्थान पर आया, जबकि तेलंगाना का जगतियाल जिला और केरल का कोट्टायम जिला क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर आया। असेसमेंट की अवधि अक्टूबर-2022 से दिसंबर-2022 तक थी। टीम वर्क के लिए अधिकारियों और जिले के निर्वाचित प्रतिनिधियों की सराहना करते हुए, वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि जिले भर में मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के दिमाग की उपज, पल्ले प्रगति के प्रभावी कार्यान्वयन के साथ परिणाम संभव था। घरों, स्कूलों, आंगनबाड़ियों और ग्राम पंचायतों में शौचालय उपलब्ध कराने में जिला सबसे आगे है। गीला कचरा प्रबंधन में भी जिला दक्ष रहा है। रैंक संबंधित जिला प्रशासन द्वारा ऑनलाइन अपडेट किए गए विवरण के आधार पर दिए गए हैं। कलेक्टर प्रशांत जीवन पाटिल ने अधिकारियों और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को उनके प्रतिबद्ध कार्य के लिए बधाई दी।

अंतरिक्ष अन्वेषण खेती और मौसम की भविष्यवाणी के लिए महत्वपूर्ण : डॉ. राधाकृष्णन

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भौतिकी विभाग, आईआईटी हैदराबाद (आईआईटीएस) ने 'वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान' विषय के साथ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। डॉ के राधाकृष्णन (पद्म भूषण प्राप्तकर्ता), अंतरिक्ष विभाग में मानद विशिष्ट सलाहकार और इसरो के पूर्व अध्यक्ष, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने 'ट्राइस्ट विद अ अमेजिंग इसरो एंड माई लाइफ लेसन्स' पर एक चिंतनशील भाषण दिया। प्रोफेसर पी पाणिग्रही, निदेशक, आईआईएसईआर, कोलकाता ने भी 'इमर्जेंस' पर एक लोकप्रिय व्याख्यान दिया था। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस उत्सव कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, परिसर के अंदर एक 'एडवांस्ड डार्क स्काई ऑब्जर्वेटरी' (एडीओ) की स्थापना की गई। वेधशाला के महत्व को बताते हुए, डॉ. राधाकृष्णन ने कहा, "यह अद्भुत रोबोटिक टेलीस्कोप है जिसे आपने आज यहां बनाया है। यदि इस संस्थान की सभी इंजीनियरिंग विज्ञान क्षमताओं को अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए उपकरणों की एक नई नस्ल बनाने के लिए एक साथ रखा जाता है, तो आप एक प्रमुख योगदानकर्ता होंगे।" भौतिकी विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए, आईआईटीएच के निदेशक प्रोफेसर बी एस मूर्ति ने कहा, हमें डॉ. राधाकृष्णन से जोश के साथ सपने देखना सीखना चाहिए।

सितारों, उनके अस्तित्व और कई अन्य प्रश्नों और दुविधाओं के बारे में जानना किसी के लिए भी हमेशा रोमांचक होता है। इस परिदृश्य में मददगार विकल्पों में से एक टेलीस्कोप है। आईआईटीएच में, हमने एक विशेष एडीओ के तहत एक 14 इंच का टेलीस्कोप स्थापित किया है, जो हमें अंतरिक्ष में मामूली विवरणों की दृष्टि दे सकता है ताकि कोई उनके बारे में अधिक जानने में सक्षम हो सके, यह सुनिश्चित कर सके कि अंतरिक्ष के बारे में सामान्य रूप से ज्ञान हो। , बढ़ाएँ, और हम आत्मानबीरता प्राप्त कर सकते हैं। "यहां, हमारे पास उन्नत अवलोकन सुविधाओं में से एक है जो न केवल खगोलीय अनुसंधान का बीजारोपण करेगी बल्कि डेटा विज्ञान और प्रबंधन, मशीन सीखने के साथ-साथ रोबोटिक्स में भी शोध करेगी। इन उन्नत सुविधाओं के साथ, हम युवा छात्रों को तारकीय वस्तुओं का अधिक विस्तार से अध्ययन करने और एक्सोसोलर ग्रहों सहित नई खगोलीय वस्तुओं की खोज करने का अवसर प्रदान करेंगे।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

रेलवे ने स्वर्ण पदक जीता

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे की टीम ने 22 से 28 फरवरी, 2023 तक पुणे में आयोजित मिश्रित युगल स्पर्धा में सीनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। पिछले 20 सालों में यह पहला खिताब है। इस कार्यक्रम में नागेंद्र (दक्षिण मध्य रेलवे) और कनिका कंवल (उत्तरी रेलवे) द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन देखा गया।

विभिन्न गंतव्यों के बीच 'होली' विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। होली के त्योहार के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को दूर करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे सिकंदराबाद-रक्सौल-सिकंदराबाद और काचीगुडा-बीकानेर-काचीगुडा के बीच निम्नलिखित विशेष ट्रेनें चलाएगा। ट्रेन सं. 07051 सिकंदराबाद-रक्सौल 4 मार्च को, ट्रेन नंबर 07052 रक्सौल-सिकंदराबाद 9 मार्च, ट्रेन नंबर 07053 काचीगुड़ा-बीकानेर 4 मार्च, ट्रेन संख्या 07054 बीकानेर-काचीगुड़ा 7 मार्च को रवाना होगी। ट्रेन नंबर 07051/07052 सिकंदराबाद-रक्सौल-सिकंदराबाद विशेष ट्रेनें दो फेरा सेवा देगी। रास्ते में ये ट्रेनें काजीपेट, पेद्दापल्ली, मंचेरियल, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, गोंदिया, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, झारसुगुड़ा, राउरकेला, रांची, मुरी, बोकारो स्टील सिटी, चंद्रपुरा, धनबाद, बराकर, चित्तरंजन, मधुपुर, जसीडीह, दोनों दिशाओं में झाझा, किऊल, बरौनी, समस्तीपुर, दरभंगा और सीतामढ़ी स्टेशन हैं। इसी क्रम में ट्रेन नंबर 07053/07054 काचीगुड़ा-बीकानेर-काचीगुड़ा विशेष ट्रेनें दो सेवाएं देगी। रास्ते में ये ट्रेनें मेडचल, वाडियाराम, कामारेड्डी, निज़ामाबाद, बसर, मुदखेड, नांदेड़, पूर्णा, बासमत, हिंगोली, वाशिम, अकोला, शेगाव, मलकापुर, भुसावल, जलगांव, नंदरबार, सूरत, वडोदरा, गेरातपुर, अहमदाबाद, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़, पाली मारवाड़, लूनी, जोधपुर, गोटन, मेड़ता रोड, नागौर और नोखा स्टेशन पर रूकेगी।

नवाचार और उद्यमिता पर ध्यान केंद्रित करें छात्र : वरुण रेड्डी

कलेक्टर ने किया आरजीयूकेटी का दौरा

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिला के कलेक्टर वरुण रेड्डी ने आरजीयूकेटी परिसर का दौरा किया। इस पर आरजीयूकेटी के कुलपति प्रोफेसर वेंकटरमण द्वारा उनका स्वागत किया गया। इसके बाद आरजीयूकेटी परिसर में छात्र गतिविधि केंद्र सभागार में ई-सेल और अटल इनोवेशन सेंटर टी-हब द्वारा आयोजित छात्र उद्यमी के रूप में कैसे विकसित हो सकते हैं? कलेक्टर वरुण रेड्डी, वीसी प्रोफेसर वेंकटरमण, निदेशक सतीश कुमार और एआईसी टी हब के सीईओ राजेश कुमार के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के लिए निदेशक प्रो. सतीश कुमार ने स्वागत भाषण दिया। तत्पश्चात कलेक्टर वरुण रेड्डी ने अपनी पृष्ठभूमि के बारे में बताते हुए कहा कि उन्होंने आईआईटी बॉम्बे में बीटेक कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग किया है, नवाचार यह है कि छात्र हमेशा हमारे आसपास के वातावरण के कारण होने वाली समस्याओं को हल करने के नए तरीके खोज सकते हैं।

उन्होंने कहा कि छात्रों को मुख्य रूप से नवाचार और उद्यमिता पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और एक उद्यमी जहाज कैसे शुरू होता है, इसकी एक अनूठी अवधारणा के माध्यम से एक पद्धति के साथ विभिन्न पहलुओं को समझने का प्रयास करना चाहिए। कुलपति प्रो. वेंकटरमन ने पिछले सात माह से आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में बताया। अटल इनोवेशन सेंटर के माध्यम से प्रथम वर्ष के इंजीनियरिंग छात्रों के अवसरों में सुधार करने के लिए यह एक अच्छा मंच है और छात्रों को विजन 20-27 के साथ काम करने की सलाह देता है। कार्यक्रम में कंपनी के संस्थापक और सीईओ वामसी कृष्णा, चैतन्य और एसोसिएट इनोवेशन मैनेजमेंट सदस्य निकिता ने भाग लिया।

बाद में इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. वेंकटरमन, कलेक्टर श्री वरुण रेड्डी और निदेशक प्रो. सतीश कुमार द्वारा छात्रों को वर्दी के कपड़े और जूते दिए गए। बाद में कलेक्टर श्री वरुण रेड्डी आईएएस का शाल ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया तथा कार्यक्रम में शिक्षिकाओं व विद्यार्थियों ने भाग लिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.